@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

# कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 15 दिसम्बर 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 41 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

# नितिन नबीन बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने

## ● बिहार सरकार में मंत्री हैं; नए अध्यक्ष के चुनाव तक कार्यभार संभालेंगे

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक स्तर पर बड़ा फैसला लेते हुए बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन (45) को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है. इस नियुक्ति को बिहार के साथ-साथ राष्ट्रीय राजनीति में बीजेपी की रणनीतिक मजबूती के तौर पर देखा जा रहा है। पार्टी नेतृत्व ने उनके संगठनात्मक अनुभव, जमीनी पकड़ और प्रशासनिक क्षमता को देखते हुए यह अहम जिम्मेदारी सौंपी है. नितिन नबीन बीजेपी के सबसे कम उम्र के अध्यक्ष बने हैं.

यह नियुक्ति 14 दिसंबर 2025 से तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है. इस संबंध में पार्टी की ओर से औपचारिक संगठनात्मक आदेश जारी किया गया है. बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह द्वारा जारी आदेश के अनुसार, यह नियुक्ति भारतीय जनता पार्टी के संसदीय बोर्ड द्वारा की गई है. आदेश में स्पष्ट किया गया है कि नितिन नबीन, जो वर्तमान में बिहार

सरकार में मंत्री हैं, अब राष्ट्रीय स्तर पर संगठन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभालेंगे। बिहार की नीतीश सरकार में सड़क निर्माण मंत्री नितिन नबीन वर्तमान में पटना के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं. नबीन छात्र राजनीति से लेकर संगठन के विभिन्न पदों तक का सफर तय कर चुके हैं। उनकी पहचान एक अनुशासित संगठनकर्ता और तेज फैसले लेने वाले नेता के रूप में रही है. बिहार बीजेपी में वे कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा चुके हैं, जिनमें प्रदेश स्तर पर संगठन को मजबूत करने की भूमिका शामिल है।

### पीएम मोदी ने नितिन नबीन को दी बधाई, बोले-एक कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में विशिष्ट पहचान बनाई

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नितिन नबीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि वे अपने विनम्र स्वभाव के साथ जमीन पर काम करने के लिए जाने जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि उनकी ऊर्जा और प्रतिबद्धता आने वाले समय में हमारी पार्टी को और अधिक सशक्त बनाएगी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि नितिन नबीन ने एक कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। वे एक युवा और परिश्रमी नेता हैं, जिनके पास संगठन का अच्छा-खासा अनुभव है। बिहार में विधायक और मंत्री के रूप में उनका कार्य बहुत प्रभावी रहा है, साथ ही जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए उन्होंने पूरे समर्पण भाव से काम किया है। पीएम ने आगे लिखा कि मुझे पूरा विश्वास है कि उनकी ऊर्जा और प्रतिबद्धता आने वाले समय में हमारी पार्टी को और अधिक सशक्त बनाएगी। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर उन्हें हार्दिक बधाई।

# मंच से राहुल गांधी ने चुनाव अधिकारियों को दी हिदायत, बदलेंगे कानून और करेंगे कार्रवाई

## ● 'हिंदुस्तान में सत्य और असत्य के बीच लड़ाई हो रही है'

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** दिल्ली में आयोजित कांग्रेस की रैली में रविवार को सांसद राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और भाजपा पर तीखा हमला बोला। साथ ही चुनाव अधिकारियों को हिदायत दी कि वे इनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी विचारधारा, हिंदुस्तान की विचारधारा, हिंदू धर्म और दुनिया के हर धर्म की विचारधारा कहती है कि सत्य सबसे जरूरी है। हिंदुस्तान में सत्य और असत्य के बीच लड़ाई हो रही है। इस लड़ाई में चुनाव आयोग, भाजपा की सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है। राहुल गांधी ने ज्ञानेश कुमार, सुखबीर सिंह संधू, विवेक जोशी पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्य-असत्य की इस लड़ाई में ये चुनाव आयुक्त भाजपा के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। नरेंद्र मोदी ने चुनाव आयुक्तों को बचाने के लिए कानून बदल दिया, जिसमें ये कुछ भी करें, इन पर कोई एक्शन नहीं लिया जा सकता, लेकिन याद रखिए हम इन चुनाव आयुक्तों की रक्षा करने वाले कानून को बदलेंगे और इनके

खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि गांधीजी कहते थे, सत्य सबसे जरूरी चीज है। हमारे धर्म में 'सत्यम शिवम् सुंदरम्' और 'सत्यमेव जयते' के बारे में भी कहा गया है, लेकिन मोहन भागवत कहते हैं, विश्व सत्य को नहीं, शक्ति को देखता है। जिसके पास शक्ति है, उसे माना जाता है। यह आरएसएस और मोहन भागवत की सोच है। जहां एक तरफ हमारा धर्म कहता है कि सत्य सबसे जरूरी है। वहीं दूसरी तरफ मोहन भागवत कहते हैं, सत्य का कोई मतलब नहीं है, सत्ता जरूरी है। आज देश में सत्य और असत्य के बीच लड़ाई है। हम सत्य के लिए नरेंद्र मोदी, अमित शाह और आरएसएस की सरकार को हिंदुस्तान से हटाएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा का आत्मविश्वास खत्म हो चुका है क्योंकि उन्हें पता है कि हमारी वोट चोरी पकड़ी गई है। अमित शाह भी तभी तक बहादुर हैं, जब तक इनके हाथ में सत्ता है। वहीं कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने चुनाव आयोग पर हमला बोलते हुए कहा कि आज भाजपा को चुनाव आयोग की जरूरत है, क्योंकि उसके बिना नरेंद्र मोदी चुनाव नहीं जीत सकते। हमें चुनाव आयोग के तीन अधिकारियों के नाम नहीं भूलने हैं, क्योंकि ये लोग लोकतंत्र पर वार कर रहे हैं। इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है, जब पूरा विपक्ष कह रहा है कि चुनाव आयोग पर हमें भरोसा नहीं रहा। चुनाव प्रक्रिया के हर कदम को चुनाव आयोग ने संदिग्ध बना दिया है। आज देश की हर संस्था को मोदी सरकार ने अपने सामने झुका दिया है।

उन्होंने कहा कि मैं चुनौती देती हूं, भाजपा एक बार बैलेट पेपर पर निष्पक्ष चुनाव लड़ ले। ये कभी नहीं जीत पाएंगे और यह बात भाजपा भी जानती है। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज हालात ये हैं कि पिछले आम चुनाव में मुख्यमंत्रियों को जेल में डाला गया, कांग्रेस का बैंक अकाउंट बंद कर दिया गया, भ्रष्टाचार के नाम पर बेबुनियाद आरोप लगाए गए।

# हज़ारों सीनियर सिटीज़न्स सभी पुलिस स्टेशनों पर सेशन में शामिल हुए

**कौमी पत्रिका**
**नरेश मल्होत्रा**

नई दिल्ली। डिजिटल अरेस्ट के बारे में जागरूकता फैलाने के लगातार प्रयासों को जारी रखते हुए, दिल्ली पुलिस PRO ब्रांच ने IFSO, SPUWAC और दिल्ली के सभी पुलिस जिलों के सहयोग से आज सीनियर सिटीज़न्स के लिए डिजिटल अरेस्ट के मुद्दे पर एक व्यापक *साइबर क्राइम जागरूकता सेशन* आयोजित किया। यह कार्यक्रम दिल्ली के सभी पुलिस स्टेशनों के साथ-साथ सीनियर सिटीज़न्स सेल, SPUWAC यूनिट में एक साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, साइबर सुरक्षा जागरूकता पर एक जानकारी भरा चर्चा सत्र श्री मनोज कुमार, ACP/IFSO और श्री रंजय अत्रिश्या, ACP/APRO द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। इस सत्र को दिल्ली पुलिस के आधिकारिक YouTube चैनल पर लाइव स्ट्रीम किया गया। सभी पुलिस स्टेशनों

और यूनिट्स में 250 स्क्रीन के साथ विशेष व्यवस्था की गई थी, ताकि सत्र को लाइव देखा जा सके, जहाँ सीनियर सिटीज़न्स को व्यक्तिगत रूप से कार्यक्रम में शामिल होने और लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया गया था। बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने ऑनलाइन भी सत्र में भाग लिया। व्यक्तिगत रूप से सत्र में भाग लेने वाले सीनियर सिटीज़न्स को डिजिटल अरेस्ट के बारे में जागरूकता पर ध्यान केंद्रित करते हुए विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए शैक्षिक पैम्फलेट भी प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त, साइबर सुरक्षा पर स्टैंडी और पोस्टर कार्यक्रम स्थलों पर प्रदर्शित किए गए, और लाइव स्ट्रीम शुरू होने से पहले छोटे साइबर सुरक्षा जागरूकता वीडियो दिखाए गए। लाइव स्ट्रीम किए गए संयुक्त चर्चा सत्र के दौरान, सीनियर सिटीज़न्स - लक्षित दर्शक - जो पुलिस स्टेशनों पर शारीरिक रूप से मौजूद थे, साथ ही जो ऑनलाइन भाग ले रहे थे, उन्हें डिजिटल दुनिया और भौतिक दुनिया के बीच के अंतर के बारे में जागरूक किया गया, और साइबर अपराधी कैसे इस अंतर का फायदा उठाकर समाज के कमजोर वर्गों को निशाना बनाते हैं। प्रतिभागियों को साइबर अपराधियों द्वारा तथाकथित डिजिटल अरेस्ट के झूठे परिदृश्य बनाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली रणनीति के बारे में बताया गया। **शेष पृष्ठ 3 पर**

# मणिपुर में हथियारों का जखीरा बरामद, उग्रवादी कैडर व ड्रग तस्कर गिरफ्तार

**एजेंसी**
**इम्फाल।** मणिपुर में बीते 24 घंटे में सुरक्षा बलों और मणिपुर पुलिस ने अलग-अलग जिलों में व्यापक अभियान चलाकर हथियारों का जखीरा बरामद किया, कई उग्रवादी संगठनों के सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया और एक ड्रग तस्कर को भी दबोचा। पुलिस प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि, काकचिंग जिले के सुगनू थाना क्षेत्र अंतर्गत मोल्टिनचैन गांव इलाके में चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किए। बरामद सामग्री में एक एसएलआर बिना मैगजीन, स्थानीय रूप से निर्मित एक बोल्ट-एक्शन स्नाइपर राइफल खाली मैगजीन सहित, एक डीबीबीएल, एक एसबीबीएल, खाली मैगजीन सहित एक स्थानीय पिस्तौल, एक 36 एचई हैंड ग्रेनेड बिना डेटोनेटर, 7.62

एलएमजी की एक खाली मैगजीन, तीन ट्यूब लॉन्चिंग, एसएलआर की 15 गोलियां, पांच स्टन शेल और एक 51 मिमी एचई बम शामिल हैं। मणिपुर पुलिस ने बिष्णुपुर जिले के कुम्बी थाना क्षेत्र अंतर्गत कुम्बी मायाई लेइकाई वार्ड नंबर-6 से प्रतिबंधित संगठन प्रीपाक (प्रो) के एक सक्रिय कैडर थंगजाम प्रियोबार्ता सिंह उर्फ योक्खतपा (35) को उसके आवास से गिरफ्तार किया। इंफाल पश्चिम जिले के सिंगजामेई थाना क्षेत्र के कांचीपुर इलाके से सुरक्षा बलों ने प्रीपाक (प्रो) के दो सक्रिय उगाहीकर्ताओं को भी पकड़ा। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान काकचिंग जिले के काकचिंग थोंगलान पारेंग निवासी क्षत्रिमयुम अबिनाश सिंह (21) और इंफाल पश्चिम जिले के क्वाकेइथेल थोकचोम लेइकाई निवासी राजकुमार डेनियल सिंह (31) उर्फ लोयताबा उर्फ जेस्सी उर्फ नाओटन के रूप में हुई है।

# उत्तर प्रदेश भाजपा के नए 'चौधरी' बने केंद्रीय राज्यमंत्री पंकज

## ● लखनऊ में पार्टी के केंद्रीय चुनाव अधिकारी ने की निर्वाचित होने की घोषणा

**एजेंसी**
**लखनऊ।** भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के नए अध्यक्ष के रूप में पंकज चौधरी की ताजपोशी हो गई। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को लखनऊ में आयोजित एक समारोह में प्रदेश अध्यक्ष के रूप में पंकज चौधरी के निर्वाचित होने की घोषणा की। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद के चुनाव में एकमात्र नामांकन होने के बाद आज प्रदेश चुनाव अधिकारी ने पंकज चौधरी को निर्वाचित कर दिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, संगठन के केंद्रीय चुनाव अधिकारी के लक्ष्मण, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, प्रदेश के चुनाव अधिकारी डॉ महेंद्र नाथ पांडेय, अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी सहित कई केंद्रीय व राज्य के दिग्गज नेताओं के अलावा वरिष्ठ मंत्री, प्रदेशभर से आए हजारों पदाधिकारी उपस्थित रहे। लखनऊ के डॉ राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि

विश्वविद्यालय में आज एक समारोह में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बडी पार्टी है और इसके व्यवस्थित कामकाज से दुनिया हैरान है। यहां भाजपा के सदस्य बनाने से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने तक की प्रक्रिया होती हैं और सभी कार्य सर्वसम्मति से होते हैं। उन्होंने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर सभी पुराने-नए नेताओं को पार्टी को आगे बढ़ाने का श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि मुझे सर्वसम्मति से पंकज चौधरी को भाजपा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष के रूप में घोषित करते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों के नामों की भी घोषणा की। इन सदस्यों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या, ब्रजेश पाठक, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रमापति राम त्रिपाठी, निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के नाम मुख्य रूप से शामिल हैं।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री गोयल ने नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी को निर्वाचन संबंधी प्रमाणपत्र और निवर्तमान अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ने नए अध्यक्ष पंकज चौधरी को पार्टी का ध्वज सौंपा। नए अध्यक्ष की घोषणा होते ही सभागार में भारत माता की जय, पीएम नरेंद्र मोदी, सीएम योगी आदित्यनाथ जिंदाबाद के नारे लगाए। सभी प्रमुख पदाधिकारियों ने नए अध्यक्ष को बुके भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

# यूक्रेन की महिलाओं ने किए भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन

## रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की कामना की

**एजेंसी**
**मंदसौर।** मध्य प्रदेश के मंदसौर स्थित अष्टमुखी भगवान पशुपतिनाथ मंदिर में शनिवार देर शाम एक भावुक और आध्यात्मिक दृश्य देखने को मिला, जब यूक्रेन से आई छह सदस्यीय महिला श्रद्धालुओं का दल भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन के लिए मंदिर परिसर पहुंचा। यूक्रेन की महिला श्रद्धालु मंदिर में दर्शन के दौरान नतमस्तक होकर प्रार्थना करते नजर आईं। दर्शन के समय दल में शामिल एक महिला की आंखों से आंसू बहते देखे गए। यूक्रेन से आए इस दल ने भगवान पशुपतिनाथ से रूस-यूक्रेन युद्ध के शीघ्र समाप्त होने और विश्व में शांति व मानवता की स्थापना की कामना की।इस अवसर पर महिलाओं के साथ जूना अखाड़ा (भिवानी-हरियाणा) के महामंडलेश्वर स्वामी संगम गिरी महाराज भी उपस्थित रहे।उन्होंने यूक्रेन की महिला श्रद्धालुओं को पशुपतिनाथ मंदिर की भव्यता, ऐतिहासिक महत्व और आध्यात्मिक दिव्यता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यूक्रेन से आए दल में कर्णेश्वरी भी शामिल थीं, जो माता काली की अनन्य भक्त हैं। अष्टमुखी भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन कर वे अत्यंत भावुक हो उठीं। इस अवसर पर कर्णेश्वरी ने कहा किइस पावन स्थल पर आकर ऐसा अनुभव हुआ, मानो ईश्वर साक्षात आसपास उपस्थित हों। उन्होंने बताया कि उन्होंने भगवान पशुपतिनाथ से यूक्रेन में चल रहे युद्ध के अंत और शांति की बहाली के लिए प्रार्थना की है।विदेशी श्रद्धालुओं की यह भावुक उपस्थिति इस बात का प्रमाण है

कि भगवान पशुपतिनाथ का आध्यात्मिक प्रभाव देश-विदेश की सीमानओं से परे है। यह पवित्र स्थल शांति, करुणा, मानवता और विश्व बंधुत्व का संदेश देता है। अपनी अद्वितीय अष्टमुखी प्रतिमा और आध्यात्मिक विशेषताओं के कारण पशुपतिनाथ मंदिर की पहचान विश्वभर में है। यही कारण है कि देश के साथ-साथ विदेशी श्रद्धालु भी बाबा पशुपतिनाथ के दर्शन के लिए निरंतर मंदिर पहुंच रहे हैं।

# संसद में वोट चोरी पर नहीं मिला जवाब, सड़कों पर उठाएंगे मुद्दाः राजीव शुक्ला

**नई दिल्ली।** दिल्ली में रविवार को कांग्रेस रैली में पार्टी सांसदों ने कहा कि राहुल गांधी ने जो मुद्दा देश के सामने उठाया है, उसे जन-जन तक ले जाने का काम करेंगे। रामलीला मैदान में कांग्रेस सांसदों और वरिष्ठ नेताओं ने आईएएनएस से बातचीत की। कांग्रेस सांसद अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने कहा कि देश की जनता ने राहुल गांधी पर भरोसा जताया है। देश की जनता को पता है कि वोट चोरी कर सरकारें बनाई जा रही हैं। राहुल गांधी के समर्थन में इतनी तदाद में जनता रामलीला मैदान आई है। कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि जिस तरह से राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रियंका गांधी वाड्रा ने आवाज उठाई है, उससे पूरे देश में एक नई गूंज पैदा हुई है ।

# कफ सिरप के अवैध कारोबार पर ईडी का शिकंजा, यूपी समेत कई राज्यों में तलाशी

**एजेंसी**
**लखनऊ।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के लखनऊ जोनल कार्यालय ने कोडीन-आधारित कफ सिरप के अवैध व्यापार और डायवर्जन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत 12 और 13 दिसंबर को व्यापक तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश, झारखंड और गुजरात सहित कई राज्यों में फैले कुल 25 ठिकानों पर की गई, जिनमें लखनऊ, वाराणसी, जौनपुर, सहारनपुर, रांची और अहमदाबाद शामिल हैं। तलाशी आरोपियों और उनके सहयोगियों के आवासीय और कार्यालय परिसरों में की गई। ईडी ने यह जांच उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज की गई 30 एफआईआर के आधार पर शुरू की है। एफआईआर एनडीपीएस अधिनियम, भारतीय दंड संहिता और अन्य लागू कानूनों के प्रावधानों के तहत दर्ज की गई थीं। एफआईआर में एक सुव्यवस्थित और बहुस्तरीय आपराधिक सिंडिकेट के अस्तित्व का आरोप लगाया गया है, जो वैधानिक नियमों और नियंत्रणों का गंभीर उल्लंघन करते हुए कोडीन-आधारित कफ सिरप की अवैध खरीद, भंडारण, डायवर्जन और बिक्री में संलिप्त था। जांच में आरोप है कि संबंधित व्यक्तियों ने अपनी विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से भारी मात्रा में कोडीन-आधारित कफ सिरप की खरीद की। इसके बाद उन्होंने कई फर्जी और फ्रंट कंपनियां बनाईं, धोखाधड़ी से लाइसेंस हासिल किए और दस्तावेजों व रिकॉर्ड में हेरफेर कर इस स्टॉक को गैर-चिकित्सकीय और नशीले पदार्थों के उपयोग के लिए डायवर्ट किया।

# हॉर्नबिल महोत्सव भारत की सांस्कृतिक समृद्धि का सशक्त प्रतीकः मोदी

## ● नागालैंड स्वयं में एक उत्सव का प्रतीक है : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नागालैंड के हॉर्नबिल महोत्सव की सराहना की है और इसे भारत की सांस्कृतिक समृद्धि तथा जनजातीय विरासत की चिरस्थायी जीवंतता का सशक्त प्रतीक बताया है। श्री मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा एक अखबार में हॉर्नबिल महोत्सव को लेकर लिखे गये लेख को साझा किया है और इसकी प्रशंसा करते हुए इसे भारत की सांस्कृतिक समृद्धि तथा जनजातीय विरासत की चिरस्थायी जीवंतता का एक शक्तिशाली प्रतीक बताया है। उन्होंने कहा कि आज पूर्वोत्तर एक नये, आत्मविश्वासी भारत का चेहरा प्रस्तुत करता है। नागालैंड की अनूठी सांस्कृतिक

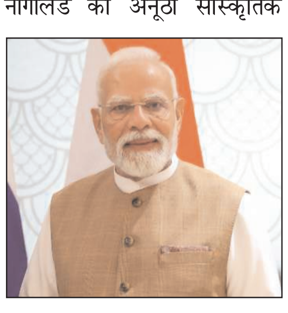

पहचान की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह राज्य केवल एक महोत्सव की मेज़बानी नहीं करता, बल्कि स्वयं में एक उत्सव का प्रतीक है, जो 'त्योहारों की भूमि' के गौरवशाली नाम को सही सिद्ध करता है।

श्री सिंधिया ने एक अंग्रेजी अखबार में नागालैंड के हॉर्नबिल महोत्सव में पूर्वोत्तर की झलकियां नाम से एक लेख लिखा है, जिसे श्री मोदी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर साझा किया है। श्री मोदी ने लिखा कि नागालैंड का हॉर्नबिल महोत्सव मानवीय भावना के विविध रंग और प्राचीन तथा आधुनिकता के अद्भुत समन्वय के रूप में चित्रित करता है। उन्होंने कहा, 'जब हमारा पूर्वोत्तर प्रकाशमान होगा, तभी समूचा राष्ट्र उन्नति की ऊंचाइयों को छूएगा। '

# उदयपुर में भीषण हादसाः टैंकर से टकराया बेकाबू ट्रेलर

## ● फिर छह वाहनों के उड़े परखच्चे; तीन लोगों की मौके पर मौत

**एजेंसी**
**उदयपुर।** उदयपुर जिले में पिंडवाड़ा नेशनल हाईवे पर रविवार को एक के बाद एक छह वाहनों की टक्कर से भीषण सड़क हादसा हो गया। इस दुर्घटना में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद हाईवे पर दोनों ओर करीब पांच किलोमीटर लंबा जाम लग गया।

**पीर बावजी के पास हुआ दर्दनाक हादसा**

जानकारी के मुताबिक, यह दुर्घटना गोगुंदा थाना क्षेत्र में पीर बावजी के पास हुई। जानकारी के अनुसार, पत्थरों से भरा एक ट्रेलर अनियंत्रित हो गया और उसकी टक्कर एक टैंकर से हो गई। इसके बाद टैंकर की चपेट में तीन कारें भी आ गईं, जिससे हादसा और गंभीर हो गया।

**कई वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त**

हादसा इतना भीषण था कि एक फॉर्च्यूनर कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। टक्कर के बाद कई लोग वाहनों के नीचे फंस गए, जिन्हें बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। घटनास्थल पर अफरातफरी का माहौल बन गया। घटनास्थल से गुजर रहे भाजपा के उदयपुर देहात जिलाध्यक्ष पुष्करलाल तेली ने बताया कि पिंडवाड़ा की ओर से आ रहा ट्रेलर अचानक बेकाबू हो गया, जिसके बाद एक-एक कर वाहन आपस में टकराते चले गए। उन्होंने बताया कि आठ से अधिक लोग अलग-अलग गाड़ियों में फंसे हुए थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। दुर्घटना के कारण हाईवे की दोनों लेन पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया, जिससे लंबा जाम लग गया।

# गाजियाबाद में नकली दवाओं की फैक्ट्री, पूरे नॉर्थ इंडिया में होती थी सप्लाई, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने नकली दवाओं के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए गाजियाबाद के लोनी इलाके में चल रही एक अवैध फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। इस फैक्ट्री में स्किन से जुड़ी बीमारियों की नकली दवाएं बड़े पैमाने पर तैयार की जा रही थीं, जिनकी सप्लाई दिल्ली सहित पूरे उत्तर भारत में की जा रही थी। इस अवैध कारोबार के जरिए आम लोगों की सेहत के साथ गंभीर खिलवाड़ किया जा रहा था। पुलिस को काफी समय से दिल्ली और आसपास के इलाकों में नकली दवाओं की बिक्री की सूचनाएं मिल रही थीं। इन इनपुट्स के आधार पर क्राइम ब्रांच ने मामले की गहन जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस की टीम लोनी में संचालित फैक्ट्री तक पहुंची और वहां छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने स्किन रोगों में इस्तेमाल होने वाली बड़ी मात्रा में नकली दवाएं, कच्चा माल, दवा बनाने की मशीनें, लेबल, खाली पैकिंग सामग्री और नामी कंपनियों जैसी दिखने वाली दवाओं के पैकेट बरामद किए। जांच में सामने आया कि फैक्ट्री में तैयार की जा रही नकली दवाओं को दिल्ली के सदर बाजार समेत कई बड़े दवा बाजारों में सप्लाई किया जाता था। इसके बाद पुलिस ने सदर बाजार में भी छापेमारी कर नकली दवाओं की एक बड़ी खेप जब्त की। जब्त किए गए माल की अनुमानित कीमत करीब 1.10 करोड़ रुपये बताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि यह नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय था और इसके जरिए कई लोग मोटा मुनाफा कमा रहे थे। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक आरोपी फैक्ट्री का मालिक बताया जा रहा है, जो नकली दवाओं का निर्माण करवा रहा था। दूसरा आरोपी इन दवाओं की सप्लाई और वितरण के नेटवर्क को संभालता था। दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, ताकि इस रैकेट से जुड़े अन्य लोगों, सप्लायरों और खरीदारों का पता लगाया जा सके। विशेषज्ञों के अनुसार नकली दवाएं बेहद खतरनाक होती हैं, क्योंकि इनमें न तो सही मात्रा में दवा होती है और न ही गुणवत्ता का ध्यान रखा जाता है। इससे मरीजों की बीमारी ठीक होने के बजाय और गंभीर हो सकती है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले में आगे की जांच कर रही है और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है।

# जीत का जश्न मातम में बदला : पटाखे फटने से कार्यकर्ता की मौत

मलप्पुरम (एजेंसी)। केरल के स्थानीय निकाय चुनावों में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की जीत का जश्न मलप्पुरम जिले में एक दर्दनाक हादसे में बदल गया। कोंडोटी इलाके में विजय उत्सव के दौरान पटाखों में हुए विस्फोट से एक यूडीएफ कार्यकर्ता की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान इरशाद (40) के रूप में हुई है। वह कोंडोटी में अपने दोपहिया वाहन पर सवार होकर चुनावी जीत का जश्न मना रहा था और पटाखे फोड़ रहा था। इसी दौरान स्कूटर पर रखे भारी मात्रा में पटाखों पर अचानक चिंगारी गिर गई, जिससे जोरदार विस्फोट हो गया। कोंडोटी थाने के एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट इतना तेज था कि स्कूटर में तुरंत आग लग गई। इरशाद गंभीर रूप से झुलस गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

# दानापुर में टेंट गोदाम में भीषण आग, बुलेट बाइक में धमाका : लाखों का सामान जलकर राख, 5 दमकल गाड़ियों ने पाया काबू

पटना (एजेंसी)। दानापुर इलाके में शनिवार देर रात एक टेंट गोदाम में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी का महौल बन गया। रूपसपुर थाना क्षेत्र के रुकनपुरा विजयनगर, लेन नंबर-6 स्थित महाराजा टेंट और इवेंट मैनेजमेंट के गोदाम में आग लगने के कारण गोदाम में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गोदाम के भीतर खड़ी एक बुलेट बाइक में अचानक आग लग गई। इसके कुछ ही क्षण बाद जोरदार धमाका हुआ, जिससे आग तेजी से फैल गई। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के रिहायशी इलाकों में दहशत फैल गई। लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकलकर सड़कों पर आ गए और इलाके में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। आग की सूचना स्थानीय लोगों ने अग्निशमन विभाग और रूपसपुर थाना पुलिस को दी। सूचना पर दमकल विभाग की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने स्थानीय नागरिकों के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग की चपेट में आकर गोदाम में रखा टेंट-पंडाल से जुड़ा सारा सामान, महंगे सोफा सेट, क्रॉकरी और अन्य इवेंट सामग्री पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई। घटना में किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। आग के फैलाव की आशंका को देखते हुए स्थानीय पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर लोगों को सुरक्षित दूरी बनाए रखने की हिदायत दी और सुरक्षा व्यवस्था संभाली।

# पॉक्सो मामले में कोर्ट ने आरोपी को सुनाई 20 साल की कठोर सजा, जुर्माना भी लगाया

गोपेश्वर (एजेंसी)। जनपद चमोली के गोपीश्वर स्थित विशेष सत्र न्यायालय (पॉक्सो) ने एक बहुचर्चित मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी राजेन्द्र सिंह उर्फ राजू को दोषी करार दिया। कोर्ट ने आरोपी को 20 साल के कठोर कारावास और 20 हजार रुपए जुर्माने से दंडित किया है। जुर्माना अदा न करने पर अतिरिक्त सजा भुगतने का भी प्रावधान है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट में राजेन्द्र सिंह उर्फ राजू एवं अन्य आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा विचाराधीन था। मामले की सुनवाई विशेष सत्र न्यायाधीश, जिला चमोली (गोपीश्वर) की कोर्ट में हुई। न्यायालय ने साक्ष्यों, गवाहों के बयानों और चिकित्सकीय प्रमाणों के आधार पर आरोपी राजेन्द्र सिंह को पॉक्सो के तहत दोषी पाया। वहीं, 302 एवं 201 के आरोपों में कोर्ट ने दोषमुक्त किया। बता दें 21 मई 2020 को उसकी पुत्री अचानक घर से लापता हो गई। परिजनों द्वारा गांव, जंगल, नदी किनारे एवं आसपास के क्षेत्रों में काफी तलाश की गई, किंतु उसका कोई पता नहीं चला। 25 मई 2020 को गांव के समीप भड़कीयाधार जंगल में एक पेड़ से लटका हुआ पीड़िता का शव मिला। शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि पीड़िता की उम्र घटना के समय 18 साल से कम थी। अभियोजन का यह भी आरोप था कि आरोपी राजेन्द्र ने पीड़िता को बहला-फुसलाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए, जिससे वह गर्भवती हो गई थी और बाद में उसे प्रताडित किया गया।

# हमें तय करना होगा घर की दीवारों पर विवेकानंद की तस्वीर हो या जैक्सन की: भागवत

**श्री विजय पुरम (एजेंसी)।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि हिंदुओ को एकजुट होकर देश को आगे ले जाना होगा। इसके लिए वैसा ही आचरण करना होगा। हम जहां रहते है वो हिंदू घर की तरह सजा होना चाहिए। हमें यह तय करना होगा कि घर की दीवारों पर स्वामी विवेकानंद की तस्वीर हो या माइकल जैक्सन की। भागवत ने ये बातें अंडमान के श्रीविजय पुरम में स्थित नेताजी स्टेडियम में विराट हिंदू सम्मेलन समिति द्वारा आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि हिंदू एकता के लिए एकरूपता को जरूरी नहीं मानता। बाकी दुनिया इसके उलट सोचती है। अगर हिंदू जागेंगे तो दुनिया जागेगी। दुनिया मानती है कि भारत ही रास्ता दिखाएगा। समस्याओं पर समय बर्बाद करने के बजाय हमें समाधान खोजने चाहिए। किसी भी काम को पूरा करने के लिए शक्ति की जरुरत होती है और शक्ति केवल एकता से आती है। दुनिया सत्य को नहीं शक्ति को देखती है। जिसके पास शक्ति है उसी की बात मानी जाती है। एक मजबूत समाज बनाने और राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एकता जरुरी है। इसके साथ ही भागवत ने टकराव से बचने की भी सलाह दी।

भागवत ने भगवान कृष्ण और जंगल में रहने वाले एक राक्षस के बारे में महाभारत की एक कहानी सुनाते हुए कहा कि अर्जुन और सात्यकि ने राक्षस से लड़ने की कोशिश की, लेकिन हर वार से वह और बड़ा होता गया। कृष्ण ने हस्तक्षेप किया, टकराव से बचाया और बिना लड़ाई के उसे वश में करने के लिए समझदारी का इस्तेमाल किया। सबक यह है कि हर समस्या के लिए बल की जरुरत नहीं होती। समाधान स्थिति को समझने पर निर्भर करते हैं। हम परिवार के साथ घूमने जाते हैं। मैं कहना चाहता हूं कि आप पेरिस, सिंगापुर जाओ। दुनिया घूमने में कोई दिक्कत नहीं है लेकिन कभी-कभी श्री विजयपुरम भी जाओ, वहां सेल्यूलर जेल देखो। लोगों ने यहां जेल में अपनी जिंदगी बिताई है। वे झुके नहीं, वे टूटे नहीं। उन्होंने आजाद भारत देखा।

बता दें तीन दिन का अंडमान दौरा पूरा आरएसएस सरसंघचालक के रूप में भागवत का केंद्र शासित प्रदेश का यह पहला दौरा था। करीब दो दशक पहले, वह संगठन के सरकार्यवाह के रूप में द्वीप समूह का दौरा कर चुके थे। वह तीन दिन के लिए यहां पहुंचे थे। यह दौरा 11-13 दिसंबर तक का था।

# केरल की जनता के भरोसे से आगामी चुनावों के लिए नई ताकत और आत्मविश्वास मिला : प्रियंका

नई दिल्ली। केरल की वायनाड सांसद प्रियंका गांधी ने कहा है कि राज्य के स्थानीय निकाय चुनावों के परिणाम एक ऐसी सरकार के लिए लोगों की उम्मीदों को दर्शाते हैं जो उनके संघर्षों को समझे और ईमानदारी से उनका जवाब दे। साथ ही उन्होंने केरल की यूडीएफ सरकार पर भरोसा जताने के लिए राज्य की जनता को धन्यवाद दिया है। प्रियंका गांधी ने फेसबुक पोस्ट में कहा कि केरल के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने, उनकी आवाज को ध्यान से सुनने और ईमानदार, संवेदनशील और जनहितैषी शासन के लिए हर दिन काम करने की उनकी पार्टी की प्रतिबद्धता ''स्पष्ट और हृदय से महसूस की जाने वाली'' थी। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजे महज एक राजनीतिक परिणाम से कहीं ज्यादा है। यह एक ऐसी सरकार के लिए जनता की उम्मीदों को दर्शाते हैं जो उनकी समस्याओं को समझती है और ईमानदारी से उनका समाधान करती है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रियंका ने संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) पर भरोसा जताने के लिए केरल की जनता को धन्यवाद दिया और कहा कि उनके जनादेश से आगामी विधानसभा चुनावों के लिए मोर्चे को नई ताकत और आत्मविश्वास मिला है। उन्होंने कहा कि सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों को मेरी हार्दिक बधाई और प्रत्येक नेता और कार्यकर्ता के प्रति मेरी गहरी कृतज्ञता, जिनके अथक समर्पण ने इस जीत को संभव बनाया।

# दिल्ली में खतरनाक वायु प्रदूषण यह सब अमीरों के चोचले हैं: बाबा रामदेव

**-घर के अंदर बैठिए अनुलोम-विमोम करिए, मास्क पहनने की दी सलाह**

**नई दिली (एजेंसी)।** दिल्ली एनसीआर में खतरनाक स्तर के प्रदूषण को लेकर योगगुरु बाबा रामदेव ने कहा कि यह सब अमीरों के चोचले हैं। उन्होंने प्रदूषण से खुद को बचाने के व्यायाम भी बताए। एक टीवी चैनल से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा देखिए, जब देश विकास कर रहा है तो कुछ धूल तो उड़ेगी ही। उन्होंने कहा कि कभी-कभी दिल्ली गैस चैंबर बन जाती है। ऐसे में आप लोगों को अपने घरों में पर्दा डालकर रखना चाहिए। 15-20 दिन में एक बार उन्हें साफ कर लीजिए और मास्क पहनकर रखिए। उन्होंने कहा कि घर के अंदर बैठिए और अनुलोम-विमोम करिए, कपालभाति करिए। एयर प्यूरिफायर के बारे में सवाल करने पर उन्होंने कहा कि यह सब केवल अमीरों के चोचले हैं।

बता दें राजधानी दिल्ली में गंभीर श्रेणी के वायु प्रदूषण के बीच एक बार फिर ग्रैप-3 लागू कर दिया गया है। ऐसे में 50 फीसदी कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम के मोड से काम करने और स्कूलों को हाइब्रिड मोड पर चलाने का आदेश दिया गया है। दिल्ली के प्रदूषण को देखते हुए कार्डियोलॉजिस्ट ने लोगों को कई सुझाव दिए थे। उनमें से एक एयर प्यूरिफायर का इस्तेमाल करना भी था। उन्होंने कहा था कि बाहर निकलने पर लोग एन-95 मास्क का इस्तेमाल करें। इसके अलावा घरों के अंदर इंडोर प्लांट्स लगाएं और एयर प्यूरिफायर का इस्तेमाल करें। इसके अलावा बच्चों और बुजुर्गों को घर में रखने की सलाह दी गई थी। 13 दिसंबर के परिपत्र के मुताबिक शिक्षा निदेशालय, एनडीएमसी, एमसीडी और दिल्ली छावनी बोर्ड के अंतर्गत आने वाले सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और गैर-सरकारी मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों को अगले आदेश तक जहां भी संभव हो, ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों प्रकार की कक्षाएं संचालित करने का निर्देश दिया गया है। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि शनिवार को इस साल की अब तक की सबसे खराब वायु गुणवत्ता दर्ज की गई जो 11 नवंबर को दर्ज किए गए पिछले उच्चतम स्तर 428 को भी पार कर गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक 24 घंटे का एक्यूआई 431 रहा।

# महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण का दावा, 19 दिसंबर को सत्ता में होगा बदलाव, एक मराठी व्यक्ति बनेगा प्रधानमंत्री

**पुणे, (एजेंसी)।** देश की राजनीति में एक बड़े उलटफेर की संभावना व्यक्त करते हुए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने एक सनसनीखेज भविष्यवाणी की है। पृथ्वीराज चव्हाण ने दावा करते हुए पत्रकारों से कहा कि, 19 दिसंबर को देश में अब तक का सबसे बड़ा राजनीतिक भूकंप आएगा। भारत का प्रधानमंत्री बदलेगा और वह प्रधानमंत्री एक मराठी व्यक्ति होगा। खास बात यह है कि उन्होंने यह भी इशारा किया है कि यह व्यक्ति भाजपा से हो सकता है। दरअसल पुणे से सटे पिंपरी-चिंचवड़ में जनगणमन किताब के विमोचन के बाद मीडिया से बात करते हुए पृथ्वीराज चव्हाण ने यह सनसनीखेज भविष्यवाणी की। उन्होंने अपने दावे के लिए इंटरनेशनल डेवलपमेंट का हवाला दिया है। चव्हाण ने कहा कि दुनिया भर में जो कुछ भी हो रहा है, उसका असर भारतीय राजनीति पर भी पड़ेगा। इस मौके पर उन्होंने अमेरिका के एक अहम मामले का जिक्र किया। चव्हाण ने कहा कि वहां कई बड़े नेताओं के बंगलों में कैमरे लगाकर बड़े पैमाने पर स्टिंग ऑपरेशन किया गया। उन्होंने दावा किया कि इस स्टिंग ऑपरेशन से कई असरदार लोगों के गंभीर मामले सामने आने की संभावना है, जिससे अमेरिका में बड़ा राजनीतिक और सामाजिक हंगामा हो सकता है। दावा किया गया है कि इस स्टिंग ऑपरेशन को करने वाला व्यक्ति एक इजरायली जासूस है। पृथ्वीराज चव्हाण के मुताबिक, अमेरिकी सरकार जल्द ही एक कानून बनाकर 19 दिसंबर को इस स्टिंग ऑपरेशन में पकड़े गए बड़े लोगों के नामों की घोषणा कर सकती है। उन्होंने यह भी साफ किया कि उनके पास इस बारे में पूरी जानकारी नहीं है कि इस सूची में किन लोगों के नाम होंगे। हालांकि, उन्होंने संभावना जताई कि इन घटनाक्रमों के नतीजे सिर्फ अमेरिका तक ही सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि भारत समेत कई देशों में इसके असर हो सकते हैं। बहरहाल पृथ्वीराज चव्हाण का यह दावा कि भारत में भी बड़े राजनीतिक बदलाव हो सकते हैं, और इस वजह से प्रधानमंत्री पद में बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। उनके इस बयान से राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है, और अब सबका ध्यान 19 दिसंबर पर है।

# देशभर में अगले हफ्ते से कड़ाके की सर्दी, उत्तराखंड-हिमाचल में बर्फबारी का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले हफ्ते से देशभर में कड़ाके की सर्दी पडने़ के आसार हैं। इस सर्दी का पहला बड़ा पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) 17 दिसंबर को हिमालयी राज्यों में पहुंचेगा। इसके असर से 18 से 20 दिसंबर के बीच जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में अच्छी बर्फबारी होने की संभावना है। 21 और 22 दिसंबर को पहाड़ों से बादल हटते ही तापमान तेजी से गिरेगा। तापमान सामान्य से 5 से 6 डिग्री तक नीचे जा सकता है। उत्तर से चलने वाली ठंडी हवाएं यूपी, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और मध्य भारत तक पहुंचेंगी। इससे मैदानी इलाकों में ठंड काफी बढ़ जाएगी। इधर, राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टरबेंस के चलते सर्दी का असर कम हो गया है। न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक बढ़ोतरी हुई है। मध्य प्रदेश में भी अगले 3 दिन तक शीतलहर का अलर्ट नहीं है। हालांकि, पारा लगातार लुढक़ रहा है। शहडोल का कल्याणपुर सबसे ठंडा है। यहां शनिवार रात पारा 4.7 डिग्री सेल्सियस रहा। उधर, हिमाचल प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होने से ठंड बढ़ गई है। आज पहाड़ों पर बर्फबारी का अनुमान है। मौसम विभाग ने उत्तराखंड के उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ में बारिश-बर्फबारी की संभावना जताई है, जिससे पारा 2-3एष्ट और गिर सकता है।

# हिमाचल प्रदेश के स्कूलों में मोबाइल फोन पर प्रतिबंध: सीएम सुक्खू

**शिमला(एजेंसी)।** हिमाचल प्रदेश सरकार ने स्कूली शिक्षा से जुड़ा एक अहम फैसला लिया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शनिवार को घोषणा की कि आगामी शैक्षणिक सत्र से प्री-नर्सरी से लेकर 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए स्कूल परिसर में मोबाइल फोन ले जाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। सरकार का मानना है कि इस कदम से छात्रों का ध्यान पढ़ाई पर केंद्रित होगा और अनुशासन में सुधार आएगा।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने स्पष्ट किया कि यह प्रतिबंध केवल विद्यार्थियों पर लागू होगा। शिक्षकों को अपने मोबाइल फोन स्टाफ रूम में रखने या बैग में रखने की अनुमति दी जाएगी, ताकि आवश्यकता पड़ने पर वे संपर्क में रह सकें। उन्होंने कहा कि मोबाइल फोन के अत्याधिक उपयोग से बच्चों में एकाग्रता की कमी, अनुशासनहीनता और पढ़ाई से ध्यान भटकने जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं, जिन्हें नियंत्रित करना जरूरी है। यह घोषणा मुख्यमंत्री ने समग्र शिक्षा निदेशालय में अत्याधुनिक सुविधाओं के उद्घाटन के अवसर पर की। इस दौरान उन्होंने विद्या समीक्षा केंद्र (वीएसके), शिक्षा गैलरी, कार्यक्रम प्रबंधन स्टूडियो, सम्मेलन क्षेत्र, नया सम्मेलन कक्ष और आधुनिक केंद्रीय ताप प्रणाली का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये नई सुविधाएं शिक्षा विभाग के प्रशासनिक कामकाज को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाएंगी।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि विद्या समीक्षा केंद्र के माध्यम से शिक्षा से जुड़े आंकड़ों का बेहतर विश्लेषण किया जा सकेगा, जिससे नीतिगत फैसले अधिक सटीक होंगे। वहीं, शिक्षा गैलरी और कार्यक्रम प्रबंधन स्टूडियो से शिक्षकों और अधिकारियों को प्रशिक्षण और संवाद के नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने इसे हिमाचल प्रदेश में डिजिटल शिक्षा प्रशासन के एक नए युग की शुरुआत बताया। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पिछले तीन वर्षों में राज्य सरकार ने शिक्षा क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इस दौरान कई निर्णायक सुधार लागू किए गए हैं, जिनका सकारात्मक असर अब दिखने लगा है। उन्होंने बताया कि शिक्षा की गुणवत्ता के आकलन के आधार पर हिमाचल प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रगति की है और अपनी रैंकिंग को 21वें स्थान से सुधार कर 5वें स्थान तक पहुंचाया है।

# झारखंड में बड़े तो बड़े, बच्चे भी साइबर अपराध में आजमा रहे हाथ

**-महाराष्ट्र में हुई 70 लाख की ठगी में नाबालिग निकला आरोपी, पुलिस कर रही तलाश**

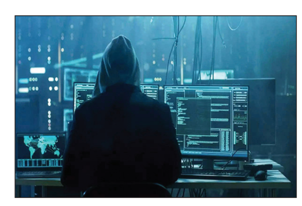

**जामताड़ा (एजेंसी)।** साइबर अपराध के लिए झारखंड का जामताड़ा जिला पूरे देश में बदनाम है। यहां बड़े तो बड़े, बच्चे भी साइबर अपराध में हाथ आजमा रहे हैं। महाराष्ट्र के अमरावती जिले की पुलिस शनिवार को 70,06,047 रुपए की ठगी के मामले में जामताड़ा पहुंची। पुलिस साइबर ठग को पकड़ने में सफल नहीं हो सकी, क्योंकि लाखों की ठगी की वारदात को अंजाम देने वाला 16 साल का किशोर था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महाराष्ट्र पुलिस इस मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया की तैयारी कर वापस लौट गई। बताया जा रहा है कि इस नाबालिग ठग ने महाराष्ट्र के अमरावती जिले के कई लोगों से ठगी की है और ठगी की रकम 900 से ज्यादा खातों में ट्रांसफर की गई है। इनमें कई बैंक खाते ऐसे हैं, जिनसे ऑनलाइन खरीदारी के लिए पैसों का लेनदेन किया गया है। आरोपित किशोर जामताड़ा शहरी क्षेत्र का रहने वाला बताया जा रहा है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक यह किशोर साइबर ठगी में शामिल एक गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर लोगों को शेयर मार्केट में भारी मुनाफे का झांसा देकर ऑनलाइन ठगी का शिकार बना रहा था। इस गिरोह में कई अन्य शातिर अपराधी भी शामिल हैं और इन्हीं इनपुट के आधार पर महाराष्ट्र पुलिस जामताड़ा में जांच में जुटी है।

वहीं, दूसरी ओर एक अन्य मामले में जामताड़ा साइबर थाना पुलिस ने छापेमारी कर एक ठग को दबोचा है। आरोपित कृष्णकुंज का निवासी बासुदेव दास है। वह मूल रूप से सुगापहाड़ी का रहने वाला है। उसके पास से छापेमारी में पुलिस ने दस मोबाइल, आठ सिम कार्ड, 15 एटीएम कार्ड, दस चेकबुक, एक आधार कार्ड, एक पैन कार्ड और एक वोटर कार्ड जब्त की है। आरोप है कि आरोपी लोगों को एक्सिस बैंक एवं अन्य बैंकों के केवाईसी अपडेट और नवीनीकरण के नाम पर उनके मोबाइल में स्क्रीन शेयरिंग एप डाउनलोड करवाता था और इसके जरिए गोपनीय जानकारी हासिल कर उन्हें ठगी का शिकार बनाता था। शातिर के निशाने पर इन दिनों झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल के लोग थे।

# कांग्रेस विधायक का दावा: कहा- फलां-फलां तारीख को डीके लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** कर्नाटक की राजनीति में एक बार फिर सरगर्मी बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही खींचतान पहले दिल्ली में शांत कराई गई थी, लेकिन अब फिर से सियासी पारा चढ़ता दिख रहा है। हाल ही में एक कांग्रेस विधायक एच ए इकबाल हुसैन ने भविष्यवाणी की है, कि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार 6 या 9 जनवरी को मुख्यमंत्री बन जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इसी तारीख के आसपास सिद्धारमैया दिवंगत नेता डी देवराज उर्स का रिकॉर्ड तोड़कर कर्नाटक के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेता बन जाएंगे।

विधायक हुसैन डीके शिवकुमार के मजबूत समर्थक माने जाते हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि 99 प्रतिशत संभावना है कि शिवकुमार ही मुख्यमंत्री बनेंगे। तारीख के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने इसे एक यादृच्छिक संख्या बताया और कहा कि हर कोई यही चर्चा कर रहा है। यह 6 जनवरी या 9 जनवरी हो सकती है। रामनगर से विधायक हुसैन ने यह भी मांग की कि शिवकुमार को मौका देने के लिए सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री पद छोड़ देना चाहिए। उन्होंने खुले तौर पर शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की वकालत की और एक दिन पहले भी अपनी यह इच्छा सार्वजनिक रूप से जाहिर की थी।

इस बीच, केंद्रीय रेल राज्य मंत्री और भाजपा सांसद वी सोमन्ना ने गृह मंत्री जी परमेश्वर को मुख्यमंत्री पद के लिए समर्थन देने की बात कही। तुमकुरु में एक कार्यक्रम के दौरान सोमन्ना ने कहा कि सत्ता मिलना किस्मत की बात है। उन्होंने परमेश्वर की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी इच्छा है कि वे मुख्यमंत्री बनें और यह तुमकुरु के लोगों की भी भावना है। जब डीके शिवकुमार का नाम लिया गया, जो खुद एक मजबूत दावेदार हैं, तो सोमन्ना ने कहा कि यह अलग बात है और शिवकुमार का भविष्य उनकी किस्मत पर निर्भर करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आचरण किस्मत से भी बड़ा होता है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार 14 दिसंबर को दिल्ली में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से मिलने वाले हैं। सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में राज्य में मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही खींचतान पर चर्चा होगी। यह मुलाकात नई दिल्ली में कांग्रेस की एक बड़ी रैली के बाद होगी। इस रैली का उद्देश्य सत्ता पक्ष पर आरोप लगाना था।

कर्नाटक की 224 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस के पास लगभग 140 विधायक हैं, जो बहुमत देते हैं। नवंबर में सरकार के पांच साल के कार्यकाल का आधा हिस्सा पूरा होने के बाद से नेतृत्व बदलाव की चर्चाएं तेज हो गई हैं। खबरें हैं कि नई पीढ़ी को मौका देने के लिए मुख्यमंत्री पद को ढाई-ढाई साल के लिए बांटने का एक संभावित समझौता हुआ है। हालांकि, न तो पार्टी और न ही किसी नेता ने आधिकारिक तौर पर ऐसे किसी समझौते की पुष्टि की है। शिवकुमार ने कुछ समय पहले बिना विवरण दिए एक गुप्त समझौते का जिक्र किया था।

वर्तमान में 63 वर्षीय शिवकुमार ने 77 वर्षीय मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ कोई खुला कदम नहीं उठाया है। फिर भी, पार्टी के अंदर गुटबाजी और दबाव की स्थिति बनी हुई है। विधायक हुसैन जैसे समर्थक खुले तौर पर शिवकुमार की दावेदारी मजबूत कर रहे हैं, जबकि सिद्धारमैया अपने कार्यकाल को पूरा करने और रिकॉर्ड बनाने पर फोकस कर रहे हैं। यह स्थिति कर्नाटक कांग्रेस के लिए चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि एकजुटता दिखाना जरूरी है, लेकिन अंदरूनी कलह पार्टी की छवि को प्रभावित कर सकती है। आने वाले दिनों में दिल्ली की बैठक और पार्टी हाईकमान के फैसले पर सभी की नजरें टिकी हैं। क्या नेतृत्व बदलाव होगा या सिद्धारमैया अपना कार्यकाल पूरा करेंगे, यह जल्द ही स्पष्ट हो सकता है। राज्य की राजनीति में यह घमासान आगे और तेज होने की संभावना है।

# हुड्डा पिता-पुत्र द्वारा जुटाई भीड़ से सफल हुई कांग्रेस की दिल्ली रैली

कौमी पत्रिका
संजय अरोड़ा

चंडीगढ़ हरियाणा कांग्रेस द्वारा दिल्ली के रामलीला मैदान में %वोट चोर, गद्दी छोड़% रैली का आयोजन किया गया। इसके लिए देशभर के और खासतौर पर उत्तर भारत के नेताओं को भीड़ जुटाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। लेकिन दिल्ली से सबसे ज्यादा निकटता के चलते मुख्य जिम्मेदारी हरियाणा पर रही। यहां राहुल गांधी के लिए भूपेंद्र सिंह हुड्डा तुरुप का इक्का साबित किया। क्योंकि रैली में भीड़ जुटाने के लिए प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र के साथ भूपेंद्र हुड्डा और दीपेंद्र हुड्डा ने अलग-अलग जिलों में जाकर नेताओं और कार्यकर्ताओं की बैठकें लीं तथा ज्यादा से ज्यादा भीड़ जुटाने के लिए उनकी ड्यूटी निर्धारित की। और दीपेंद्र ने हरियाणा की जनता को रैल्ली तक लाने के प्रबंध किए। इसके चलते हर बार की तरह इस बार भी रामलीला मैदान में सबसे ज्यादा भागीदारी हरियाणा से आए लोगों की रही। रैली में जोश भरने से लेकर भीड़ को विशाल बनाने में हरियाणा की खास रोल रहा। इसके लिए हाईकमान की तरफ से

हरियाणा इकाई और खासकर भूपेंद्र सिंह हुड्डा की सराहना भी की गई तथा मंच पर बैठे नेताओं ने भी इसका बार-बार जिक्र किया। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भी इस बात पर संतुष्टि जाहिर करी कि लोगों में %वोट चोरी% को लेकर जागरूकता है। क्योंकि उन्होंने खुद एहसास किया है कि हरियाणा में वोट चोरी के जरिए पूरी की पूरी सरकार चोरी कर ली गई। इसलिए रैली में हरियाणा की तरफ से पहुंचे लोगों में सबसे ज्यादा रोष और जोश देखने को मिला। रैली में हरियाणा की भारी उपस्थिति ने यह संदेश भी दिया कि %वोट चोरी% के मुद्दे को लेकर प्रदेश की जनता के बीच रोष की भावना है और वे इसे जाहिर करने के लिए दिल्ली पहुंचे हैं। भविष्य में भी राहुल गांधी द्वारा उठाया गया यह मुद्दा सबसे ज्यादा हरियाणा में जोर पकड़ने के आसार हैं।

# गंगा-ब्रह्मपुत्र बेसिन में दिखीं जीवन की लहरें, डॉल्फिन की संख्या पहुंची 6324

नई दिल्ली। गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी की धाराओं में एक बार फिर जीवन की लहरें दिखाई दी हैं। इन दोनों प्रमुख नदियों में कुल 6,324 गंगा डॉल्फिन दर्ज की गई हैं। इसका खुलासा वन्यजीव संस्थान ऑफ इंडिया (डब्ल्यूआईआई) ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को सौंपी अपनी रिपोर्ट में किया है। डॉल्फिन का यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि वर्षों से जारी जल संरक्षण और जैव विविधता की रक्षा के प्रयासों का प्रमाण है। गंगा डॉल्फिन को भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव माना गया है। ये डॉल्फिन केवल स्वच्छ, बहती और प्रदूषण-मुक्त जलधाराओं में ही जीवित रह सकती हैं, इसलिए इनकी मौजूदगी को नदी की सेहत का सबसे विश्वसनीय संकेतक माना जाता है। एक समय ऐसा भी था जब इनकी संख्या तेजी से गिर रही थी, लेकिन हाल के वर्षों में सरकारी योजनाओं, पर्यावरण संगठनों और स्थानीय समुदायों के समन्वित प्रयासों ने डॉल्फिनों के लिए आशा की किरण जगाई। यह सर्वेक्षण पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सहयोग से 2020 से 2023 के बीच किया गया, जिसमें 7,680 किलोमीटर नदी तटों का अध्ययन शामिल था। यह अध्ययन एनजीटी के निर्देश पर किया गया, जिसने 20 जनवरी, 2025 को डब्ल्यूआईआई को गंगा बेसिन में डॉल्फिन की संख्या और उनके संरक्षण की स्थिति पर जानकारी देने का आदेश दिया था। वन्यजीव संस्थान की तरफ से किए गए इस सर्वेक्षण में गंगा, ब्रह्मपुत्र और उनकी सहायक नदियों को शामिल किया गया था। इस सर्वेक्षण का उद्देश्य गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी घाटियों में जैव विविधता का मूल्यांकन करना और नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र की सेहत की जांच करना था। खास तौर पर, गंगा डॉल्फिन, जो भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव है, उनकी आबादी और उनके आवास की स्थिति को समझना इस अध्ययन का प्रमुख लक्ष्य था। सर्वेक्षण में गंगा की मुख्य धारा के साथ-साथ इसकी 22 सहायक नदियों को शामिल किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, गंगा नदी घाटी में 3,936 डॉल्फिन पाई गईं, जबकि ब्रह्मपुत्र और इसकी सहायक नदियों में शेष आबादी दर्ज की गई। यह सर्वेक्षण राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) की तरफ से वित्तपोषित था। गंगा-ब्रह्मपुत्र बेसिन में डॉल्फिन की गिनती के लिए प्रशिक्षित विशेषज्ञों की टीम नाव से सर्वेक्षण इस अध्ययन का प्रमुख लक्ष्य था। सर्वेक्षण में गंगा की मुख्य धारा के साथ-साथ इसकी 22 सहायक नदियों को शामिल किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, गंगा नदी घाटी में 3,936 डॉल्फिन पाई गईं, जबकि ब्रह्मपुत्र और इसकी सहायक नदियों में शेष आबादीमें जुटी रही। दूरबीन से लैस टीम ने न केवल डॉल्फिनों की संख्या दर्ज की, बल्कि उनके रहने के स्थानों से जुड़ी पर्यावरणीय जानकारियां भी इकट्ठा कीं। सर्वे में नदी की गहराई, चौड़ाई, प्रवाह, मछली पकड़ने और रेत खनन जैसी मानवीय गतिविधियां भी दर्ज की गईं। आमतौर पर हर 90-120 सेकंड में दिखने वाली डॉल्फिन को अलग-अलग माना गया, जिससे दोबारा गिनती की संभावना कम हुई। गंगा डॉल्फिन की आबादी का अनुमान लगाने के लिए वैज्ञानिकों ने एन-मिश्रण मॉडल का इस्तेमाल किया, जिसमें एक ही डॉल्फिन की दोबारा गिनती से बचा गया। 7,680 किमी लंबे सर्वे क्षेत्र को छोटे खंडों में बांटकर विश्लेषण किया गया, जिससे अनुमानित 763 की मानक त्रुटि के साथ 3,936 गंगा डॉल्फिन रही। सर्वे के दौरान दिखाई न देने वाली डॉल्फिनों को भी ध्यान में रखते हुए सुधार कारक जोड़ा गया।

## हस्तिनापुर में नहीं थम रहा कटान

मेरठ। हस्तिनापुर में गंगा के कटान ने हस्तिनापुर क्षेत्र के गांवों में हड़कंप मचा दिया है। बाढ़ के बाद नदी की तेज धारा लगातार गांवों और खेतों को अपनी चपेट में ले रही है। अब तक करीब पांच हजार हेक्टेयर फसल पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है और दो हजार हेक्टेयर से अधिक भूमि गंगा में समा चुकी है। गंगा की धारा इन दिनों बस्तोता नारंग, मखदुमपुर, किशोरपुर और जलालपुर जोरा गांव की ओर बढ़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि हालात दिन-प्रतिदिन बिगड़ते जा रहे हैं। कटान से करीब दस हजार किसान प्रभावित हो चुके हैं, जिनकी जमीन और खेत नदी में समा गए हैं।

# भारत के चावल की दूर तक फैलेगी महक, तीन हजार करोड़ का करार

कौमी पत्रिका

दिल्ली। राजधानी में बृहस्पतिवार को दो दिवसीय भारत अतंरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन (बीआईआरसी) 2025 का शुभारंभ भारत मंडपम में हुआ। यह सम्मेलन भारत के कृषि और निर्यात क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। इसका आयोजन एपीडा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय और अन्य सरकारी व उद्योग निकायों के सहयोग से किया गया। सम्मेलन में भारत और दुनियाभर से कम से कम 7800 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसमें वैश्विक खरीदार, निर्यातक, नीति निर्माता और तकनीकी क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल हुए। उद्घाटन समारोह में भारत की पहली कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित चावल छंटाई प्रणाली का लाइव प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर 17 भारतीय किसानों को अतंरराष्ट्रीय आयातकों द्वारा सम्मानित भी किया गया, जिन्होंने वैश्विक चावल व्यापार में भारत की भूमिका बढ़ाने में अहम योगदान दिया। कार्यक्रम में चावल उत्पादन और प्रसंस्करण को अधिक कुशल और सटीक बनाने वाली मशीनरी और तकनीकी समाधानों का प्रदर्शन भी हुआ। सम्मेलन के पहले दिन ही 3000 करोड़ रुपये से अधिक के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इसमें

अकेले बिहार की निजी कंपनियों के साथ 2200 करोड़ रुपये से अधिक के समझौते शामिल हैं, जो खासतौर पर कतरनी चावल जैसी जीआई किस्मों से संबंधित हैं। भारत का लक्ष्य इस सम्मेलन के माध्यम से वैश्विक चावल व्यापार के 1.8 लाख करोड़ रुपये के बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना है। अनुमान है कि इस साल कुल 25,000 करोड़ रुपये के सौदे हो सकते हैं। सम्मेलन में 80 से अधिक देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। भारतीय चावल निर्यातक महासंघ (आईआरईएफ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रेम गर्ग ने कहा कि किसान इस सम्मेलन की सफलता की नींव हैं। एआई संचालित छंटाई और सटीक प्रसंस्करण जैसी तकनीक के साथ हम कृषि के नए युग में प्रवेश कर रहे हैं। बीआईआरसी 2025 नवाचार, व्यापार और स्थिरता को जोड़ने का मंच है। सम्मेलन में देशभर के कई प्रतिष्ठित किसानों को सम्मानित किया गया। विदेशी बाजारों से बेहतर मांग के चलते इस वित्त वर्ष के दौरान देश से चावल निर्यात मात्रा के लिहाज से 10 फीसदी से अधिक बढ़ने की संभावना है। 2024-25 में 12.95 अरब डॉलर मूल्य के 2.01 करोड़ टन चावल का निर्यात किया गया था। यह 172 से अधिक देशों को भेजा गया था। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) चेयरमैन अभिषेक देव ने कहा, इस वित्त वर्ष में मूल्य के लिहाज से भी निर्यात बढ़ेगा। देव ने चावल की विभिन्न किस्मों के साथ चावल आधारित प्रसंस्कृत उत्पादों जैसे राइस क्रैकर्स के निर्यात को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। सरकार ने 26 देशों की पहचान की है, जो वर्तमान में भारत से बहुत कम मात्रा में चावल खरीदते हैं। इन देशों में निर्यात की अपार संभावनाएं हैं। हम भारतीय चावल की किस्मों को बढ़ावा देने के लिए इन 26 देशों में प्रतिनिधिमंडल भेज रहे हैं। सितंबर में चावल का निर्यात मूल्य 33.18 फीसदी बढ़कर 92.5 करोड़ डॉलर हो गया। अप्रैल-सितंबर के दौरान यह 10 फीसदी बढ़कर 5.63 अरब डॉलर हो गया। भारत दुनिया के सबसे बड़े चावल उत्पादकों और निर्यातकों में से एक है। भारत ने 2024-25 में लगभग 4.7 करोड़ हेक्टेयर से लगभग 15 करोड़ टन चावल का उत्पादन किया, जो वैश्विक उत्पादन का लगभग 28 फीसदी है। उन्नत बीज किस्मों, बेहतर कृषि पद्धतियों और विस्तारित सिंचाई कवरेज के कारण औसत पैदावार 2014-15 में 2.72 टन प्रति हेक्टेयर से बढ़कर 2024-25 में लगभग 3.2 टन प्रति हेक्टेयर हो गई है।

## दिल्ली में बाहरी पुराने और गैर-बीएस-वीआई ट्रक और मालवाहक बंद

दिल्ली। राजधानी में पर्यावरण को सुरक्षित बनाने और वायु प्रदूषण कम करने के लिए दिल्ली सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। 1 नवंबर से दिल्ली के बाहर पंजीकृत और बीएस-वीआई (बीएस-ङ्क्ष्ठ) मानकों का पालन न करने वाले सभी वाणिज्यिक माल वाहन जैसे ट्रक, टेंपो और अन्य भारी वाहन राजधानी में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। इस नियम का मुख्य उद्देश्य राजधानी में बढ़ते प्रदूषण को कम करना और पुराने, अधिक धुआं छोड़ने वाले वाहनों को शहर में आने से रोकना है। इसके बाद केवल दिल्ली में पंजीकृत वाहन या बीएस-वीआई मानक वाले वाहन ही राजधानी में प्रवेश कर सकेंगे। दिल्ली सरकार ने पहले ही कई बार लोगों को चेतावनी दी थी, लेकिन अब नियम को कड़ाई से लागू किया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि इससे ट्रैफिक की स्थिति में सुधार भी होगा, क्योंकि पुराने और बड़े वाहनों की वजह से अक्सर सड़क पर जाम लगता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह कदम दिल्ली की हवा को साफ करने में मदद करेगा। शहर में पिछले कई वर्षों से वायु प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है और वाहनों से निकलने वाला धुआं इसमें सबसे बड़ी भूमिका निभा रहा है। पुराने ट्रक और टेंपो अधिक धुआं छोड़ते हैं, जिससे बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ता है। ऐसे में ट्रैफिक पुलिस नियम के उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। ऐसे वाहन जब भी राजधानी में प्रवेश करने की कोशिश करेंगे, उन्हें रोका जाएगा और भारी जुर्माना लगाया जा सकता है।

## रंजिश में युवक पर चलाई गोली

नई दिल्ली। महेंद्र पार्क में बृहस्पतिवार रात रंजिश में एक युवक पर स्कूटी सवार नाबालिगों ने गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पीड़ित की पहचान निखिल सक्सेना (22) के रूप में हुई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने तीन नाबालिग लड़कों पर आरोप लगाया है जिनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात पुलिस को महेंद्र पार्क स्थित हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससे रंजिश रखते हैं। पुलिस ने मौके पर क्राइम और फोरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने वहां से कुछ साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि पीड़ित दसवीं तक पढ़ा है और फिलहाल कोई काम नहीं करता है।

## महिला को सम्मोहित कर नाबालिगों ने गहने उड़ाए

दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में नाबालिगों ने एक महिला को सम्मोहित कर उसके गहने ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच कर दोनों आरोपी की पहचान कर उन्हें घर से पकड़ लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने सोने का लॉकेट बरामद किया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 3 अगस्त को एक महिला ने ठगी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि वह सेक्टर 24 रोहिणी में ब्यूटी पार्लर चलाती है। रात में घर जाने के लिए बस स्टैंड पर खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक आया और आनंद विहार जाने का रास्ता पूछा। फिर उसने बताया कि उसके ठेकेदार ने नौकरी से निकाल दिया है।

## हज़ारों सीनियर सिटीज़न्स सभी पुलिस स्टेशनों पर सेशन में शामिल हुए

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्हें प्रवर्तन एजेंसियों के नकली नोटिस के बारे में भी जागरूक किया गया, जिनका इस्तेमाल अपराधी आमतौर पर डराने-धमकाने के लिए करते हैं। सीनियर सिटीज़न्स को सलाह दी गई कि कोई भी संदिग्ध कॉल या मैसेज मिलने पर वे शांत रहें, कोई भी व्यक्तिगत या वित्तीय जानकारी साझा करने से बचें, अकेले न रहें बल्कि परिवार के सदस्यों से सलाह लें, संदिग्ध संचार के स्क्रीनशॉट लें या सबूत सुरक्षित रखें, और घटना की सूचना तुरंत उचित अधिकारियों को दें। साइबर अपराधों की रिपोर्ट करने की प्रक्रिया भी विस्तार से समझाई गई। यह दोहराया गया कि आपराधिक न्याय प्रणाली में डिजिटल अरेस्ट की कोई अवधारणा नहीं है, और प्रतिभागियों को हमेशा रुकें, सोचें और कार्य करें के सिद्धांत को याद रखने और उसका पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सेशन को और ज़्यादा दिलचस्प और प्रेरणादायक बनाने के लिए, श्री संजय अत्रिश्या, ACP/APRO, ने सीनियर सिटिज़न्स को मोटिवेट और सम्मानित करने के लिए अपनी लिखी कविताएँ सुनाईं, जिससे जागरूकता कार्यक्रम में एक पर्सनल टच आया। आज का कार्यक्रम दिल्ली पुलिस के लगातार और फोकस्ड प्रयासों का हिस्सा है, जो श्री सतीश गोलछा, IPS, कमिश्नर ऑफ़ पुलिस, दिल्ली के नेतृत्व में साइबर अपराधों से लड़ने के लिए किए जा रहे हैं। आज के कार्यक्रम का मकसद दिल्ली पुलिस के चल रहे ऑनलाइन जागरूकता अभियानों को सपोर्ट करना था, ताकि ज़्यादा से ज़्यादा लोगों तक साइबर सुरक्षा के ज़रूरी मैसेज पहुँचाए जा सकें। इसका मकसद ज़्यादा से ज़्यादा सीनियर सिटिज़न्स तक पहुँचना और उन्हें साइबर अपराधों के बारे में एजुकेट करना भी था, जिसमें डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड के बढ़ते खतरे पर खास ज़ोर दिया गया। हाल के दिनों में, दिल्ली पुलिस ने कई साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए हैं। इनमें साइबर संवाद के दो एडिशन शामिल हैं, पहले एडिशन में, दिल्ली के अलग-अलग स्कूलों के 350 कंप्यूटर टीचर्स को क्काक्तमें साइबर अपराध के तरीकों और बचाव की रणनीतियों के बारे में ट्रेनिंग दी गई, और साइबर संवाद 2.0 के दौरान, 1,000 से ज़्यादा सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के लाखों स्टूडेंट्स और टीचर्स ने ऑनलाइन मोड में जागरूकता सेशन में हिस्सा लिया। इसके अलावा, SPUWAC यूनिट ने सीनियर सिटिज़न्स के लिए एक खास कार्यक्रम आयोजित किया, जहाँ जाने-माने साइबर एक्सपर्ट श्री रक्षित टंडन ने साइबर सुरक्षा पर एक जानकारी भरा लेक्चर दिया।

# फुटपाथ पर बनी दरगाह तोड़ने पर फिर विचार के निर्देश, अदालत ने केस धार्मिक समिति को वापस किया

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने प्राचीन दरगाह हजरत भूरे शाह को ध्वस्त करने के मामले को दिल्ली सरकार की रिलिजियस कमेटी को वापस भेज दिया है। कोर्ट ने कमेटी को निर्देश दिया कि वह मामले की नए घटनाक्रमों को देखते हुए पुन: जांच करे। यह दरगाह मथुरा रोड पर नीला गुम्बद के पास अमीर खुसरो पार्क में स्थित है, जहां फुटपाथ पर कब्रों के कारण पैदल यात्रियों को असुविधा का मुद्दा है। याचिकाकर्ता यूसुफ बैग, जो खुद को दरगाह का केयरटेकर बताते हैं, ने अप्रैल 2023 में दिल्ली सरकार और अन्य अधिकारियों के खिलाफ याचिका दायर की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि था कि 1 अप्रैल 2023 को बिना नोटिस के दरगाह की संरचना को तोड़ दिया गया, जिससे उन्हें 10 लाख रुपये का मुआवजा मांगा। कोर्ट ने 19 अप्रैल 2023 को यथा स्थिति बनाए रखने का आदेश दिया और विभिन्न विभागों- पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट (पीडब्ल्यूडी), म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन ऑफ दिल्ली (एमसीडी), डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट साउथ-ईस्ट, लैंड एंड डेवलपमेंट ऑफिस (एलएंडडीओ), दिल्ली वक्फ बोर्ड और याचिकाकर्ता के प्रतिनिधि से साइट का निरीक्षण कर रिपोर्ट मांगी। दिल्ली वक्फ बोर्ड की शुरुआती रिपोर्ट में इसे 1976 की गजट अधिसूचना में सूचीबद्ध वक्फ संपत्ति बताया गया। इसमें 1000 वर्ग गज क्षेत्र का उल्लेख है, लेकिन बाद में दाखिल लिखित सबमिशन में बोर्ड ने अपना रुख बदलते हुए कहा कि कोई अधिकृत संरचना का रिकॉर्ड नहीं है और कब्रों की स्थानांतरण की सिफारिश का विरोध नहीं करता। बोर्ड ने यह भी माना कि फुटपाथ पर कब्रें पैदल यात्रियों के लिए असुविधाजनक हैं और उन्हें पास की उपयुक्त जगह पर स्थानांतरित किया जा सकता है। कोर्ट ने रिलिजियस कमेटी की 17 जुलाई 2023 की बैठक के मिनट्स का हवाला दिया, जिसमें कमेटी ने कब्रों को फुटपाथ से हटाने और दूसरी जगह स्थानांतरित करने की सिफारिश की थी। कमेटी ने नोट किया कि एक व्यक्ति (सैयद भूरे शाह) के नाम पर कई मजार होने से सवाल उठते हैं और यह पैदल यात्रियों के लिए बाधा हैं।


**NAME CHANGE**
I Jaspreet Singh S/o Jagdeep Singh R/o 52/43 Ramjas Road Near Khalsa college Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Jaspreet Singh Baweja For All Purpose.

**NAME CHANGE**
I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

**NAME CHANGE**
I Sandeep Ved S/o Khushi Ram Ved R/o H.No-139/1,B-Block, Street No-3,Qutub Vihar Phase-2,Dwarka,Delhi-110071, Have Changed My Name To Sandeep Vaid For All Purpose

**NAME CHANGE**
I, ANITA W/o NO- 2806617A HAV TANGADKAR SUBHASH SITARAM R/o VPO-GHAR-GAON, TEH-SANGAMNER, DISTT-AHMADNAGAR, MAHA-RASHTRA-422620, have changed my name from ANITA to ANITA SUBHASH TANGADKAR for all future purposes vide Affidavit dated 29/11/2022 before Notary Public Delhi.

**NAME CHANGE**
I Rohini Bhatnagar W/o Amitabh Bhatnagar R/o M- 7075, Devinder Vihar, Gurgaon sector 56, Gurgaon Haryana-122011,Have Changed My Name To Rohini Dhanraj Bhatnagar For All Purpose

**NAME CHANGE**
I, DATTATRAY NAGOJI PATIL father of NO-JC-379904X SUB MAJ PATIL MAHENDRA DATTATRAY R/O VILL-BONJURDI, PO-ADKUR, TEH-CHANDGAD, DISTT-KOLHAPUR, MH-416509, have changed my name from DATTATRAY NAGOJI PATIL to DATTA NAGOJI PATIL for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1953 instead of my correct date of birth as 17/01/1950 Vide Affidavit dated 29/11/2022 Before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**
I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

**NAME CHANGE**
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

**NAME CHANGE**
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

**NAME CHANGE**
I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

**NAME CHANGE**
I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

**PUBLIC NOTICE**
MY CLIENT NARENDER PAL AGARWAL, S/O, LATE SARDARI LAL AGARWAL AND NEETU AGARWAL W/O NARENDER PAL AGARWAL BOTH R/O H.NO. 49, NARELA ROAD, BAWANA, NEAR STATE BANK OF INDIA, NEW DELHI, PRESENTLY AT H.NO.122, WHITE HOUSE APARTMENT, SECTOR-13, ROHINI, NEW DELHI- 110085, HAVE DEBARRED THEIR SON NIKHIL AGARWAL AND HIS WIFE ANCHAL AGARWAL FROM THEIR ALL MOVABLE- IMMOVABLE PROPERTIES AND SHALL NOT HAVE ANY RIGHT, TITLE OR INTEREST IN MOVEABLE AND IMMOVABLE PROPERTIES AND SEVERED ALL THEIR RELATION DUE TO MISCONDUCT AND DISOBEDIENT. ANYBODY DEALING WITH THEM SHALL BEAR AT THEIR OWN COST, RISK & CONSEQUENCES
PINKI LAMBA MANN
ADVOCATE
OFF. A-205A, NORTH EX.MALL, SECTOR-9, ROHINI, NEW DELHI

**NAME CHANGE**
I, Rekha W/O Prem Singh R/O B 278, South MOTI BAGH NEW DELHI 110021 have changed my name from Rekha to Rekha Rawat for all future purpose.

**NAME CHANGE**
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

**NAME CHANGE**
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

**PUBLIC NOTICE**
My client Narender Kumar Chauhan S/o Pooran Singh R/o H.No.376, Chauhan Mohalla, Madanpur Khadar, Sarita Vihar, Delhi-76, has severed all relations and disowned his son Harsh Chauhan and his wife Preeti Rani from his all movable-immovable properties due to their Vihar, Delhi-76, has severed all relations and disowned his disobedience. My client Shall not be responsible for their acts.
ARJUN BIDHURI Advocate
CH. NO.536, Saket Courts
New Delhi-110017.

**NAME CHANGE**
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

**NAME CHANGE**
I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

**PUBLIC NOTICE**
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

**NAME CHANGE**
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

**NAME CHANGE**
I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

**NAME CHANGE**
I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

**NAME CHANGE**
I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYURDHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purpose.

**NAME CHANGE**
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

**NAME CHANGE**
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

**PUBLIC NOTICE**
I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

**NAME CHANGE**
I, SANTOSH KUMAR S/O VISHVA NATH PRASAD residing at PLOT NO-58&59, FLAT NO-B-2, STREET NO-5, HAVENS GARDEN MATIALA, DELHI-110059 have changed my name to SANTOSH KUMAR GUPTA for all future purposes

**NAME CHANGE**
I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

**NAME CHANGE**
I, PUNNAM DEVI Wife of No-14913053K Rank-HAV Name-NARENDER SINGH R/O C-7, LAXMI GARDEN, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name from PUNNAM DEVI to POONAM DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Executive Magistrate, Delhi.


## अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया है अभियुक्त नामः **नंबर 1. मनीष बाबू, पुत्रः सुंदर लाल, निवासीः गली नंबर-4, जवाहर नगर, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** और अभियुक्त **नंबर 2, मो. आज़ाद, पुत्रः ज़मील शाह, निवासीः ई-42/367, राजीव कैंप, झिलमिल औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **FIR No.715/2014 U/S. 147/148/149/186/332/333/109/114/341/427 IPC** के तहत एक मामला **थाना सीमा पुरी, शाहदरा जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया है कि अभियुक्त **मनीष बाबू और मो. आज़ाद** नहीं मिले या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **मनीष बाबू और मो. आज़ाद** फरार हो गये हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **FIR No.715/2014 U/S. 147/148/149/186/332/333/109/114/341/427 IPC, थाना सीमा पुरी, शाहदरा जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **मनीष बाबू और मो. आज़ाद** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए दिनांक **15.01.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, सुश्री ऐश्वर्या सिंह कश्यप
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-06
शाहदरा जिला, न्यायालय संख्या-25,
पहली मंजिल, कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

**DP/16835/SHD/2025**
(अदालती मामला)


**कौमी पत्रिका**
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

## गौमाता हमारे समाज व संस्कृति की पहचान : भव्य बिश्नोई

एजेंसी
**हिसार।** भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता भव्य बिश्नोई ने कहा है कि गौरक्षा, गौसेवा के प्रति भाजपा सरकार ने प्रतिबद्धता दिखाई है। उन्होंने कहा कि गौमाता हमारे समाज और हमारी संस्कृति की पहचान है। आदमपुर के विकास के संकल्प की तरह ही भजन लाल परिवार ने सदैव गौरक्षा के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने का प्रयास किया है। इस दौरान नलवा के विधायक रणधीर पनिहार, गौसेवक राजेन्द्र गावड़िया सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। भव्य बिश्नोई महर्षि दयानंद गऊशाला बालसमंद में गौ कृपा रागनी कम्पीटीशन कार्यक्रम में शिरकत करने उपरांत संबोधन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि गाय की सेवा से दूसरा कोई बड़ा पुण्य नहीं है। बड़े से बड़े कष्ट गौमाता के पूजन से कट जाते हैं, क्योंकि गाय में 33 करोड़ देवी देवताओं का वास माना गया है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि गाय को खिलाई गई कोई भी चीज सीधे देवी देवताओं तक पहुंच जाती है, इसलिए शास्त्रों में पहली रोटी गाय के लिए निकालने की बात कही गई है। हमारी जनहितैषी सरकार ने गौशालाओं में ग्रांट देने के अलावा गायों की रक्षा हेतु गौवंश तस्करी रोकने के लिए गौ-संवर्धन एक्ट बना रखा है। पिछले 10 वर्षों में गौ सेवा का बजट हरियाणा सरकार ने कई गुणा तक बढ़ा दिया था, जिसका असर अब धरातल पर दिखने लगा है।

## डा. नवदीप मोर जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य नियुक्त

**हिसार।** गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर एवं ट्रैफिक इंटरप्रिटेशन सेंटर के नोडल अधिकारी डा. नवदीप मोर को जिला सड़क सुरक्षा समिति का नया सदस्य नियुक्त किया गया है। डा. नवदीप मोर अब सड़क सुरक्षा अभियान में जिला प्रशासन में भी अपना योगदान देंगे। डा. नवदीप मोर ने इस नियुक्ति के बाद कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई से मुलाकात की। उनके साथ विभागाध्यक्ष प्रो. आशा गुप्ता भी उपस्थित रही। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने इस उपलब्धि के लिए डा. नवदीप मोर को बधाई दी तथा कहा कि गुजविप्रौवि द्वारा समाज के कल्याण के लिए हर क्षेत्र में अपना सर्वोत्तम योगदान दिया जा रहा है। डा. नवदीप मोर की इस नियुक्ति ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों की समाज कल्याण की दिशा में प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया है। विभागाध्यक्ष प्रो. आशा गुप्ता ने बताया कि डा. नवदीप मोर हिसार जिले में एकमात्र प्रमाणित सड़क सुरक्षा लेखा परीक्षक भी हैं। सिविल इंजीनियरिंग विभाग सड़क सुरक्षा की आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। उन्होंने बताया कि डा. नवदीप मोर ने सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में बीटेक प्रोजेक्ट के लिए कई विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया है और 25 विद्यार्थियों ने उनके मार्गदर्शन में बीटेक प्रोजेक्ट के अतिरिक्त सड़क सुरक्षा परिषद नई दिल्ली द्वारा पेश किया गया ढाई महीने का प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया है।

## पशुपालन को व्यवसाय के रूप में अपनाकर आगे बढ़ें : डॉ. सज्जन सिहाग

**हिसार।** लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय के पशु पोषण विभाग में अनुसूचित जाति के बेरोजगार युवाओं के लिए सात दिवसीय निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समापन अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 'संतुलित आहार एवं खनिज मिश्रण का पशुपालन में महत्व' विषय पर आधारित था, जिसमें कुल 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य पशुपालन के माध्यम से युवाओं एवं किसानों की आय में वृद्धि करना है। समापन समारोह में विभागाध्यक्ष डॉ. सज्जन सिहाग ने प्रतिभागियों को पशुपालन को व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण रोजगार के अवसर सीमित होते जा रहे हैं, ऐसे में पशुपालन युवाओं के लिए एक सशक्त वैकल्पिक आजीविका का माध्यम बन सकता है। डॉ. सिहाग ने कहा कि भारत विश्व में कुल दूध उत्पादन में प्रथम स्थान पर है, फिर भी प्रति पशु दूध उत्पादन में कई देशों से पीछे है। उन्होंने सभी पशुपालकों से अपील की कि वे अपने पशुओं को प्रतिदिन 50 से 100 ग्राम खनिज मिश्रण अवश्य दें। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि पशु पोषण विभाग पशुओं में विशिष्ट खनिजों की कमी को ध्यान में रखते हुए उत्तम गुणवत्ता का खनिज मिश्रण तैयार कर किसानों को सस्ते दामों पर उपलब्ध करवा रहा है।

## मुख्यमंत्री सोनीपत से शुरु करेंगे सुशासन सहयोगी 2.0 कार्यक्रम

**सोनीपत।** हरियाणा में सुशासन को नई गति देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी कार्यक्रम 2.0 का शुभारंभ 15 दिसंबर को सोनीपत में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करेंगे। इस कार्यक्रम के माध्यम से राज्य में प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ाने, सरकारी सेवाओं की समयबद्ध आपूर्तिसुनिश्चित करने और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। उपायुक्त सुशील सारवान ने बताया कि इस चरण में 27 सुशासन सहयोगी चयनित किए गए हैं, जो प्रदेश के सभी जिलों में तैनात होकर प्रशासनिक सुधार, नवाचार और नागरिक केंद्रित शासन को मजबूत करेंगे। कार्यक्रम के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी यशपाल यादव को परियोजना निदेशक नियुक्त किया गया है। इस पहल में ग्लोबल विलेज फाउंडेशन तथा ऋषिहुड विश्वविद्यालय सहयोगी संस्थाओं के रूप में कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 2016 में हुई थी, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए।

# केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने हनुमान मंदिर व धर्मशाला का किया शिलान्यास

एजेंसी
**रेवाड़ी।** केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने आशीष-वीर पब्लिक चैरिटेबल सोसायटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर हनुमान मंदिर व आशीष मेमोरियल धर्मशाला का विधिवत शिलान्यास किया।

कार्यक्रम में पहुंचने पर सोसायटी के सदस्यों द्वारा केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह का स्वागत एवं अभिवादन किया। केंद्रीय मंत्री ने इन निर्माण कार्यों के लिए 11 लाख रुपये देने की घोषणा भी की। इस मौके पर रेवाड़ी विधायक लक्ष्मण सिंह यादव और बावल विधायक डा कृष्ण कुमार भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत ड्क्षसह ने वीर सैनिकों की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि रेजांगला की लड़ाई में हमारे सैनिकों ने जिस बहादुरी के साथ दुश्मनों का सामना किया उस पर हम सभी गौरवान्वित

महसूस करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सैनिक संगठनों की मांग पर उन्होंने भारत-चीन युद्ध के सैनिकों की वीरगाथा को प्रदर्शित कर रहे चसूल के अहीर धाम पत्थर को पुनः पुरानी दिशा में स्थापित करने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर उन्हे पूर्व सैनिकों व शहीद परिवारों की सैनिकों की भावनाओं को अवगत करवाया है। संगठनों का कहना है कि रेजांगला में सैनिकों के अदम्य साहस को देखते हुए हाई लेवल गैलेंट्री रिव्यू बोर्ड गठित कर वीर शहीदों को यथा योग्य वीरता मेडल दिए जाएं। उन्होंने इस मांग पर रक्षा मंत्री राजनाथ को भारत-चीन युद्ध में रेजांगला में शहीद हुए सैनिकों के मेडल रिव्यू करने की भी मांग की है।

केंद्रीय मंत्री ने कार्यक्रम में मौजूद सैनिकों का भी आने पर धन्यवाद व्यक्त किया और इस चैरिटेबल ट्रस्ट में अपना सहयोग देने वालों की भी सराहना की। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष डा वंदना पोपली, आशीष-वीर पब्लिक चैरिटेबल सोसायटी के प्रधान कैप्टन वीर सिंह यादव सहित अनेक गणमान्यजन मौजूद रहे।

## हरियाणा भाजपा ने चलाया संगठित अभियान, जन-जन तक पहुंचेगा अमित शाह का संदेश

एजेंसी
**रोहतक।** लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा कांग्रेस के झूठ और भ्रम की राजनीति को तथ्यों के साथ उजागर किए जाने के बाद हरियाणा भाजपा ने इसे जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में रोहतक स्थित प्रदेश कार्यालय मंगलकमल में भाजपा की प्रदेश मीडिया टीम और प्रदेश पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में गृह मंत्री अमित शाह के लोकसभा भाषण के प्रमुख अंश स्क्रीन पर दिखाए गए।

प्रदेश मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी ने सभी प्रवक्ताओं एवं पदाधिकारियों के समक्ष आगे की कार्ययोजना प्रस्तुत की। संगठन मंत्री फणिंद्र नाथ शर्मा और प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल ने सर और ईवीएम के मुद्दे पर कांग्रेस द्वारा फैलाए जा रहे झूठ को उजागर करने का आह्वान किया। प्रदेश मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी ने कहा कि कांग्रेस सरकारों ने स्वयं 11 बार सर कराया, फिर अब उसी प्रक्रिया का विरोध करना कांग्रेस के दोहरे चरित्र को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि 2004 और 2005 में कांग्रेस ने ईवीएम से चुनाव जीते, तब कोई सवाल नहीं उठाया गया। वर्ष 2014 से 2025 के बीच हुए 71 विधानसभा चुनावों में से 30 में विपक्ष की जीत यह साबित करती है कि म्टड पर आरोप पूरी तरह निराधार हैं। उन्होंने सवाल किया कि यदि बिहार में सर और ईवीएम को लेकर विपक्ष को आपत्ति है तो अब तक कानूनी प्रक्रिया के तहत कोई शिकायत क्यों दर्ज नहीं कराई गई, जबकि चुनाव प्रक्रिया पूरी हुये महीनों बीते चुके हैं। बैठक में उपस्थित नेताओं ने निर्णय लिया कि अमित शाह के भाषण और तथ्यों को हरियाणा के हर जिले और हर वर्ग तक पहुंचाकर कांग्रेस के झूठ का पर्दाफाश किया जाएगा।

## अंत्योदय विचार से हर वर्ग के उत्थान का संकल्पः अरविंद शर्मा

एजेंसी
**सोनीपत।** सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय विचार को केंद्र में रखकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार हर वर्ग और हर बिरादरी के सम्मान व उत्थान के लिए कार्य कर रही है। सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के विचार को व्यवहार में उतारते हुए समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। उत्तम नगर स्थित श्री सैन भगत धर्मशाला में परगना 52 के 42वें स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री सभी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संत और महापुरुषों की जयंती राज्य स्तर पर मनाकर उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे सामाजिक समरसता और प्रेरणा का वातावरण बन रहा है।

# मुख्यमंत्री ने दी आदमपुर निवासियों को बड़ी राहत, नहीं टूटेंगे मकान

### रंग लाए कुलदीप बिश्नोई व भव्य बिश्नोई के प्रयास प्रतिनिधिमंडल ने की सीएम से मुलाकात

एजेंसी
**हिसार।** मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आदमपुर के रविदास नगर निवासियों को बड़ी राहत देते हुए उनकी समस्या का स्थाई समाधान करने के निर्देश उपायुक्त व संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद अब रविदास नगर निवासियों का मकान टूटने का डर समाप्त हो गया है। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की ओर से पिछले दिनों रविदास नगर के मकान तोड़े जाने के नोटिस मिलने के बाद भय

के साये में जी रहे रविदास नगर के निवासियों ने वरिष्ठ नेता कुलदीप बिश्नोई से मिलकर अपनी समस्या रखी थी। कुलदीप बिश्नोई ने उन्हें आश्वासन दिया था कि वे पूरा प्रयास करेंगे कि उनके मकान न टूटे। इसी के चलते कुलदीप बिश्नोई एवं पूर्व विधायक भव्य बिश्नोई ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से संपर्क करके इन लोगों से मिलने का समय मांगा। उनके प्रयासों से एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से उनके आवास संत कबीर कुटीर में मुलाकात की। वरिष्ठ नेता कुलदीप बिश्नोई के निजी सचिव सुरेन्द्र सिंह, पार्टी नेता कृष्ण गर्ग एवं मुनीष ऐलावादी के नेतृत्व में गए इस प्रतिनिधिमंडल में रविदास नगर के निवासी भी शामिल थे। सभी ने बताया कि वे इस रविदास नगर में वर्षों से रह रहे हैं लेकिन हाल ही में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ने उन्हें मकान गिराने का नोटिस दिया है। इससे वे भय के माहौल है और मकान टूटने का खतरा उनके सिर पर बना है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि उनके मकान नहीं टूटने दिए जाएंगे।

# आयुर्वेद ही भविष्य की वैश्विक चिकित्सा है और भारत के पास इस क्षेत्र में नेतृत्व की अपार संभावनाएँ मौजूद हैं : असीम कुमार घोष

एजेंसी
**पंचकूला।** सेक्टर-5 स्थित इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में आयुर्वेद महोत्सव 2025 का शुभारंभ अत्यंत भव्य और गरिमामय वातावरण में हुआ। हरियाणा के राज्यपाल असीम कुमार घोष तथा लेडी गवर्नर ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर तीन दिवसीय समारोह की शुरुआत की। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार तरुण भंडारी भी विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। आयोजन के पहले ही दिन आम जनता की भारी भीड़ देखने को मिली। लोग बड़ी संख्या में आयुर्वेद से संबंधित जानकारी लेने पहुंचे और प्रदर्शनी में लगे स्टॉलों से आयुर्वेदिक उत्पाद खरीदते हुए भी दिखाई दिए। उपस्थित लोगों में आयुर्वेद के प्रति गहरी रुचि और जागरूकता देखने को मिली। राज्यपाल असीम कुमार घोष ने अपने संबोधन में कहा कि आयुर्वेद केवल उपचार प्रणाली नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवनशैली है, जो मन, शरीर और आत्मा को संतुलित बनाए रखती है। उन्होंने कहा कि आज की बदलती जीवनशैली और बढ़ती बीमारियों के बीच आयुर्वेद सबसे प्रभावी और

भरोसेमंद चिकित्सा पद्धति बनकर उभर रहा है। उन्होंने इसे भविष्य की वैश्विक चिकित्सा बताते हुए कहा कि भारत के पास इस क्षेत्र में नेतृत्व की अपार संभावनाएँ मौजूद हैं। राज्यपाल ने समारोह के दौरान आयुर्वेद में विशिष्ट योगदान देने वाले संस्थानों और विशेषज्ञों को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार तरुण भंडारी ने कहा कि आने वाला समय पूरी तरह आयुर्वेद का होगा। उन्होंने बताया कि हमारे बुजुर्ग प्राकृतिक चिकित्सा और घरेलू उपचारों पर भरोसा करते थे, और आज वैज्ञानिक प्रमाण भी आयुर्वेद की प्रभावशीलता को सिद्ध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद को आधुनिक तकनीक, नवीन शोध और वैश्विक मानकों से जोड़कर इसे दुनिया की मुख्यधारा चिकित्सा प्रणाली बनाया जा सकता है। सम्मेलन के संरक्षक वैद्य राकेश शर्मा ने कहा कि यह महोत्सव समग्र चिकित्सा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा। उनके अनुसार देशभर से आए विशेषज्ञ अपने शोध, अनुभव और आधुनिक दृष्टिकोण साझा कर रहे हैं, जिससे आयुर्वेद का वैज्ञानिक आधार और भी मज़बूत बनेगा। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख विशेषज्ञों में संजय टंडन, अजीत पाल सिंह, संचित शर्मा, तरनजीत सिंह भरना, रामपाल सोमानी और हितेश जानी शामिल रहे। इन सभी विशेषज्ञों ने आयुर्वेद की आधुनिक दिशा, तकनीकी उन्नति और वैश्विक संभावनाओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और भी बढ़ी। महोत्सव के सफल संचालन में आयोजन टीम का विशेष योगदान रहा, जिसमें ऋषभ दीक्षित, जय सोनी, मन्या दीक्षित, योगिता भाटी और शिधि मिश्रा शामिल रहे। उनकी योजनाबद्ध कार्यशैली और बेहतर समन्वय के कारण महोत्सव का संचालन पहले ही दिन से सुव्यवस्थित और प्रभावशाली रहा।

## हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु बने आर्चरी एसोसिएशन के प्रधान

एजेंसी
**रोहतक।** हरियाणा आर्चरी एसोसिएशन के चुनाव रिटर्निंग अधिकारी अजय सिंह की अध्यक्षता में शांतिपूर्ण सम्पन्न हुए, जिसमें पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु को लगातार तीसरी बार निर्विरोध प्रधान चुना गया। साथ ही उपाध्यक्ष पद पर राजीव जैन और पवन कुमार को चुना गया। वहीं सचिव पद की जिम्मेदारी रामनिवास हुड्डा को सौंपी गई। संयुक्त सचिव के रूप में श्रवण सिंह और अमित यादव को चुना गया, जबकि कोषाध्यक्ष पद पर सुभाष स्योरण निर्वाचित हुए। इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी सदस्यों में सुरेंद्र शर्मा, कपिल कुमार, मुनित बरवाल, दीपक अहलावत और संजय सुहाग को चुना गया। इंडियन आर्चरी एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अमरिंदर सिंह चुनाव

ऑब्जर्वर के रूप में उपस्थित रहे। नवनियुक्त प्रधान कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि जो जिम्मेदारी एसोसिएशन ने उन्हें सौंपी है वह पूरी ईमानदारी से उसका निर्वहन करेगे। साथ ही हरियाणा में आर्चरी खेल को नई ऊंचाइयों तक ले जाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि खिलाडियों को बेहतर सुविधाएं, प्रशिक्षण और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवसर उपलब्ध कराने के लिए एसोसिएशन निरंतर प्रयास करेगी। साथ ही युवाओं में इस खेल के प्रति रुचि बढ़ाने, ग्रामीण क्षेत्रों से प्रतिभाओं को आगे लाने और खिलाडियों के स्वार्गीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस अवसर पर नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनियता की शपथ भी दिलाई गई।

# गुरुग्राम में राष्ट्रीय लोक अदालत में 90 हजार मामलों का निपटारा

### लोक अदालत में 24.93 करोड़ रुपये का हुआ सेटलमेंट

एजेंसी
**गुरुग्राम।** जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, गुरुग्राम द्वारा जिला न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत में 90886 मामलों का निपटारा किया गया। इस दौरान 24.93 करोड़ रुपये का सेटलमेंट हुआ। राष्ट्रीय लोक अदालत जिला एवं सत्र न्यायाधीश-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण गुरुग्राम वाणी गोपाल शर्मा के निर्देशानुसार संपन्न हुई। राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल संचालन के लिए जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, गुरुग्राम द्वारा कुल 27 पीठों का गठन किया गया। इसके अतिरिक्त उप-मंडल सोहना एवं पटौदी में भी लोक अदालत का आयोजन किया गया, जहां सोहना में एक तथा पटौदी में एक पीठ स्थापित की गई। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण गुरुग्राम राकेश कादियान ने बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में जिला न्यायालय, सोहना एवं पटौदी की सभी पीठों को मिलाकर विभिन्न श्रेणियों के लगभग 97,678 मामलों

को सूचीबद्ध किया गया, जिनमें से 90,886 मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया। इन मामलों के निपटारे से कुल 24 करोड़ 93 हजार 8 सौ 47 रुपये का सेटलमेंट हुआ। लोक अदालत के दौरान सभी पीठों में पैनल अधिवक्ताओं की नियुक्ति की गई थी, जिन्होंने उपस्थित रहकर पक्षकारों के बीच समझौता कराने में न्यायालयों एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण को सहयोग प्रदान किया। पीठों की संख्या के अनुरूप पैनल अधिवक्ताओं की प्रतिनियुक्ति की गई थी। जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रैफिक चालान के त्वरित निपटारे के लिए जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, गुरुग्राम द्वारा गेट नंबर दो के समीप ट्रैफिक हेल्प डेस्क भी स्थापित की गई, जिससे लोगों को चालान निकलवाने एवं भुगतान करने में किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। राष्ट्रीय लोक अदालत में बड़ी संख्या में नागरिकों ने अपने लंबित मामलों का निपटारा कराया और त्वरित, सरल एवं सौहार्दपूर्ण न्याय का लाभ उठाया।

## राष्ट्रीय लोक अदालत में 10406 केसों का निपटारा, तीन करोड़ का सेटलमेंट

एजेंसी
**जींद।** जिला मुख्यालय स्थित न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया । लोक अदालत कार्यक्रम की देखरेख जिला एवं सत्र न्यायाधीश कम चेयरपर्सन पूनम सुनेजा ने की। सीजेएम मोनिका ने बताया कि लोक अदालत में कुल 12136 मामले रखे गए। इनमें से 10406 मामलों का मौके पर ही निपटा किया गया।

इसमें तीन करोड़ 47 लाख 47595 रुपये की राशि का सेटलमेंट किया गया। लोक अदालत में कई तरह के मामले रखे गए। सीजेएम मोनिका ने बताया कि लोक अदालत में मोटरव्हीकल दुर्घटना से संबंधित 26 मामले, हिंदू मैरिज एक्ट से संबंधित 120 मामले, चेक बाउंस से संबंधित 220 मामले, दीवानी मामलों से संबंधित 454 मामले, आपराधिक मामलों से संबंधित 2028 मामले, बैंक लोन से संबंधित नौ मामले, परी लिटिगेटिव बैंक लोन से संबंधित 109 मामलों का निपटान किया गया। सीजेएम मोनिका ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जींद शिफा करण सिंह, फैमिली कोर्ट की प्रिंसिपल जज कीर्ति जैन, प्रथम श्रेणी जुडिशल मजिस्ट्रेट विवेक सिंह, प्रथम श्रेणी ज्यूडिशिल मजिस्ट्रेट पारिंद्र सिंह, प्रथम श्रेणी ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट अश्विनी गुप्ता नरवाना, प्रथम श्रेणी ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट अमित नैन सफीदों के बेंच गठित किए गए।

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मोनिका ने कहा कि लोक अदालत का लाभ अधिक से अधिक लोगों को उठाना चाहिए। क्योंकि लोक अदालत के मामले का निपटारा आपसी सहमति से होता है ।

जिस समय वह धन की बचत होती है व आपसी सौहार्द भी बना रहता है। उन्होंने सभी पीठासिन अधिकारियों, लोक अदालत में कार्यरत सभी कर्मचारी व अधिवक्ताओं को लोक अदालत के सुचारू रूप से संचालन के लिए धन्यवाद किया।

# राष्ट्रीय लोक अदालत में तीस हजार आठ सौ केसों का निपटारा

ज्योति दर्पण
**सिरसा।** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सिरसा न्यायालय परिसर सहित उपमंडल डबवाली व ऐलनाबाद में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवेश सिंगला ने बताया कि इस लोक अदालत में सभी तरह के न्यायालयों में विचाराधीन केस निपटारे के लिए रखे गये थे, जिनमें मुख्यतः चेक बाउंस, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन दुर्घटना, घरेलू विवाद, बिजली व पानी से संबंधित विवाद, दिवानी व फौजदारी विवाद इत्यादि शामिल थे। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में न्यायालयों में विचाराधीन 32699 केसों में से 30800 केसों का निपटारा किया गया, जिनमें 78148413 रुपये की राशि समायोजित की गई। उन्होंने बताया कि नेशनल लोक अदालत में कुल 6 बैंचों का गठन किया गया जिसमें सिरसा में अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश फैमिली कोर्ट सुमित गर्ग, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नितिन किनरा, सिविल जज एवं न्यायिक

दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी गगनदीप गोयल, सिविल जज एवं न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी रिचू, डबवाली में अतिरिक्त सिविल जज एवं उपमंडल न्यायिक दंडाधिकारी हरलीनपाल सिंह व ऐलनाबाद में अतिरिक्त सिविल जज एवं उपमंडल न्यायिक दंडाधिकारी आशिष आर्य द्वारा लोक अदालत लगाई गई। उन्होंने बताया कि लोक अदालत की प्रक्रिया बड़ी सरल एवं संक्षिप्त है, क्योंकि इसमें दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठाकर बातचीत द्वारा समझौता करवाया जाता है, जिससे उनका आपसी मनमुटाव समाप्त हो जाता है। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर लोक अदालत का आयोजन किया जाता है।


# पशुपालन को व्यवसाय के रूप में अपनाकर आगे बढ़ें : डॉ. सज्जन सिहाग

एजेंसी
**हिसार।** लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय के पशु पोषण विभाग में अनुसूचित जाति के बेरोजगार युवाओं के लिए सात दिवसीय निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समापन अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 'संतुलित आहार एवं खनिज मिश्रण का पशुपालन में महत्व' विषय पर आधारित था, कुल 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य पशुपालन के माध्यम से युवाओं एवं किसानों की आय में वृद्धि करना है। समापन समारोह में विभागाध्यक्ष डॉ. सज्जन सिहाग ने प्रतिभागियों को पशुपालन को व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण रोजगार के अवसर सीमित होते जा रहे हैं, ऐसे में पशुपालन युवाओं के लिए एक सशक्त वैकल्पिक आजीविका का माध्यम बन सकता है। डॉ. सिहाग ने कहा कि भारत विश्व में कुल दूध उत्पादन में प्रथम स्थान पर है, फिर भी प्रति पशु दूध उत्पादन में कई देशों से पीछे है। उन्होंन सभी पशुपालकों से अपील की कि वे अपने पशुओं को प्रतिदिन 50 से 100 ग्राम खनिज मिश्रण अवश्य दें। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि पशु पोषण विभाग पशुओं में विशिष्ट खनिजों की कमी को ध्यान में रखते हुए उत्तम गुणवत्ता का खनिज मिश्रण तैयार कर किसानों को सस्ते दामों पर उपलब्ध करवा रहा है, जिससे किसान लाभान्वित हो रहे हैं। डॉ. सिहाग ने प्रशिक्षणार्थियों को आश्वस्त किया कि विभाग भविष्य में भी उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान प्रशिक्षण संयोजक डॉ. नैंसी श्योराण एवं सह-संयोजक डॉ. ज्योत्सना ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को खनिज मिश्रण एवं संतुलित आहार तैयार करने, पशु आहार निर्माण तथा पशु पोषण के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त प्रतिभागियों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए बैंक ऋण से संबंधित सुविधाओं की भीजानकारी प्रदान की गई।

# सेंसेक्स की प्रमुख आठ कंपनियों का मार्केट कैप 79,129 करोड़ घटा

**- रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले, एचडीएफसी बैंक दूसरे और भारती एयरटेल तीसरे स्थान पर रही**

**मुंबई ।**

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में रही गिरावट के बीच बीएसई की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 79,129 करोड़ रुपये घट गया। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और एलआईसी के एमकैप में सप्ताह के दौरान वृद्धि हुई है जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज और एलएंडटी का सम्मिलित एमकैप 25,345 करोड़ रुपये बढ़ गया। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और एलआईसी के बाजार पूंजीकरण में कमी आई। सबसे ज्यादा नुकसान बजाज फाइनेंस को हुआ, जिसका एमकैप 19,290 करोड़ रुपये घट गया। इसके बाद आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्य 18,516 करोड़ रुपये कम हुआ। भारती एयरटेल और भारतीय स्टेट बैंक के एमकैप में क्रमशः 13,885 करोड़ और 7,846 करोड़ रुपये की गिरावट रही। आईटी कंपनियों में इंफोसिस का एमकैप 7,146 करोड़ और टीसीएस का 6,784 करोड़ रुपये घटा। एचडीएफसी बैंक और एलआईसी के बाजार पूंजीकरण में क्रमशः 4,461 करोड़ और 1,202 करोड़ रुपये की कमी दर्ज हुई। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज और एलएंडटी दो ऐसी कंपनियां रहीं, जिनका एमकैप बढ़ा। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 20,434 करोड़ रुपये बढ़कर 21,05,653 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एलएंडटी का एमकैप 4,911 करोड़ रुपये बढ़ा। बाजार पूंजीकरण के हिसाब से रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले, एचडीएफसी बैंक दूसरे और भारती एयरटेल तीसरे स्थान पर बनी रही।

# इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की टैक्सपेयर-फ्रेंडली पहल शुरू

**- फर्जी डोनेशन क्लेम पर टैक्सपेयर्स को भेजे जा रहे एसएमएस और ईमेल**

**नई दिल्ली ।**

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने टैक्सपेयर्स को राहत देते हुए एक टैक्सपेयर-फ्रेंडली पहल शुरू की है। इसके तहत विभाग लोगों को एसएमएस और ईमेल के जरिए सूचित कर रहा है कि वे अपने इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) की समीक्षा करें और यदि किसी तरह का गलत डिडक्शन या क्लेम किया गया हो, तो उसे स्वयं सुधार लें। इस बारे में वित्त मंत्रालय ने जानकारी दी। यह अभियान उन कार्रवाइयों के बाद शुरू किया गया है, जिनमें इनकम टैक्स विभाग ने ऐसे बिचौलियों पर शिकंजा कसा था जो टैक्सपेयर्स के लिए फर्जी डोनेशन क्लेम दाखिल कर टैक्स देनदारी कम करवा रहे थे। जांच में सामने आया कि ये फर्जी क्लेम मुख्य रूप से रजिस्टर्ड लेकिन अनरिकग्नाइज्ड पॉलिटिकल पार्टियों (आरयूपीपी) और कुछ चैरिटेबल संस्थाओं को दिए गए डोनेशन के नाम पर किए गए थे। इनसे टैक्स कम किया गया और कई मामलों में फर्जी रिफंड भी लिया गया। विभाग की जांच में पाया गया कि कई आरयूपीपी न तो इनकम टैक्स रिटर्न फाइल कर रही थीं, न ही अपने रजिस्टर्ड पते पर मौजूद थीं

और न ही किसी राजनीतिक गतिविधि में शामिल थीं। इन संस्थाओं का इस्तेमाल फंड रूटिंग, हवाला लेनदेन, क्रॉस-बॉर्डर रेमिटेंस और फर्जी डोनेशन रसीदें जारी करने के लिए किया गया। इसके अलावा, कुछ कंपनियों और व्यक्तियों द्वारा किए गए फर्जी सीएसआर और डोनेशन क्लेम के सबूत भी मिले हैं।

# स्पेसएक्स की आईपीओ की तैयारी, 800 अरब डॉलर तक पहुंचा मूल्यांकन

## 2.56 अरब डॉलर तक की शेयर खरीद को मंजूरी

**नई दिल्ली ।** एलॉन मस्क की अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स अगले कुछ वर्षों में शेयर बाजार में उतरने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने हाल ही में एक सेकेंडरी शेयर सेल शुरू की है, जिसके आधार पर उसका अनुमानित मूल्यांकन लगभग 800 अरब डॉलर आंका गया है। यह जानकारी कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) ब्रेट जॉनसन ने शेयरहोल्डर्स को भेजे गए एक पत्र में दी है। 12 दिसंबर को लिखे गए पत्र में जॉनसन ने बताया कि स्पेसएक्स ने एक ऐसी व्यवस्था को मंजूरी दी है, जिसके तहत नए और मौजूदा निवेशक, साथ ही कंपनी खुद मिलकर 2.56 अरब डॉलर तक के शेयर खरीदेंगे। इन शेयरों की कीमत 421 डॉलर प्रति शेयर तय की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कंपनी 2026 में संभावित आईपीओ के लिए खुद को तैयार कर रही है, हालांकि आईपीओ की तारीख, कीमत और अंतिम फैसला अभी तय नहीं है। स्पेसएक्स को सार्वजनिक करने के पीछे सबसे बड़ी वजह उसकी स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सेवा की तेज़ी से बढ़ती लोकप्रियता है। कंपनी डायरेक्ट-टू-मोबाइल इंटरनेट सेवा पर काम कर रही है, जिससे मोबाइल फोन बिना टावर के भी सैटेलाइट के ज़रिये कनेक्ट हो सकेंगे। इसके साथ ही, कंपनी का स्टारशिप रॉकेट प्रोग्राम भी लगातार प्रगति कर रहा है, जिसे चांद और मंगल मिशनों के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। आईपीओ या शेयर बिक्री से जुटाई गई पूंजी का इस्तेमाल स्टारशिप उड़ानों की संख्या बढ़ाने, अंतरिक्ष में एआई डेटा सेंटर, मूनबेस अल्फा और मंगल ग्रह पर मानव मिशनों के लिए किया जाएगा। निवेशकों ने संभावित आईपीओ की खबरों का स्वागत किया है और माना जा रहा है कि इससे स्पेसएक्स का मूल्यांकन भविष्य में 1 ट्रिलियन डॉलर से भी ऊपर जा सकता है।

# यात्रियों का आरोप- कई एयरलाइंस तय सीमा से अधिक किराया वसूल रही

**10 में 6 यात्रियों ने एयरलाइंस पर नियम तोड़ने का आरोप लगाया**

**नई दिल्ली ।**

देश भर में घरेलू उड़ानों की टिकट बुकिंग करने वाले यात्रियों का कहना है कि सरकार द्वारा तय की गई किराया सीमा के बावजूद एयरलाइंस ऊंचे दाम वसूल रही हैं। कम्युनिटी प्लेटफॉर्म लोकलसर्किल्स के हालिया सर्वे में यह बात सामने आई है कि करीब 10 में से 6 यात्रियों ने किराया सीमा के उल्लंघन के मामले देखे हैं।

यह शिकायतें 6 दिसंबर के बाद भी जारी हैं, जबकि इसी दिन नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने अस्थायी तौर पर किराए की अधिकतम सीमा लागू की थी। दरअसल, 3 से 6 दिसंबर के बीच घरेलू उड़ानों के टिकटों के दाम अचानक काफी बढ़ गए थे। यात्रियों की लगातार शिकायतों के बाद सरकार ने इकोनॉमी क्लास की नॉन-स्टॉप घरेलू उड़ानों पर बेस किराया सीमा तय की। इसके तहत 500 किलोमीटर तक की दूरी के लिए अधिकतम 7,500 रुपये, 500 से 1,000 किलोमीटर के लिए 12,000 रुपये, 1,000 से 1,500 किलोमीटर के लिए 15,000 रुपये और 1,500 किलोमीटर से अधिक दूरी के लिए 18,000 रुपये किराया तय किया गया। टैक्स और एयरपोर्ट शुल्क इससे अलग हैं। सरकार ने इसे अस्थायी कदम बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य अधिक वसूली पर रोक लगाना है। लोकलसर्किल्स ने देश के 291 जिलों में यात्रियों से बातचीत की, जिसमें 25,519 लोगों ने अपनी राय दी। सर्वे के अनुसार, 59 प्रतिशत यात्रियों ने बताया कि उन्हें किराया सीमा के उल्लंघन के मामले मिले, जबकि सिर्फ 21 प्रतिशत ने माना कि हर बार नियमों का पालन हुआ। शेष यात्री इस पर स्पष्ट राय नहीं दे पाए। वहीं एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस जैसी बड़ी एयरलाइंस ने नियमों के पालन का दावा किया है।

उनका कहना है कि बुकिंग सिस्टम को अपडेट किया जा रहा है और व्यस्त रूटों पर अतिरिक्त उड़ानें भी जोड़ी जा रही हैं। इस बीच, इंडिगो की कई उड़ानों के रद्द होने और डीजीसीए के नए ड्यूटी टाइम नियमों को किराया बढ़ने की प्रमुख वजह माना जा रहा है।

# बीते सप्ताह घरेलू थोक बाजार में चावल सस्ता, गेहूं-चीनी महंगी रही

**गेहूं और आटे की बढ़ती कीमतों के पीछे बढ़ी हुई मांग और सीमित स्टॉक का प्रभाव रहा**

**नई दिल्ली ।** बीते सप्ताह घरेलू थोक बाजारों में अनाज की कीमतों में अलग-अलग रुझान देखने को मिले। चावल की औसत कीमत 67 रुपये घटकर 3,755.96 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। वहीं गेहूं के दाम बढ़कर 2,848.44 रुपये प्रति क्विंटल और आटा 18 रुपये बढ़कर 3,307.09 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। विशेषज्ञों का कहना है कि गेहूं और आटे की बढ़ती कीमतों के पीछे बढ़ी हुई मांग और सीमित स्टॉक का प्रभाव रहा। खाद्य तेलों में भी उतार-चढ़ाव रहा। मूंगफली तेल 50 रुपये, पाम ऑयल 47 रुपये और सूरजमुखी तेल 54 रुपये प्रति क्विंटल महंगे हुए, जबकि सोया तेल में केवल 5 रुपये की बढ़त रही। इसके विपरीत, सरसों तेल 107 रुपये और वनस्पति तेल 62 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। दालों में चना दाल सस्ती हुई, 19 रुपये प्रति क्विंटल घटकर बिक रही है। मसूर, तुअर, मूंग और उड़द दाल क्रमशः 6, 8, 7 और 32 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। मीठे के बाजार में गुड़ 18

रुपये सस्ता हुआ, जबकि चीनी 11 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। साप्ताहिक बाजार समीक्षा के अनुसार, अनाज में गेहूं और आटे की कीमतें बढ़ीं, चावल सस्ता हुआ। तेल और दालों में मिला-जुला रुख देखा गया, जबकि मीठे में चीनी महंगी और गुड़ सस्ता रहा।

## एसयूवी 'कैट' ब्राज़ील में ग्लोबली लॉन्च

**नईदिल्ली ।** अपनी नई कॉम्पैक्ट एसयूवी 'कैट' को निसान ने ब्राज़ील में ग्लोबली लॉन्च किया है। कंपनी को उम्मीद है कि एसयूवी 'कैट' निसान की एंट्री-लेवल एसयूवी लाइनअप को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई मजबूती देगी। निसान कैट का डिज़ाइन मौजूदा वी-प्लेटफार्म पर आधारित है, लेकिन लुक पहले से ज्यादा आधुनिक और दमदार है। यह मॉडल अब तक उपलब्ध किक्स प्ले की जगह लेगा और 2026 से 20 से अधिक देशों में एक्सपोर्ट किया जाएगा। स्प्लिट एलईडी हेडलैम्प्स, नए डीआरएलएस, चौड़ा ग्रिल और अपडेटेड एलईडी टेल-लैंप्स एसयूवी को प्रीमियम और मस्कुलर अपीयरेंस देते हैं। 4,304 एमएम लंबी इस एसयूवी में 432 लीटर बूट स्पेस मिलता है, जो इसे सेगमेंट में व्यावहारिक बनाता है। इंटीरियर में ब्लैक थीम के साथ कई सुधार किए गए हैं, जिनमें 9-इंच पायोनियर टचस्क्रीन, 7-इंच डिजिटल इंस्ट्रुमेंट क्लस्टर, वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो-एप्पल कारप्ले और वायरलेस चार्जिंग शामिल हैं। सुरक्षा फीचर्स में 360-डिग्री कैमरा, एडैप्टिव क्रूज़ कंट्रोल और पूरा अडास पैकेज मिलता है। कैट में 1.6-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 110बीएचपी पावर और 146एनएम टॉर्क पैदा करता है और सीवीटी गियरबॉक्स से जुड़ा है। ब्राज़ील में इस एसयूवी की शुरुआती कीमत लगभग 20 लाख रुपये के बराबर रखी गई है।

## बीएमडब्ल्यू मिनी ब्रांड का भारत में करेगी विस्तार

**नई दिल्ली ।** जर्मनी की लग्जरी कार निर्माता बीएमडब्ल्यू अगले साल अपने मिनी पोर्टफोलियो का विस्तार करने की योजना बना रही है। कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा कि मिनी कूपर, मिनी कंट्रीमैन जेसीडब्ल्यू और मिनी कन्वर्टिबल के साथ-साथ एक-दो नए मॉडल भी भारत में लाए जा सकते हैं। बरार ने बताया कि फिलहाल मिनी ब्रांड करीब नौ शहरों में मौजूद है। अगले साल यह संख्या दोगुनी करने का लक्ष्य है, ताकि मेट्रो शहरों के अलावा छोटे शहरों और कस्बों तक भी पहुंच बनाई जा सके। जयपुर, लखनऊ और रांची जैसे शहर नए नेटवर्क में शामिल होंगे। कंपनी ऐसे छोटे शहरों पर भी ध्यान दे रही है, जहां अभी उसकी कोई मौजूदगी नहीं है। बीएमडब्ल्यू का कहना है कि छोटे शहरों से भी धीरे-धीरे मिनी कारों की मांग बढ़ रही है। स्थानीय स्तर पर मौजूदगी से बिक्री के बाद की सेवाओं पर ग्राहक का भरोसा भी मजबूत होता है। इसके अलावा कंपनी मिनी ब्रांड के लिए स्थानीय समुदाय बनाने पर काम कर रही है। अगले साल मिनी मालिकों और उत्साही लोगों के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे ब्रांड की पहचान और ग्राहक जुड़ाव बढ़ सके।

## एफपीआई ने दिसंबर में भारतीय बाजार से निकाले 24,936 करोड़

**मुंबई ।**

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने दिसंबर के पहले दो हफ्तों में भारतीय पूंजी बाजार से लगभग 24,936 करोड़ रुपए की निकासी की है। सीडीएसएल के आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान एफपीआई ने 17,955 करोड़ के शेयर और 7,585 करोड़ के बॉन्ड बेचे। हालांकि, हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट में उन्होंने 191 करोड़ का शुद्ध निवेश किया और म्यूचुअल फंड में 270 करोड़ रुपए की खरीदारी की। अक्टूबर और नवंबर में एफपीआई ने क्रमशः 35,246 करोड़ रुपए और 4,114 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था। दो महीने लगातार खरीदारी के बाद दिसंबर में बाजार में बिकवाली शुरू हो गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि रुपये की लगातार गिरावट से विदेशी निवेशक अपना पैसा निकाल रहे हैं। कमजोर मुद्रा के कारण उनके लिए निवेश का रिटर्न कम हो जाता है, इसलिए बिकवाली बढ़ रही है। इस साल अब तक एफपीआई ने कुल 70,187 करोड़ रुपए की निकासी की है, जिसमें सबसे अधिक बिकवाली शेयर बाजार में हुई है। निवेशकों की नजरें अब अगले वित्तीय संकेतों पर टिकी हैं।

# इस सप्ताह बाजार पर रहेगा महंगाई और वैश्विक कारकों का असर

**भारत-अमेरिका ट्रेड डील और एफआईआई (की गतिविधियों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी**

**मुंबई ।** घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरी साप्ताहिक गिरावट के बाद स्थिरता की तलाश में हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस सप्ताह में बाजार पर महंगाई के आंकड़े और वैश्विक आर्थिक कारक असर डाल सकते हैं। खुदरा महंगाई (सीपीआई) के आंकड़े शुक्रवार को जारी हुए, जबकि थोक महंगाई (डब्ल्यूपीआई) के आंकड़े सोमवार को बाजार बंद होने के बाद जारी होंगे। शेयर बाजार पर अमेरिका और भारत के बीच ट्रेड डील, विदेशी निवेशक की गतिविधियां और अंतरराष्ट्रीय ब्याज दरों के बदलाव का असर भी दिखाई देगा। अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दर में 25 बेसिस प्वॉइंट कटौती से कुछ राहत मिली है, वहीं डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट (90.56 का नया रिकॉर्ड) निवेशकों को सतर्क कर रही है। विदेशी निवेशकों ने शुक्रवार को भारतीय शेयरों में अधिक बिकवाली की, कुल 396.26 करोड़ रुपये के शेयर बेचे गए। इसके विपरीत, भारतीय संस्थागत निवेशकों ने शेयरों की खरीद अधिक की, जिससे नेट बाइंग 2,828.21 करोड़ रुपये रही। इससे बाजार में कुछ स्थिरता बनी, लेकिन रुपया कमजोर बना हुआ है। अगले सप्ताह निवेशक थोक महंगाई, निर्यात-आयात आंकड़े, और मैन्युफैक्चरिंग व सर्विसेज सेक्टर की गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखेंगे। यह आंकड़े वर्ष के अंत तक भारत की अर्थव्यवस्था की ताकत का संकेत देंगे। विशेषज्ञों का अनुमान है कि

रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.50 से 91.00 के दायरे में ऊपर-नीचे रहेगा।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील में किसी भी सकारात्मक खबर से रुपये और शेयर बाजार में हल्की मजबूती आ सकती है। कुल मिलाकर, घरेलू और वैश्विक आर्थिक कारक, निवेशकों की गतिविधियां और व्यापार वार्ता बाजार की दिशा तय करेंगे। निवेशकों को महंगाई, निर्यात-आयात आंकड़े और विदेशी निवेशक व्यवहार पर ध्यान रखना होगा ताकि वे सही निवेश निर्णय ले सकें।

## विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक दावोस में होगी

**- बैठक में करीब 130 देशों के लगभग 3,000 वैश्विक नेता शामिल होंगे**

**नई दिल्ली ।** विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक 19 से 23 जनवरी, 2026 तक स्विट्जरलैंड के दावोस में होगी। इस बैठक में करीब 130 देशों के लगभग 3,000 वैश्विक नेता शामिल होंगे, जिनमें लगभग 60 राष्ट्राध्यक्ष भी उपस्थित रहेंगे। इस वर्ष बैठक का विषय है 'संवाद की भावना'। भारत से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, तेलंगाना के ए रेवंत रेड्डी और मध्य प्रदेश के मोहन यादव दावोस में पहुंचेंगे। इसके अलावा उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों के प्रतिनिधियों की भी भागीदारी की संभावना है। केंद्रीय मंत्रियों के नाम की घोषणा जल्द की जाएगी। बैठक में भारत के प्रमुख उद्योगपति और सीईओ भाग लेंगे, जिनमें मुकेश अंबानी, एन चंद्रशेखरन, संजीव बजाज, हरि एस भरतिया, अमिताभ चौधरी, नादिर गोदरेज, सज्जन जिंदल, निखिल कामथ, सुनील भारती मित्तल, नंदन नीलेकणि, सलिल एस पारेख, ऋषद प्रेमजी, प्रशांत रुइया और विजय शेखर शर्मा शामिल हैं। सार्वजनिक क्षेत्र से अमरदीप सिंह भाटिया, संदीप कुमार गुप्ता, सी एस सेट्टी, गुरदीप सिंह और जितेंद्र श्रीवास्तव बैठक में भाग लेंगे। जी-7, जी-20, ब्रिक्स देशों के नेता और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख भी बैठक में उपस्थित होंगे। भारत की मजबूत उपस्थिति वैश्विक मंच पर निवेश और रणनीतिक संवाद को बढ़ावा देगी।

# बोनस, डिविडेंड और स्प्लिट से भरपूर होगा अगला हफ्ता

**- मनीबॉक्स, सिल्फ, डॉ. लाल पैथलैब्स और यूनिफिंज कैपिटल जारी करेंगी बोनस इश्यू**

**नई दिल्ली ।**

शेयर बाजार में आने वाला हफ्ता निवेशकों के लिए काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है। इसकी वजह है कई कंपनियों द्वारा किए जा रहे कॉरपोरेट एक्शन, जिनमें बोनस शेयर, डिविडेंड और स्टॉक स्प्लिट जैसे फैसले शामिल हैं। ऐसे फैसले निवेशकों की होल्डिंग, रिटर्न और शेयरों की कीमतों पर सीधा असर डालते हैं। इस दौरान रिकॉर्ड डेट और एक्स-डेट पर नजर रखना बेहद जरूरी हो जाता है, क्योंकि इन्हीं तारीखों के आधार पर यह तय होता है कि कौन निवेशक इन फायदों के हकदार होंगे। बीएसई पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, मनीबॉक्स फाइनेंस, सिल्फ टेक्नोलॉजीज, डॉ. लाल पैथलैब्स और यूनिफिंज कैपिटल इंडिया बोनस इश्यू करने जा रही हैं।

इन कंपनियों ने इसके लिए एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट तय कर दी है। जिन निवेशकों का नाम रिकॉर्ड डेट तक कंपनी के शेयरधारकों की सूची में रहेगा, उन्हें बोनस शेयर मिलेंगे। मनीबॉक्स फाइनेंस लिमिटेड 15 दिसंबर 2025 को बोनस इश्यू के लिए एक्स-डेट पर ट्रेड करेगी। कंपनी ने 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर देने का फैसला किया है, यानी एक शेयर पर एक अतिरिक्त शेयर मिलेगा। यही

तारीख इसकी रिकॉर्ड डेट भी होगी। माइक्रो और स्मॉल बिजनेस फाइनेंसिंग से जुड़ी यह कंपनी हाल के दिनों में निवेशकों के बीच चर्चा में रही है। वहीं सिल्फ टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने 17 दिसंबर को बोनस इश्यू की एक्स-डेट तय की है।

कंपनी 5:11 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करेगी, यानी 11 शेयरों पर 5 बोनस शेयर मिलेंगे। टेक्नोलॉजी सेक्टर की यह कंपनी लंबे समय से सक्रिय निवेशकों के रडार पर बनी हुई है। हेल्थकेयर और डायग्नोस्टिक सेक्टर की दिग्गज कंपनी डॉ. लाल पैथलैब्स लिमिटेड 19 दिसंबर को बोनस इश्यू की एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट रखेगी। कंपनी 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करेगी। भरोसेमंद ब्रांड मानी जाने वाली इस कंपनी का यह कदम निवेशकों के लिए अहम माना जा रहा है।

## डिग्री नहीं, सोच बनाती है अमीर या गरीब: रॉबर्ट कियोसाकी

**- अमीरी-गरीबी का फर्क पढ़ाई से नहीं, पैसे को समझने के नजरिये से तय होता है**

**नई दिल्ली ।**

मशहूर लेखक और निवेशक रॉबर्ट कियोसाकी ने एक बार फिर अमीरी और गरीबी के अंतर को लेकर अपनी सोच साझा की है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि उनके गरीब पापा के पास पीएचडी की डिग्री थी, जबकि उनके अमीर पापा ने हाई स्कूल तक की पढ़ाई भी पूरी नहीं की थी। इसके बावजूद गरीब पापा की मौत कर्ज और आर्थिक तंगी में हुई, जबकि अमीर पापा करोड़पति बनकर रिटायर हुए। कियोसाकी के मुताबिक इस फर्क की वजह पढ़ाई या बुद्धि नहीं, बल्कि पैसे को लेकर सोच है। गरीब सोच यह सवाल करती है कि कौन-सा निवेश सबसे सुरक्षित है, जबकि अमीर सोच यह देखती है कि किस निवेश में नियंत्रण, उधार (लीवरेज) और नियमित नकद आय मिलेगी। उन्होंने कहा कि कोई भी निवेश अपने आप में अच्छा या बुरा नहीं होता, असली फर्क निवेशक की जानकारी से पड़ता है। गरीब सोच सुरक्षा ढूंढती है और कहती है मेरे पास पैसे नहीं हैं, जबकि अमीर सोच शिक्षा, समझ और हर बाजार में कमाई करने के तरीकों पर भरोसा करती है। कियोसाकी के अनुसार असली जोखिम निवेश करना नहीं, बल्कि हमेशा गरीब बने रहना है।

## सस्ते तांबे के आयात से घरेलू उद्योग को नुकसान

**- आईपीसीपीए ने सरकार से सुरक्षा शुल्क की मांग की**

**नई दिल्ली ।** इंडियन प्राइमरी कॉपर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (आईपीसीपीए) ने कहा है कि कई मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के तहत तांबे का सस्ता आयात देश के घरेलू उद्योग को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। संगठन के अनुसार, शून्य शुल्क पर आयात से भारतीय स्मेल्टिंग और रिफाइनिंग उद्योग को नुकसान हो रहा है, जबकि उद्योग ने आत्मनिर्भर बनने के लिए हाल के वर्षों में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। आईपीसीपीए ने सरकार से आग्रह किया है कि तांबे की कुछ श्रेणियों पर तीन प्रतिशत सुरक्षा शुल्क लगाया जाए और विदेशों से आने वाले आयात पर मात्रात्मक प्रतिबंध लागू किए जाएं। संगठन ने भारत-यूएई व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को लेकर भी चिंता जताई है। इसके तहत तांबे के वायर रॉड पर सीमा शुल्क वित्त वर्ष 2025-26 में केवल एक फीसदी रह गया है और वित्तवर्ष 2026-27 तक इसे पूरी तरह समाप्त कर दिया जाएगा। आईपीसीपीए का कहना है कि यदि उचित कदम नहीं उठाए गए तो घरेलू तांबे उद्योग को और गंभीर नुकसान होगा।

# नैतिकता के पक्षधर थे-सरदार वल्लभ भाई पटेल

मुकेश तिवारी

सरदार वल्लभभाई पटेल एक ऐसी शख्सियत थे ,जिन्होंने सिर्फ संकल्प शक्ति और मेहनत के बलबूते पर वो मुकाम बनाया ।जिसे किसी के लिए भी छू पाना मुमकिन नहीं है। उनकी असाधारण काबिलियत ही थी कि एक साथ 562 रियासतों का एकीकरण करके उन्होंने मिसाल कायम की। इस वजह से ही उन्हें आधुनिक भारत का चाणक्य माना जाता है।

सरदार वल्लभभाई पटेल एक ऐसी शख्सियत थे ,जिन्होंने सिर्फ संकल्प शक्ति और मेहनत के बलबूते पर वो मुकाम बनाया ।जिसे किसी के लिए भी छू पाना मुमकिन नहीं है। उनकी असाधारण काबिलियत ही थी कि एक साथ 562 रियासतों का एकीकरण करके उन्होंने मिसाल कायम की। इस वजह से ही उन्हें आधुनिक भारत का चाणक्य माना जाता है।

सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के करमसद,नाडियाद ग्राम में हुआ था, इनके पिता का नाम झवेर भाई और मां का नाम लाड बाई था ।झबेर भाई मूलत बोरसद इलाके के करमसद गांव के रहने वाले थे और खेती किसानी किया करते थे। ,बल्लभ भाई सहित झवेर भाई के छ संताने थी, वल्लभभाई का बचपन माता पिता के साथ गांव में ही बीता यही पर इनकी प्रारंभिक शिक्षा हुई, इसके पश्चात माध्यमिक स्तर की शिक्षा उन्होंने नडियाद वह बड़ौदा से पूर्ण की ।

वल्लभभाई का बाल्यकाल माता -पिता के साथ गांव में ही बीता , गांव में ही इनकी प्रारंभिक शिक्षा हुई, इसके पश्चात माध्यमिक स्तर की शिक्षा इन्होने नडियाद व बडौदा से पूरी की।

वल्लभभाई के पिता झबेर भाई बड़े साहसी,संयमी और साहसी पुरुष थे,1857 की क्रांति के समय घर वालों को बिना बताए तीन साल तक घर से बाहर रहे ।वही झांसी की महारानी लक्ष्मीबाई और नाना साहिब घोड़ोंपंत की सेना में भर्ती हुए, उन्होंने समस्त उत्तरी भारत का भ्रमण किया तथा स्वतंत्रता के लिए अनेक मर्तबा ब्रिटिश सेना के साथ युद्ध किया, पिता के संयम,साहस,वीरता और राष्ट्र भक्ति के गुण वल्लभभाई को संस्कार में प्राप्त हुए थे ।वे बाल्यकाल से ही वक्त के अधिकतम उपयोग तथा अपने दायित्व के प्रति हर पल समर्पित रहते थे। राजनीति में दाखिल होने के पश्चात इन गुणों ने ही वल्लभभाई को हिन्दुस्तान के बिखरे हुए स्वरूप को एक सूत्र में पिरोने के लिए प्रेरित किया,उनकी दृढ निर्णय की प्रवृत्ति ने ही उन्हें लौह पुरुष कहलाने का सम्मान प्रदान किया तथा योग्य नेतृत्व के गुणों ने सरदार की पदवी से विभूषित करवाया, वल्लभभाई का विधार्थी जीवन अत्यंत परिश्रमी, उज्जवल एवं नैतिकता से पूर्ण रहा, इस स्तर पर ही उनमें भावी जीवन के शुभ लक्षण दिखाई देने लगे थे, वे नाडियाद में अध्ययनरत थे तभी उन्होंने विधालय की अव्यवस्थाओं के लिए आंदोलन किया,यहां स्कूल का एक शिक्षक पुस्तकों का व्यापार करता था तथा सभी शिक्षक उससे ही पुस्तक खरीदने के लिए विधार्थियों को बाध्य करते थे, बल्लभ भाई को शिक्षकों की यह बात उचित नहीं लगी, पटेल ने इसे नैतिकता का हनन मानकर विरोध स्वरूप आंदोलन प्रारंभ कर दिया, अंततः शिक्षकों को झुकना पड़ा,यह उनकी नैतिक सदप्रवृति का बेहतरीन उदाहरण था, अन्याय के प्रति संगठित विरोध की यह शुरूआत थी, बडौदा में आकर वल्लभभाई ने गुजराती विषय लिया,यहां छोटे लाल गुजराती पढ़ाते थे,मगर वे संस्कृत के प्रति अधिक समर्पत थे,

हालांकि संस्कृत नं पढ़ने वाले विधार्थियों को छोटे लाल कतई पसंद नहीं करते थे, पटेल जी ने भी संस्कृत नहीं ली थी अतः वे उनसे नाराज रहने लगे थे।

वल्लभभाई का अडिग व्यक्तित्व गलत बातों को कभी भी स्वीकार नहीं कर सका, अल्प समय बाद ही एक अन्य अध्यापक से उनका विवाद हो गया अतः, पटेल को स्कूल से निकाल दिया गया, पटेल पुन नाडियाद आ गए, सत्य पर अडिग रहने तथा अन्याय का हर हाल में विरोध करने की उनकी बचपन की प्रवृत्ति ही भविष्य में हिंदुस्तान को एकजुट करने का पूर्वाभ्यास सिद्व हुई। वैसे भी सरदार वल्लभभाई पटेल का कहना था कि एकता के बिना जनशकित तब तक एक ताकत नहीं बन सकती ,जब तक उसे एकजुट कर सामंजस्य में न लाया जाये, तब यह एक आध्यात्मिक शक्ति बन जाती है, पटेल जी के व्यक्तित्व में दब्बूपन व दूसरों पर आश्रित रहने के भाव का समावेश कभी नहीं था,वे सदैव स्वतंत्र भाव से नैतिकता की रक्षा करते रहे, अपनी कबलियत, व्यवहार, वाक चातुर्य पर उन्हें पूरा भरोसा था, अपने इन्हीं गुणों के कारण गोधरा में वकालत करते वक्त ही उन्होंने खूब ख्याल अजिर्त कि वह हत्या जैसे संगीन मामलों में भी अपने तर्कों से सदैव प्रभावी बने रहते तथा लगभग प्रत्येक मामले में जीतते थे ।

जुलाई 1917 में बल्लभ भाई गुजरात क्लब के सेक्रेटरी चुने गए इन दिनों गांधीजी बिहार के चंपारण जिले में नील की खेती के अंग्रेज ठेकेदारों और जमीदारों द्वारा शोषित कृषकों के लिए गांव-गांव घूमकर उनके अधिकारों के लिए लड़ रहे थे ,उनके इस कार्य का देशव्यापी प्रभाव पड़ रहा था, गांधी जी ने मोतिहारी में चंपारण के चले जाने संबंधी मजिस्ट्रेट का आदेश मानने से दो टूक शब्दों में मना कर दिया और अपना काम जारी रखा, उन पर मुकदमा चला और इस मुकदमे में गांधीजी के बयान से देश भर में हड़कंप मच गया।

वल्लभ भाई व उनके मित्रों ने यह बयान समाचार पत्र में पढ़ा तथा गांधी जी के साहस से काफी प्रभावित हुए, इस घटना के पश्चात गांधीजी के प्रति वल्लभभाई के जहन में आदर भाव बढ़ा, जो उनके भावी राजनीतिक जीवन का सूत्रधार सिद्ध हुआ, वल्लभभाई 19 15 से ही गुजरात सभा के सदस्य थे,इस सभा ने सन 1917 में गोधरा में गांधी जी की अध्यक्षता में एक सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें अनेक कद्दावर नेता सम्मिलित हुए तथा प्रायः सभी ने हिंदी व गुजराती में भाषण दिया, यहां तक कि जिन्ना ने भी गुजराती में भाषण दिया, इस सम्मेलन में किसी ने भी अंग्रेजी में भाषण नहीं दिया,साथ ही ब्रिटिश ताज के प्रति वफादारी का प्रस्ताव पारित किया जाना समाप्त करवाया गया तथा इसे अनावश्यक करार दिया गया, अंग्रेजों और अंग्रेजी शासन का ऐसा विरोध पहली मर्तबा हुआ था ,इस बीच एक कार्यसमिति का गठन किया गया, जो परिषद का अधिवेशन होने तक कार्य करती रही।

इस समिति के गांधी जी स्वयं अध्यक्ष रहे तथा वल्लभभाई को मंत्री नियुक्त किया गया और इसका कार्यालय अहमदाबाद में रखा गया, अब तक देश में होम रुल की स्थापना हो चुकी थीऔर सारे देश में बेगार विरोधी आंदोलन गति पकड़ रहा था, परिषद का मंत्री होने के कारण उक्त कार्यक्रम को सफल करने का दायित्व वल्लभभाई पर ही था, वल्लभभाई ने अत्यंत ही उत्साह से कार्य प्रारंभ किया तथा कमिश्नर के साथ पत्र व्यवहार किया, शुरूआत में तो कमिश्नर ने न नुकुर की मगर वल्लभभाई ने सात दिन तक का नोटिस देकर स्पष्ट कर दिया कि यदि निर्धारित समय सीमा में उत्तर न दिया, तो वे हाईकोर्ट के निर्णय के आधार पर बेगार प्रथा को गैर कानूनी ठहराकर लोगों को बेगार देना बंद करने की सूचना दे देंगे, हालांकि कमिश्नर ने नोटिस की समयावधि समाप्त होने से पूर्व ही वल्लभभाई को बुलाकर सारी स्थिति स्पष्ट कर पटेल की अभिलाषा के अनुसार निर्णय दे दिया, गांधी जी वल्लभभाई की इस उपलब्धि से काफी खुश हुए,इस घटनाक्रम से गांधी जी के साथ उनका संपर्क बढ़ा और पटेल उनके विश्वासपात्र सहयोगी बन गये, पटेल की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण उन्होंने वकालत करनी शुरू कर दी,महज तीन वर्षों में वकालत से इतनी धन राशि अजिर्त कर ली कि वह आसानी से विदेश जाकर वकालत का अध्ययन कर सकते थे, अतः उन्होंने 1905मे में टामस कुक एंड कंपनी के साथ पत्र व्यवहार किया तथा विदेश यात्रा के लिए टिकिट आदि का प्रबंध किया , इस बीच दुर्भाग्य से टामस कुक एंड कंपनी का पत्र बल्लभ भाई के बड़े भाई विट्ठल के हाथ लग गया,पत्र का मजूम पढ़ते ही उनके जहन में विदेश जाकर बैरिस्टरी पास करने की इच्छा जागृत हो गई, काफी संकोच के पश्चात उन्होंने वल्लभभाई से कहा कि मैं तुमसे बड़ा हूं, इसलिए मुझे बैरिस्टरी के लिए विदेश जाने दो , मेरे लौटकर आने के पश्चात तुम चले जाना, तुम्हें तो बाद में भी मौका मिल जाएगा, लेकिन तुम अभी चले गए तो मुझे जाने का मौका नहीं मिलेगा,मान मयार्दा के प्रति समर्पित भाव रखने वाले वल्लभ भाई ने बड़े भाई कि आज्ञा का पालन किया और उन्हें विदेश भेज दिया।

वल्लभभाई मे परिस्थितियों को अनुकूल बना लेने की अद्भुत क्षमता थी उन्हें विदेश, जाना था इसके लिए उन्होंने इंतजार किया, विट्ठल भाई के विदेश से लौटने के पश्चात अगस्त 1910 में वल्लभभाई विदेश जाने के लिए जहाज मैं सवार हो गए ,वहां पहुंचकर वैरिसटरी ?की पढ़ाई के लिए उन्होंने मिडिल टेंपल में दाखिल लिया, यह रोमन ला की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की, इतना ही नही बैरिस्टरी की परीक्षा में भी उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया,व उस साल का पुरस्कार वल्लभभाई तथा डेविस के मध्य में बाटा गया, बल्लभ भाई ने अपनी अंतिम परीक्षा जून 1912मे उत्तीर्ण की, जिसमें उन्हें प्रथम स्थान प्राप्त हुआ , उन्हें 50 पौंड का नकद पुरस्कार मिला लौह पुरुष के नाम से ख्याति प्राप्त करने वाले सरदार वल्लभभाई पटेल सदैव से ही धैर्यवान व आत्मसंयमी रहे हैं,बड़ी से बड़ी कठिनाई को भी हंसते हुए सहन कर लेना उनके व्यक्तित्व का अंग बन गया था, बल्लभ भाई की पत्नी झवेर बाद अस्वस्थ चल रही थी तथा जिस जगह वे वकालत करते थे, वहां स्वास्थ्य लाभ की उचित व्यवस्था न होने पर उन्हें भी मुंबई भेज दिया गया, इनके साथ मणिबेन व डाहया भाई भी मुंबई आ गए, लेकिन उनका उपचार करने वाले डॉक्टर ने बताया कि 15-20 दिन बाद दवाई से स्थिति सुधारने पर ही अंतड़ियों का आपरेशन होगा,यह सुनकर वल्लभभाई वापस लौट गए, तथा आपरेशन के समय बुलवा लेने के लिए कह गए,वे मुकदमे की पैरवी के लिए आनंद चले गए, इसी दौरान जरूरी होने पर डॉक्टर ने झबेर बा का आपरेशन कर दिया, आपरेशन की सूचना बल्लभ भाई पटेल को नहीं दी गई , आपरेशन सफल रहने पर तार से सूचना भेज दी गई, दुर्भाग्य से सूचना भेजने के दूसरे ही दिन झवेर बा की हालत बिगड़ गई और वे चल बसी,झबेर बा के निधन का समाचार जिस वक्त वल्लभभाई को प्राप्त हुआ उस वक्त वे एक हत्या के मुकदमे की पैरवी कर रहे थे,जो कि अत्यधिक संगीन मामला था तथा जरा सी भी चूक जीवन मरण का प्रश्न पैदा कर सकती थी, पटेल केलिए यह अप्रत्याशित व दुःखद क्षण था, किन्तु साथ ही वे धर्मसंकट में भी उलझ गए कि क्या करें,एक तरफ हत्या का संगीन मुकदमा, जिसमे महत्वपूर्ण गवाह से जिरह की जा रही थी, जिसमें कोताही बरतने पर उसे फांसी की सजा भी हो सकती थी,दूसरी और पत्नी के अंतिम दर्शन का प्रश्न था।

## संपादकीय

### पर्यावरण या प्रदूषण की चिंता नहीं

जिस दौर में सरकारों की मेधा पर्यावरण संरक्षण कानूनों को इस तरह तोड?- मरोड? में लगी हो, जिससे ये प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन में आड़े ना आएं, उनसे किसी प्रकार के हल की उम्मीद रखना बेबुनियाद ही है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र पर छाये स्मॉग से जल्द राहत मिलने की संभावना नजर नहीं आती। इसका खतरनाक प्रभाव यहां के बाशिंदों पर हो रहा है। खुद भारत सरकार ने कहा है कि अस्पतालों में सांस संबंधी मरीजों की संख्या बढ़ रही है, जिनका सीधा संबंध प्रदूषित हवा से है। स्वास्थ्य राज्यमंत्री विक्रमजीत एस. साहनी ने राज्यसभा में बताया कि 2022 से 2024 तक सांस संबंधी दो लाख मरीजों को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। बाल रोग विशेषज्ञों के हवाले से छपी एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि जहरीली हवा के दुष्प्रभाव से त्वचा रोग के मामले बढ़े हैं। खासकर इसका शिकार बच्चे हो रहे हैं।

बुजुर्गों के लिए बाहर निकलना कितना जोखिम भरा हो गया है, सोशल मीडिया ऐसी चचाओं से भरा-पड़ा है। मगर इतना गंभीर हाल होने के बावजूद हुक्मरान बेफ्रिक्र बने हुए हैं। जब कभी सूरत बेहद बिगड़ जाती है, तो वे पंजाब में पराली जलने की चर्चा कर अपने कर्त्तव्य से मुक्त हो जाते हैं! ये दलील बेतुकेपन की इस हद तक पहुंच चुकी है कि सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने अधिकारियों को ऐसा बहाना ना बनाने की सलाह दी। उचित ही उन्होंने कहा कि प्रदूषित हवा की वजहें ढांचागत रूप ले चुकी हैं। समाधान उनका ढूंढा जाना चाहिए। मगर जिस दौर में सरकारों की मेधा पर्यावरण संरक्षण कानूनों को इस तरह तोड?- मरोड? में लगी हो, जिससे प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन की गुंजाइश मिल जाए, उनसे ऐसे हल की उम्मीद रखना बेबुनियाद ही है।

हाल में अरावली पहाडि?ों में खनन के बारे में जैसे दिशा-निर्देश तैयार किए गए हैं, उनसे साफ है कि सत्ताधारी नेताओं को पर्यावरण या प्रदूषण की तनिक भी चिंता नहीं है। अभी कुछ वर्ष पहले तक इस सीजन में स्मॉग छाने पर ऑड- इवन जैसे परिवहन नियमों पर बात होती थी। उससे कम-से-कम यह तो जरूर होता था कि लोगों में जागरूकता आती थी। लेकिन अब वैसी भी कोई फिक्र नजर नहीं आती। अब तो बस ये कोशिश है कि जब तक ये सीजन निकल नहीं जाता, सूरत पर जितना संभव है परदा डाले रखा जाए!

## चिंतन-मनन

### बाहरी विकार

एक व्यक्ति संन्यासी के पास पहुंचा और बोला, बाबाजी! मुझे परमात्मा से मिला दो। संन्यासी ने बात टालनी चाही। लेकिन वह अपनी बात पर अड़ा रहा। संन्यासी ने उसकी भावना परखने की दृष्टि से कहा, भगवान से मिलना है तो कल आना होगा। दूसरे दिन फिर यही उत्तर मिला। लेकिन वह निराश नहीं हुआ, निरन्तर आता रहा। संन्यासी ने देखा,इसे शब्दों से समझाना कठिन है। आखिर उसे एक युक्ति सूझी। कहा, परमात्मा से मिलने के लिए तो ऊपर चढ़ना होगा। उसने स्वीकृति दे दी। संन्यासी ने उसके सिर पर पांच बड़े-बड़े पत्थर रखे और पहाड़ की चढ़ाई पर चढ़ने के लिए कहा। दो चार कदम चला होगा कि उसकी सांस फूलने लगी और वह वहीं रूक गया।

संन्यासी बोले, यहां बैठने से भगवान नहीं मिलेंगे। वह साहस बटोरकर चला, लेकिन असफल रहा। संन्यासी ने उसके सिर पर से एक पत्थर उतार दिया। वह कुछ दूर चला फिर रूक गया। चलते-चलते पांचों पत्थर नीचे गिरा दिए गए। वह पहाड़ की चोटी पर पहुंच गया।

संन्यासी बोला- समझे या नहीं।

उसने उत्तर दिया- मैं कुछ नहीं समझा। आप समझा दीजिए।

संन्यासी- जब तक तुम्हारे सिर पर पत्थर थे, तुम चल नहीं सके और हल्के होकर चोटी तक पहुंच गए। इन बाहरी पत्थरों में भी इतनी शक्ति है तो हमारे भीतर काम, प्रोध, मद, लोभ और भय रूप जो पांच बड़े-बड़े पत्थर हैं, उनको उतारे बिना भगवान तक कैसे पहुंचोगे? इसलिए इन पाषाणों से हल्का बनने के लिए साधुओं का सान्निध्य पाना आवश्यक है।

# जरूरी है ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता

योगेश कुमार गोयल

ऊर्जा मंत्रालय के अधीनस्थ ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा ऊर्जा दक्षता तथा संरक्षण में भारत की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिवर्ष 14 दिसम्बर को ह्यराष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवसह्न का आयोजन किया जाता है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा वर्ष 2001 में देश में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था। दरअसल दुनियाभर में पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या तेजी से बढ़ी है और उसी के अनुरूप ऊर्जा की खपत भी निरन्तर बढ़ रही है लेकिन दूसरी ओर जिस तेजी से ऊर्जा की मांग बढ़ रही है, उससे भविष्य में परम्परागत ऊर्जा संसाधनों के नष्ट होने की आशंका बढ़ने लगी है। अगर ऐसा होता है तो मानव सभ्यता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाएगा। यही कारण है कि भविष्य में उपयोग हेतु ऊर्जा के स्त्रोतों को बचाने के लिए विश्वभर में ऊर्जा संरक्षण की ओर विशेष ध्यान देते हुए इसके प्रतिस्थापन के लिए अन्य संसाधनों को विकसित करने की जिम्मेदारी बढ़ गई है। ऊर्जा के अपव्यय को कम करने, ऊर्जा बचाने और इसके संरक्षण के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए ही देश में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। यह दिवस प्रतिवर्ष एक खास विषय के साथ कुछ लक्ष्यों तथा उद्देश्यों को मद्देनजर रखते हुए लोगों के बीच इन्हें अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग को न्यूनतम करते हुए लोगों को मानवता के सुखद भविष्य के लिए ऊर्जा की बचत के लिए प्रेरित करना ही है।

विद्युत मंत्रालय द्वारा देश में ऊर्जा संरक्षण की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू किया गया ह्यराष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियानह्न एक राष्ट्रीय जागरूकता अभियान है। देश में ऊर्जा संरक्षण तथा कुशलता को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1977 में केन्द्र सरकार द्वारा पैट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन का गठन किया गया था। ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में आम जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2001 में एक अन्य संगठन ह्यऊर्जा दक्षता ब्यूरोह्न स्थापित किया गया। ब्यूरो का कहना है कि प्रत्येक व्यक्ति छोटे-छोटे कदम उठाकर अपने घर अथवा कार्यालय में लाईट, पंखे, हीटर, कूलर, एसी तथा बिजली के अन्य किसी भी उपकरण के अनावश्यक उपयोग पर नियंत्रण करते हुए ऊर्जा की बचत कर सकता है। अपनी पुस्तक ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्न में मैंने विस्तार से उल्लेख किया है कि किस प्रकार छोटे-छोटे स्तर पर ऊर्जा संरक्षण के लिए कदम उठाकर भी प्रत्येक नागरिक देश के राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान में बहुत बड़ी मदद दे सकता है और इस प्रकार बड़ी मात्रा में ऊर्जा संरक्षण किया जा सकता है। अगर ऐसे ही कुछ छोटे उपायों का उल्लेख किया जाए तो पुराने बल्बों के स्थान पर सीएफएल या एलईडी बल्बों का इस्तेमाल किया जाए। आई.एस.आई. चिन्हित विद्युत उपकरणों का ही उपयोग करें। यथासंभव दिन के समय सूर्य की रोशनी का अधिकतम उपयोग किया जाए और जरूरत न होने पर लाइटें, पंखे, कूलर, ए.सी., हीटर, गीजर इत्यादि विद्युत उपकरण बंद रखें। खाना पकाने के लिए बिजली के उपकरणों के बजाय सोलर कुकर और पानी गर्म करने के लिए बिजली के गीजर के बजाय सोलर वाटर हीटर के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। भवन निर्माण के समय प्लाट के चारों ओर वृक्ष लगाए जाएं तो प्रचण्ड गर्मी में भी भवन गर्म होने से बचेंगे और कूलर, एसी इत्यादि की जरूरत कम होगी। मकानों या कार्यालयों में दीवारों पर हल्के रंगों के प्रयोग से कम रोशनी वाले बल्बों से भी कमरे में पर्याप्त रोशनी हो सकती है। इससे न केवल ऊर्जा संरक्षण अभियान में सहभागी बनकर हम भविष्य के लिए ऊर्जा बचाने में मददगार बनेंगे बल्कि अपना बिजली बिल भी सीमित रख सकेंगे।

सार्वजनिक स्थानों पर सौर लाइटों की व्यवस्था होनी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार कार्यस्थल पर दिन के समय प्राकृतिक रोशनी में कार्य करने वाले लोगों की कार्यकुशलता में वृद्धि होती है और ऊर्जा की खपत में अपेक्षित कमी आती है, वहीं तेज कृत्रिम रोशनी वाले स्थानों पर काम करने से कर्मियों में तनाव, सिरदर्द, रक्तचाप, थकान जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं देखी जाती हैं और उनकी कार्यकुशलता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए ऑफिस में यदि पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी का व्यवस्था हो तो इससे ऊर्जा संरक्षण होने के साथ-साथ कर्मचारियों की कार्यक्षमता भी बढ़ती है। प्रतिवर्ष देश में हजारों गैलन पानी बर्बाद होता है, इसलिए ऊर्जा संरक्षण की बात करते समय जल की बबार्दी को रोकने पर पर्याप्त ध्यान दिया जाना भी बेहद जरूरी है। न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतें पूरी करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। ऐसी गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगा लेकिन ऊर्जा के संसाधन गैर-अक्षय हों या अक्षय, हमें अपने जीवन में ऊर्जा के महत्व को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक होना ही होगा। देश के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि ऊर्जा चाहे किसी भी रूप में हो, वह उसे व्यर्थ में नष्ट न करे। अपने और आने वाली पीढ़ियों के सुखद भविष्य के लिए हमें अपने व्यवहार में ऊर्जा संरक्षण की आदतों को शामिल करना ही होगा।

# पाक में हिन्दू-सिख अल्पसंख्यकों की चिन्ताजनक तस्वीर

ललित गर्ग

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के हालात पर उठती चिंताएँ कोई नई बात नहीं हैं, पाक में हिन्दू-सिख अल्पसंख्यकों पर किस कदर अत्याचार हो रहे हैं और यह समस्या दिन-ब-दिन गहरी होती गयी है। लेकिन हाल ही के आधिकारिक आँकड़ों ने एक बार फिर इस सच्चाई को निर्मम रूप से सामने ला दिया है कि वहाँ रहने वाले हिंदू और सिख किस हद तक उत्पीड़न और भय के माहौल में जी रहे हैं। पाकिस्तान की संसदीय अल्पसंख्यक समिति ने स्वयं स्वीकार किया है कि वर्ष 1947 में वहाँ 1817 हिंदू मंदिर और गुरुद्वारे विद्यमान थे, लेकिन आज इनकी संख्या सिमटकर मात्र 37 रह गई है। यानी 1285 हिंदू मंदिर और 532 गुरुद्वारों का या तो अस्तित्व मिटा दिया गया, या उन पर जबरन कब्जा कर लिया गया, अथवा उन्हें जानबूझकर खंडहर में बदल दिया गया। यह आँकड़ा सिर्फ किसी धार्मिक स्थल का नहीं, बल्कि एक सभ्यता, एक संस्कृति और एक समुदाय के आत्मसम्मान व अस्तित्व की धीमी हत्या का प्रमाण है। यह पाक की अमानवीयता एवं संकीर्ण साम्प्रदायिक सोच का त्रासद सोच का प्रमाण है।

आधुनिक संसार में किसी भी राष्ट्र की पहचान केवल उसके आर्थिक विकास, सैन्य ताकत या राजनीतिक स्थिरता से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने नागरिकों-विशेष रूप से अल्पसंख्यकों को कितना सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर देता है। धार्मिक स्वतंत्रता किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी शर्त है, लेकिन पाक में यही बुनियाद डांवाडोल होती दिखाई देती है। मंदिरों और गुरुद्वारों को ध्वस्त करना, उन्हें खंडहर होने के लिए छोड़ देना, या बहुसंख्यकों द्वारा उन पर कब्जा कर लेना महज भौतिक आक्रमण नहीं, बल्कि भारतीय मूल के समुदायों की संस्कृति, उनकी स्मृतियों और उनकी पहचान पर गहरा प्रहार है। यह भारतीयों के प्रति और विशेषतः हिन्दुओं के प्रति पाक के विकृत एवं संकीर्ण दृष्टिकोण का द्योतक भी है। जब एक समुदाय अपने आराधना-स्थलों से वंचित किया जाता है, तो उसका सामाजिक मनोबल टूटता है, सुरक्षा-बोध क्षीण होता है और उनमें विस्थापन की भावना गहरी पैठ बना लेती है। यही कारण है कि पाकिस्तान बनने के समय वहाँ लगभग 15 प्रतिशत हिंदू-सिख आबादी थी, जो आज घटकर 1.6 प्रतिशत से भी कम रह गई है। जबकि भारत में मुस्लिमों की आबादी करीब 2 प्रतिशत से आज 23-24 प्रतिशत हो गयी है।

धार्मिक कट्टरता और असहिष्णुता की इस प्रवृत्ति ने पाक को न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनाम किया है, बल्कि उसकी आंतरिक सामाजिक संरचना को भी खोखला कर दिया है। प्रश्न यह नहीं कि मंदिर गिराए गए या गुरुद्वारों पर कब्जा हुआ, बल्कि यह कि ऐसा करने की मानसिकता क्यों पनपती रही और राज्य की संस्थाएँ इस विनाश को रोकने में क्यों असमर्थ या अनिच्छुक बनी रहीं? जिस समय विश्व के अनेक मुस्लिम देश धर्मनिरपेक्षता और सांस्कृतिक सह-अस्तित्व की ओर बढ़ रहे हैं, पाकिस्तान लगातार अपने भीतर कट्टरता, कटुता और धार्मिक बहिष्कार की आग को पोषित करता रहा है। संयुक्त अरब अमीरात में भव्य स्वामीनारायण मंदिर से लेकर सऊदी अरब में भारतीय कर्मचारियों के लिए पूजा स्थल की व्यवस्था तक-यह उदाहरण बताते हैं कि इस्लामिक देशों में भी आधुनिकता और धार्मिक सहिष्णुता का समन्वय संभव है। ओमान, बहरीन, कुवैत, कतर और इंडोनेशिया जैसे देशों में मंदिरों और अन्य अल्पसंख्यक धार्मिक स्थलों का संरक्षण न केवल वहाँ के उदार वातावरण को दशार्ता है, बल्कि यह भी कि वे समझते हैं कि विविधता ही प्रगति का असली आधार है। इंडोनेशिया में सैकड़ों हिंदू-बौद्ध मंदिर संरक्षित हैं। यही कारण है कि हिंदू प्रोफेशनल्स और भारतीय पर्यटक इन देशों की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बने हुए हैं। इसके ठीक विपरीत पाकिस्तान की उल्टी सोच ने उसे बर्बाद कर दिया है। इसके उलट पाकिस्तान की सोच न केवल प्रतिगामी है, बल्कि आत्मविनाश की ओर ले जाने वाली भी है। धार्मिक स्थलों का विनाश केवल अतीत का मामला नहीं; आज भी कई स्थानों पर हिंदू और सिख परिवार सामाजिक दबाव, जबरन धर्मांतरण, अपहरण और उत्पीड़न जैसी समस्याओं से जूझते रहते हैं। मंदिरों पर हमला सिर्फ पत्थरों की दीवारें गिराने भर की घटना नहीं, यह उन लोगों की आस्था और अस्तित्व पर चोट है जो पीढ़ियों से इस भूमि का हिस्सा रहे हैं। ये वे लोग हैं, जिन्होंने विभाजन के घावों के बावजूद अपनी मिट्टी, अपनी स्मृतियों और अपने इतिहास से नाता नहीं तोड़ा, परंतु बदले में उन्हें जो मिला वह भय, अपमान और अविश्वास का माहौल है। पाकिस्तान की समस्या सिर्फ कट्टरपंथ की नहीं, बल्कि उस संरचनात्मक असमानता की भी है जिसे राज्य ने वर्षों तक प्रश्रय दिया है। यदि शासन-व्यवस्था अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों की रक्षा नहीं कर सकती, यदि पुलिस और प्रशासन अत्याचारों पर कार्रवाई नहीं करते, यदि न्यायपालिका पीड़ितों की सुनवाई नहीं करती, तो स्पष्ट है कि राष्ट्र अपनी आत्मा खो चुका है। दुनिया के किसी भी देश की प्रगति का मापक यह नहीं कि उसकी जीडीपी कितनी है, बल्कि यह कि उसके सबसे कमजोर नागरिक कितने सुरक्षित हैं। आज पाकिस्तान की छवि एक ऐसे राष्ट्र की बन चुकी है, जहाँ अल्पसंख्यकों के जीवन, आस्था और अस्तित्व को निरंतर खतरा है। पाकिस्तान की सरकारें वर्षों से जिस कट्टरवादी सोच और भारत-विरोधी नजरिए को अपना आधार बनाती रही हैं, वह न केवल विश्व समुदाय में उसकी छवि को गिरा रहा है, बल्कि स्वयं पाकिस्तान को भी विनाश के कगार पर पहुँचा चुका है। आतंकवाद को रणनीतिक औजार बनाकर और सैन्य खर्चों को अनियंत्रित रूप से बढ़ाकर उसने अपने ही देश की आर्थिक रीढ़ तोड़ दी है। दुनिया जब भारत की धरती से गूंजे 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के मंत्र को अपनाकर सहयोग, शांति तथा वैश्विक भाईचारे की दिशा में आगे बढ़ रही है, तब पाकिस्तान कट्टरवाद की राजनीति को सहारा देकर मानवता को विभाजित करने में जुटा हुआ है। भारत के प्रति उसकी शत्रुतापूर्ण मानसिकता, सीमापार आतंकवाद का समर्थन और विश्व बिरादरी में हानिकारक कदम आज विश्व शांति के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुके हैं। ऐसी नासमझ नीतियों ने पाकिस्तान को विकास, स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय विश्वास-तीनों से वंचित कर दिया है।

## संक्षिप्त समाचार

### युद्ध के बाद अब गाजा में तूफान ने मचाई तबाही, ठंड से मर रहे बच्चे, बाढ़ ने छीन लिया आशियाना

**गाजा, एजेंसी।** युद्ध की भयंकर विभीषिका झेलने के बाद अब गाजा एक बड़े संकट का सामना कर रहा है। बायरन तूफान की वजह से लोग एक बार फिर बेघर हो गए हैं। इजरायली हमले के बाद टेंट और खंडहरों में रहने वाले लोग तूफान के बाद की ठंड बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। तेज बारिश, बाढ़, ठंडी हवाओं और ओलावृष्टि की वजह से लोगों की जान पर बनी हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस तूफान की वजह से अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है जिनमें कई बच्चे शामिल हैं। तूफान की वजह से बडे इलाके में तेज बारिश हुई और टेंट पानी से भर गए ऐसे में लोग सूखी जगह की तलाश में टेंट छोड़ने को मजबूर हो गए। वहीं ठंड उनका पीछा नहीं छोड़ रही है। वहीं इजरायल की पाबंदियों की वजह से गाजा में जरूरत के सामान की भी आपूर्ति नहीं हो पा रही है। गाजा की सिविल डिफेंस एजेंसी ने कहा कि ठंड की वजह से कम से कम तीन बच्चों की मौत हो गई। अल शिफा अस्पताल ने मौतों की पुष्टि करते हुए कहा है कि अल मसरी की उम्र 9 साल थी और अल ख्वाजा केवल कुछ महीनों का ही था। वहीं नासर अस्पताल ने बताया कि 8 महीने के अब जहर की जान ठंड की वजह से चली गई। वहीं उत्तरी गाजा में एक दीवार गिरने की वजह से 6 लोगों की जान चली गई थी। बता दें कि बायरन मध्य भूमध्य सागर से पैदा हुआ एक तूफान है। यह तूफान गर्म हवाओं और नमी की वजह से बना है। इस तूफान ने इजरायल, लेबनान और तटीय इलाकों में असर दिखाया है। इसकी वजह से भारी बारिश और बर्फबारी के हालात बन गए हैं।

### पायलट ने हवा में विमान को बंद करने की कोशिश की, इमरजेंसी लैंडिंग

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका की अलास्का एयरलाइंस के विमान एम्ब्रेयर ई75 रीजनल जेट में हुई एक घटना के मामले में पायलट को सजा सुनाई गई है। नींद की कमी से जूझ रहे एक पायलट पर आरोप है कि उसने मैजिक मशरूम के नशे में धुत होकर विमान को गिराने की कोशिश की। सिएटल से सैन फ्रांसिस्को जा रहे इस विमान में 83 पैसेंजर और अन्य क्रू मैंबर बैठे हुए थे। दिलचस्प बात यह है कि जिस पायलट ने यह हरकत की, वह विमान को उड़ा नहीं रहा था, बल्कि जंप सीट पर बैठकर यात्रा कर रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक 2023 में हुई इस घटना में जोसेफ एमर्सन नामक पायलट कॉकपिट की जंप सीट पर बैठा हुआ था। अचानक से उसने ऊपर की तरफ लगे दो शट-ऑफ हैंडल को खींचने की कोशिश की। इन हैंडल का उपयोग आग लगने की स्थिति में इंजन को बंद करने के लिए किया जाता है। इस घटना से जुड़ा हुआ एक ऑडियो भी सामने आया है। इसमें दूसरा पायलट जोसेफ को रोकते हुए और गालियां देते सुना जा सकता है। जोसेफ को रोकने के बाद वह हांफते हुए एयर ट्रैफिक कंट्रोलर से इमरजैंसी लैंडिंग की अनुमति मांगता है। इसके बाद लैंडिंग होती है और एमर्सन को गिरफ्तार कर लिया जाता है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, जब पूछा गया कि आखिर एक ऑफ ड्यूटी पायलट कॉकपिट में क्या कर रहा था, इसका जवाब देते हुए एयरलाइन ने बताया कि फ्लाइट पूरी तरह से भरी हुई थी, इसलिए एमर्सन को जंप सीट पर बैठाया गया था। एमर्सन से जब इस बारे में बात की गई तो उसने बताया कि वह दो दिन पहले खाए मैजिक मशरूम के नशे में था। उसने कहा, 'मुझे लगा कि मैं कहीं फंसा हुआ हूं। अब मैं अपने घर नहीं जा पाऊंगा। मुझे लगा कि अगर मैं इसे खींच देता हूं तो मैं जाग जाऊंगा। लेकिन इससे मैं जागा नहीं। मैं असल में हकीकत में ही था। अब मुझे समझ रहा है कि वह मेरी जिंदगी के सबसे निर्णायक तीन सेकेंड थे।' गौरलतब है कि एमर्सन ने क्रू के काम में बाधा डालने के आरोप को स्वीकार कर लिया है। दोष स्वीकार करने के बदले उसे जेल में बिताए 46 दिन की सजा को मानते हुए रिहा कर दिया गया है।

### ट्रंप के संघर्ष रोकने का दावा फेल, थाई सेना ने सीमा पर फिर बरसाए बम, इमारतें-पुल तबाह

**बैंकॉक, एजेंसी।** थाईलैंड और कंबोडिया के बीज जारी सीमा संघर्ष में आयदिन नए-नए मोड़ सामने सामने आ रहे है। एक तरफ जहां बीते दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि वो एक फोन पर ये संघर्ष रुकवा देंगे। वहीं दूसरी ओर ताजा अपडेट ये है कि थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा पर हमले और तेज होते नजर आ रहे हैं। आज यानी शनिवार को भी थाईलैंड की सेना ने कंबोडिया सीमा के पास हवाई हमला किया। जानकारी के मुताबिक, थाई वायुसेना ने दो एफ-16 लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल करते हुए कई ठिकानों पर बम गिराए। मीडिया रिपोर्टस की माने तो स्थानीय समयानुसार शनिवार की सुबह 5 :50 बजे, थाई सेना ने कंबोडिया के पश्चिमी प्रांत बट्टमबोंग के त्मोर दा शहर के एक होटल की इमारत को निशाना बनाकर एक बम गिराया। इसके पांच मिनट बाद, 5 :55 बजे उसी इलाके में एक और होटल इमारत पर बमबारी की गई।

# ट्रम्प के गोल्ड कार्ड के खिलाफ 20 राज्यों का मुकदमा

## कहा- डॉक्टरों-शिक्षकों की कमी बढ़ेगी, वीजा के लिए 9 करोड़ रुपए फीस वसूल रहा अमेरिका

**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिकी प्रशासन ने ट्रम्प गोल्ड कार्ड वीजा के आवेदनों पर 1 मिलियन डॉलर (करीब 9 करोड़ रुपए) की फीस लगा दी है। इस फैसले के खिलाफ कैलिफोर्निया के नेतृत्व में कुल 20 अमेरिकी राज्यों ने कोर्ट में मुकदमा दायर कर दिया है। इन राज्यों का कहना है कि यह फीस पूरी तरह गैर-कानूनी है और इससे अस्पतालों, स्कूलों, यूनिवर्सिटी और सरकारी सेवाओं में पहले से चल रही डॉक्टरों-शिक्षकों की कमी और गंभीर हो जाएगी। कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोंटा ने कहा, 'ये वीजा डॉक्टर, नर्स, इंजीनियर, वैज्ञानिक और शिक्षक जैसे उच्च कुशल प्रोफेशनल्स के लिए होता है। दुनियाभर का टैलेंट जब अमेरिका आता है तो पूरा देश आगे बढ़ता है। कैलिफोर्निया के साथ न्यूयॉर्क, इलिनॉय, वॉशिंगटन, मैसाचुसेट्स समेत 20 बड़े राज्य इस मुकदमे में शामिल हैं।

**राज्य बोले- संसद की मंजूरी के बिना फीस बढ़ाना गलत :** राज्यों का तर्क है कि पहले H-1बी वीजा की फीस 1,000 से 7,500 डॉलर (1 से 6 लाख रुपए) के बीच होती थी, लेकिन संसद की मंजूरी के बिना अचानक फीस बढ़ा देना अवैध है। साथ ही यह फीस वीजा प्रोसेसिंग की वास्तविक लागत से सैकड़ों गुना ज्यादा है। उन्होंने इसे प्रशासनिक प्रक्रिया अधिनियमका उल्लंघन बताया। क्योंकि बिना नोटिस और पब्लिक कमेंट के इतना बड़ा नियम नहीं बनाया जा सकता।

**अमेरिका के 75% डिस्ट्रिक्ट स्कूलों में टीचर्स की कमी :** राज्यों का कहना है कि इसका सबसे बड़ा असर सरकारी और गैर-लाभकारी संस्थानों पर पड़ेगा। स्कूल, यूनिवर्सिटी और अस्पताल को वीजा में छूट मिलता था, लेकिन अब एक-एक विदेशी टीचर या डॉक्टर लाने में 9 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इससे ये संस्थान या तो सेवाएं घटाएंगे या दूसरी जरूरी योजनाओं से पैसा काटेंगे। अमेरिकी शिक्षा विभाग की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल अमेरिका के लगभग 75% डिस्ट्रिक्ट स्कूल को शिक्षक नहीं मिल पा रहे। खासकर स्पेशल एजुकेशन, साइंस और बाइलिंगुअल शिक्षकों की भारी कमी है। वहीं स्वास्थ्य क्षेत्र में 2024 में करीब 17,000 वीजा डॉक्टरों-नर्सों को दिए गए थे। साल 2036 तक अमेरिका में 86,000 डॉक्टरों की कमी होने का अनुमान है, जो ग्रामीण और गरीब इलाकों में पहले से ही गंभीर है।

व्हाइट हाउस बोला- नया वीजा नियम अमेरिकियों की भलाई के लिए है अमेरिकी सरकार वीजा में फीस बढ़ोतरी को जायज बताती रही है। व्हाइट हाउस का कहना है कि यह कदम वीजा प्रोग्राम के दुरुपयोग को रोकेगा। इसका साथ ही अमेरिकी नागरिकों के वेतन और नौकरियों की रक्षा करेगा। इसके उलट आलोचकों का कहना है कि इससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा। भारत जैसे देशों से आने वाले 70% से ज्यादा प्रोफेशनल्स पर इसका असर पड़ेगा। एक्सपर्ट्स के मुताबिक प्रोफेशनल अब कनाडा, ऑस्ट्रेलिया या यूरोप जैसे देशों की ओर जा सकते हैं।

इसके साथ ही ट्रम्प प्रशासन वीजा आवेदकों के सोशल मीडिया के पिछले 5 साल का रिकॉर्ड मांग रहा है। इससे जांच और सख्त हो जाएगा। कुल मिलाकर कुशल विदेशी कर्मचारियों के लिए अमेरिका जाना अब पहले से कहीं ज्यादा महंगा और मुश्किल होने वाला है।

**ट्रम्प ने गोल्ड कार्ड के अप्लाई प्रोसेस शुरू की :** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को 'ट्रम्प गोल्ड कार्ड' के लिए अप्लाई प्रोसेस शुरू करने का ऐलान किया था। कार्ड की कीमत 1 मिलियन डॉलर (करीब 9 करोड़ रुपए) है। हालांकि कंपनियों को कार्ड के लिए 2 मिलियन डॉलर देना होगा। ट्रम्प ने इसी साल फरवरी में 'गोल्ड कार्ड' वीजा प्रोग्राम शुरू करने का ऐलान किया था। हालांकि उस वक्त उन्होंने इसकी कीमत 5 मिलियन डॉलर (45 करोड़ रुपए) रखी थी। सितंबर में इसे घटाकर 1 मिलियन डॉलर किया गया। ट्रम्प का कहना है कि यह अमेरिका फर्स्ट एजेंडे का हिस्सा है, जो टॉप टैलेंट (जैसे भारत-चीन से पढ़े स्टूडेंट्स) को रोकने और कंपनियों को अमेरिका लाने के लिए है। होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने कहा, 'यह दुनिया के सफल उद्यमियों को आकर्षित करेगा।' वहीं ट्रम्प का प्लेटिनम कार्ड भी जल्द शुरू होने की उम्मीद है। इसकी फीस करीब 5 मिलियन डॉलर (लगभग 45 करोड़ रुपए) है।

**ट्रम्प बोले- सिर्फ टैलेंटेड लोगों को वीजा देंगे :** गोल्ड कार्ड की अनलिमिटेड रेसीडेंसी में नागरिकों को सिर्फ पासपोर्ट और वोट देने का अधिकार नहीं मिलता, बाकी सारी सुविधाएं एक अमेरिकी नागरिक के जैसी मिलती हैं। यह प्रक्रिया उसी तरह होगी, जैसे ग्रीन कार्ड के जरिए स्थायी निवास मिलता है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि यह वीजा प्रोग्राम खास तौर पर धनी विदेशियों के लिए है, ताकि वे 1 मिलियन डॉलर देकर अमेरिका में रहते हुए काम कर सकें। उन्होंने कहा कि अब अमेरिका सिर्फ टैलेंटेड लोगों को ही वीजा देगा, न कि ऐसे लोगों को जो अमेरिकियों की नौकरियां छीन सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस रकम का इस्तेमाल टैक्स को घटाने और सरकारी कर्ज चुकाने में किया जाएगा। ट्रम्प ने गोल्ड कार्ड के अलावा 3 नए तरह के वीजा कार्ड भी लॉन्च किए थे।

# दक्षिण अफ्रीका में निर्माणाधीन मंदिर गिरने से दो लोगों की मौत, मलबे में कई लोग फंसे

**डरबन, एजेंसी।** दक्षिण अफ्रीका के डरबन के उत्तर में स्थित रेडक्लिफ इलाके में शुक्रवार दोपहर को चार मंजिला मंदिर गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। मलबे में कई लोग दबे हैं, जिन्हें बचाने के लिए अभियान चल रहा है। मुश्किल हालात के बीच, मलबे में सावधानी से ड्रिल करके जिंदा लोगों को ढूंढने की कोशिश हो रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक मजदूर की हादसे में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कंक्रीट का एक ढांचा मंदिर पर डाला जा रहा, जिससे पूरा ढांचा गिर गया और पूरी साइट गिर गई।

**मलबे में कई लोग फंसे :** मलबे में कितने लोग फंसे हुए हैं, यह जानकारी नहीं मिल सकी है। बचावकर्मी लोगों को बचाने में जुटे हैं। इस बीच, एक 54 साल के व्यक्ति, जो अपने परिवार के साथ मंदिर आए थे, घटना के बारे में सुनने के बाद उन्हें जोरदार कार्डियक अरेस्ट आया, जिससे उनकी मौत हो गई। ईथेक्विनी (पहले डरबन) की नगर पालिका ने कहा कि मंदिर बनाने के लिए किसी बिल्डिंग प्लान को मंजूरी नहीं दी गई है और इसका निर्माण गैर-कानूनी तरीके से हो रहा था।

**दो साल पहले शुरू हुआ था मंदिर का निर्माण :** अहोबिलम टेम्पल ऑफ प्रोटेक्शन के नाम से मशहूर, इस मंदिर को एक गुफा जैसा बनाया जा रहा था, जिसमें भारत से लाए गए पत्थरों और उस जगह से खोदे गए पत्थरों का इस्तेमाल किया जा रहा था। इन पत्थरों को पहली मंजिल पर प्लास्टर किया जा रहा था। मंदिर बनाने वाले परिवार ने कहा कि निर्माण का काम लगभग दो साल पहले शुरू हुआ था और पूरा होने के बाद, इसमें दुनिया की सबसे बड़ी भगवान नरसिंहदेव की मूर्ति होगी।

# नेपाल में वर्दी में वीडियो बनाने पर पुलिसवालों पर कार्रवाई, लगातार की जा रही निगरानी

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल में आर्म्ड पुलिस फोर्स की वर्दी पहनकर टिकटॉक और रील वीडियो बनाने के आरोप में 212 सशस्त्र पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की गई है। सशस्त्र पुलिस बल मुख्यालय के प्रवक्ता मनीष थापा ने बताया कि विभिन्न सोशल मीडिया पर वर्दी का प्रयोग कर वीडियो बनाना आचार संहिता के खिलाफ है। इसलिए उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कदम उठाए गए।

**चेतावनी के बाद भी नहीं माने तो लिया गया एक्शन :** पुलिस के अनुसार, दोषी कर्मियों को नसीहत, पदोन्नति रोक, चेतावनी, सतर्क रहने का निर्देश, मौखिक रूप से समझाने जैसे तरीके अजमाए गए हैं। सशस्त्र पुलिस ने कर्मियों की सोशल मीडिया गतिविधियों की निगरानी के लिए मुख्यालय में सोशल मीडिया मॉनिटरिंग डिपार्टमेंट भी स्थापित किया है। स्क्रीनिंग के दौरान नियम उल्लंघन में शामिल पाए गए कर्मियों पर सोशल मीडिया मॉनिटरिंग डिपार्टमेंट की सिफारिश के आधार पर कार्रवाई की गई। कार्की सरकार में 4 और मंत्री नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने शुक्रवार को मंत्रिमंडल में चार नए मंत्रियों को शामिल कर मंत्रिपरिषद में मंत्रियों की संख्या 14 कर दी है। नवनियुक्त मंत्रियों में श्रद्धा श्रेष्ठ, माधव चौलागाई, राजेंद्र सिंह भंडारी और कुमार इंगनाम हैं। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने उन्हें शपथ दिलाई। श्रद्धा श्रेष्ठ को महिला, बाल और वरिष्ठ नागरिक मंत्री, माधव चौलागाई को वन और पर्यावरण मंत्री, राजेंद्र सिंह भंडारी को श्रम-सामाजिक सुरक्षा मंत्री और कुमार इंगनाम को भूमि प्रबंधन, सहकारिता और गरीबी उन्मूलन मंत्रालय का प्रभार दिया गया है।

**खालिदा जिया के बेटे तारीक रहमान 25 दिसंबर को लौटेंगे स्वदेश : ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी प्रमुख खालिदा जिया के बेटे तारीक रहमान 25 दिसंबर को स्वदेश लौटेंगे। बीएनपी ने यह जानकारी उस समय दी है, जब 80 वर्षीय खालिदा जिया की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है। बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने बताया कि पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष तारीक रहमान की वापसी का सभी स्वागत कर रहे हैं। रहमान पिछले 17 वर्षों से लंदन में आत्मनिर्वासन में रह रहे थे।

# बांग्लादेश में शेख हसीना के विरोधी पर हमला: सिर में गोली फंसी

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश में चुनाव होने में 2 महीने ही बचे है, इसी बीच ढाका में शुक्रवार दोपहर को दक्षिणपंथी युवा नेता को गोली मार दी गई। यह हमला ढाका के बिजॉयनगर में बॉक्स कल्वर्ट रोड पर करीब 2:25 बजे हुआ। शेख हसीना की विरोधी इस्लामी संगठन 'इंकलाब मंच' के प्रवक्ता और आगामी चुनाव में स्वतंत्र उम्मीदवार शरीफ उस्मान हादी हमले के समय चुनाव प्रचार कर रहे थे। पुलिस के अनुसार तीन हमलावर मोटरसाइकिल पर आए, गोली चलाकर तुरंत फरार हो गए। हादी को तुरंत ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि गोली उनके सिर में फंसी हुई है और हालत बेहद नाजुक है। उन्हें लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर रखा गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हमले से कुछ घंटे पहले उस्मान हादी ने ग्रेटर बांग्लादेश का एक मैप शेयर किया था, इसमें भारतीय इलाके (7 सिस्टर्स) शामिल थे। इस पोस्ट के बाद, अज्ञात बंदूकधारी ने उन्हें गोली मार दी।

**यूनुस बोले- चुनावी माहौल में ऐसी हिंसा अस्वीकार्य :** इस घटना पर बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने गहरी चिंता जताई है। यूनुस ने चुनावी माहौल में इस तरह की हिंसा पूरी तरह अस्वीकार्य बताया। उन्होंने कहा कि यह देश के शांत राजनीतिक वातावरण के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। यूनुस ने सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द हमलावरों की पहचान कर कड़ी सजा दी जाए।

**नवंबर में हादी को मौत की धमकियां मिली थी :** शरीफ उस्मान हादी एक प्रमुख बांग्लादेशी राजनीतिक कार्यकर्ता, लेखक और दक्षिणपंथी इस्लामी संगठन 'इंकलाब मंच' के प्रवक्ता हैं। नवंबर 2025 में उन्हें फेसबुक पर 30 विदेशी नंबरों से मौत की धमकियां मिली थी। वे जुलाई-अगस्त 2024 के छात्र-नेतृत्व वाले बड़े आंदोलन के बाद उभरे एक प्रभावशाली युवा नेता के रूप में पहचाने जाते हैं। हादी बांग्लादेश की सांस्कृतिक और राजनीतिक क्षेत्रों पर कई किताबें लिख चुके हैं, जो जुलाई प्रदर्शनों से पहले देश की सांस्कृतिक चुनौतियों पर केंद्रित हैं। दिसंबर 2024 में उन्होंने अवामी लीग पर छात्रों की हत्याओं का आरोप लगाया। इसके अलावा, इस्लामिक क्राइम्स ट्रिब्यूनल के शेख हसीना को मौत की सजा देने पर हादी ने इसे एक मिसाल बताया। हादी आगामी संसदीय चुनावों में ढाका-8 निर्वाचन क्षेत्र (मोटीझील, शाहबाग, रामना, पलटन और शाहजहांपुर) से स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके थे।

**इंकलाब मंच ने शेख हसीना की सरकार गिराई थी :** इंकलाब मंच अगस्त 2024 के छात्र आंदोलन के बाद एक संगठन के रूप में उभरा। इसने तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग की सरकार गिरा दिया था। यह संगठन अवामी लीग को आतंकवादी करार देते हुए पूरी तरह खत्म करने और नौजवानों की सुरक्षा की मांग को लेकर सक्रिय रहा। यह संगठन राष्ट्रीय स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा पर जोर देता है।

# पाकिस्तान में पहली बार संस्कृत, गीता पढ़ेंगे बच्चे, पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने की तैयारी

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान में पहली बार बच्चे संस्कृत पढ़ेंगे और हिंदू धर्म ग्रंथ गीता का अध्ययन करेंगे। दरअसल लाहौर प्रबंधन विज्ञान विश्वविद्यालय (एलयूएमएस) ने पहली बार संस्कृत को अपने पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है। आजादी के 77 साल बाद यह कदम पाकिस्तान में शैक्षिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा। संस्कृत कोर्स की शुरुआत एक साप्ताहिक कार्यशाला से हुई थी, जो अब कोर्स में बदल गई है। एलयूएमएस अब महाभारत और भगवद्गीता पर अलग कोर्स शुरू करने की तैयारी में है। इस प्रयास से पाकिस्तान में संस्कृत के विद्वान तैयार होंगे।

**दक्षिण एशिया में सांस्कृतिक पुल बनाने की कोशिश :** गुरमानी सेंटर के निदेशक डॉ. अली उस्मान कासमी और एफसी कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शाहिद रशीद विभागाध्यक्ष हैं। डॉ. रशीद मुख्य रूप से संस्कृत व्याकरण और शास्त्रीय साहित्य पढ़ाते हैं। शुरुआत में छात्र कठिनाई महसूस कर रहे थे, फिर संस्कृत की तार्किक संरचना समझी और विषय में उनकी रुचि बढ़ गई। छात्र हैरान हो गए कि उर्दू और अन्य स्थानीय भाषाओं के कई शब्द संस्कृत से आए हैं। डॉ. कासमी और डॉ. रशीद मानते हैं कि संस्कृत, हिंदी, उर्दू और अन्य भाषाओं के बीच गहरा संबंध है। यह कोर्स दक्षिण एशिया में सांस्कृतिक पुल बनाने का अवसर प्रदान करता है और भाषाई समृद्धि बढ़ाता है।

**एक साल का कोर्स बनाने की तैयारी :** एलयूएमएस का लक्ष्य 2027 तक इसे एक साल का कोर्स बनाना है। कोर्स के माध्यम से छात्र महाभारत और भगवद्गीता जैसे ग्रंथों का अध्ययन कर सकेंगे और पाकिस्तान में शास्त्रीय भाषाओं के क्षेत्र में नए विद्वान तैयार होंगे। डॉ. रशीद का कहना है कि संस्कृत सांस्कृतिक स्मारक की तरह है। इसे सभी को अपनाना चाहिए। यह किसी एक मजहब की नहीं, बल्कि पूरी मानवता की धरोहर है।

**ईयू ने रूसी संपत्तियां अनिश्चितकाल के लिए फ्रीज कीं : लंदन, एजेंसी।** यूरोपीय संघ (ईयू) ने रूस की यूरोप में मौजूद अरबों यूरो की संपत्तियों को अनिश्चितकाल के लिए फ्रीज कर दिया है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि हंगरी और स्लोवाकिया जैसे देश, जिनकी सरकारें रूस के प्रति नरम रुख रखती हैं, यूक्रेन की मदद में बाधा न डाल सकें। ईयू ने यह फैसला आर्थिक आपातकाल की एक विशेष प्रक्रिया के तहत लिया। इन संपत्तियों को तब तक रोका जाएगा, जब तक रूस यूक्रेन के खिलाफ युद्ध समाप्त नहीं करता और हुए नुकसान की भरपाई नहीं करता।

# कोठरी में इमरान खान को एकांत कारावास, यूएन विशेषज्ञ ने जताई चिंता, कहा- यह यातना के बराबर

**जिनेवा, एजेंसी।** संयुक्त राष्ट्र की यातना मामलों की विशेषज्ञ एलिस जिल एडवर्ड्स ने आज पाकिस्तान सरकार से आग्रह किया है कि वह पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल में स्थिति को लेकर आ रही रिपोर्ट्स पर तत्काल और प्रभावी कदम उठाए। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी परिस्थितियां यातना या अन्य अपमानवीय या अपमानजनक व्यवहार के बराबर मानी जा सकती हैं। एडवर्ड्स ने कहा, मैं पाकिस्तानी अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने की अपील करती हूं कि इमरान खान की हिरासत की शर्तें पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय मानदंडों और मानकों के अनुरूप हों। उन्होंने बताया कि 26 सितंबर 2023 को रावलपिंडी की अदियाला जेल में स्थानांतरित होने के बाद से इमरान खान को लंबे समय तक एकांत कारावास में रखा गया है। उन्हें दिन में 23 घंटे कोठरी में बंद रखा जाता है और बाहरी दुनिया से उनका संपर्क बेहद सीमित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि खान को उनकी कोठरी में कथित तौर पर लगातार कैमरे की निगरानी में रखा जाता है। विशेषज्ञ ने इस बात पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून के तहत लंबे समय तक एकांत कारावास प्रतिबंधित है और अगर यह 15 दिनों से अधिक समय तक हो जाता है, तो इसे यातना का एक रूप माना जाता है। एडवर्ड्स ने कहा, इमरान खान के लिए एकांत कारावास की सजा को बिना किसी देरी के खत्म किया जाना चाहिए। यह न केवल एक गैरकानूनी उपाय है, बल्कि लंबे समय तक एकांत कारावास से उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बहुत हानिकारण परिणाम हो सकते हैं। जानकारी के मुताबिक, इमरान खान को कोठरी से बाहर गतिविधि करने या अन्य कैदियों से मिलने की अनुमति नहीं है और सामूहिक नमाज में भी शामिल नहीं हो सकते। वकीलों, परिजनों और अदालत की ओर से अधिकृत अन्य लोगों की मुलाकातें अक्सर रोक दी जाती हैं या समय से पहले खत्म हो जाती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान खान एक छोटी सी कोठरी में रखा गया है, जिसमें प्राकृतिक रोशनी और पर्याप्त वेंटिलेशन नहीं है। इस कोठरी में गर्मियों और सर्दियों में तापमान चरम सीमा तक पहुंच जाता है और खराब हवा के कारण दुर्गंध और कीट-मकौड़े की समस्या होती है। इसके कारण उन्हें मतली, उल्टी और वजन कम होने की शिकायत रही है। एडवर्ड्स ने कहा, जो कोई भी कैदी है, उसके साथ मानवता और सम्मान के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। कैदी की उम्र और स्वास्थ्य स्थिति का ध्यान रखा जाना चाहिए, जिसमें उचित सोने की व्यवस्था, जलवायु संरक्षण, पर्याप्त जगह, रोशनी, गर्मी और वेंटिलेशन शामिल हैं। इमरान खान (72 वर्षीय) को पहले से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हैं, जिसमें 2013 के एक हादसे में गंभीर रीढ़ की चोट और 2022 की हत्या के प्रयास में गोली लगना शामिल है। एडवर्ड्स ने कहा, इमरान खान को पर्याप्त चिकित्सा सहायता नहीं दी गई है।

# रूसी मीडिया ने डिलीट किया शहबाज शरीफ की बेइज्जती वाला वीडियो

**अश्गाबात, एजेंसी।** अंतरराष्ट्रीय शांति और विश्वास मंच (पीस एंड ट्रस्ट फोरम) के दौरान पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने के लिए 40 मिनट से ज्यादा लंबा इंतजार कराना पड़ा। इस घटना ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया, जब रूसी मीडिया चैनल आरटी इंडिया ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें शरीफ को कथित तौर पर पुतिन-तुर्की राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन की बंद कमरे वाली बैठक में 'घुसते' दिखाया गया। वीडियो वायरल होते ही पाकिस्तानी पीएम का मजाक उड़ने लगा, लेकिन कुछ घंटों बाद आरटी इंडिया ने इसे डिलीट कर दिया।

**घटना का बैकग्राउंडः क्या हुआ तुर्कमेनिस्तान में :** तुर्कमेनिस्तान की राजधानी अश्गाबात में 12 दिसंबर को आयोजित इस फोरम ने देश की 30वीं स्थायी तटस्थता वर्षगांठ मनाई। इसमें रूस, तुर्की, ईरान और पाकिस्तान जैसे देशों के नेता शामिल हुए। पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ का पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक का शेड्यूल था, जो रूस-पाकिस्तान संबंधों को मजबूत करने का हिस्सा था। लेकिन बैठक में देरी हुई। आरटी इंडिया ने अपने पहले वीडियो को शेयर करते हुए लिखा कि शरीफ और विदेश मंत्री इशाक डार सहित पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल ने एक हॉल में 40 मिनट इंतजार किया। इसने एक अन्य वीडियो के साथ लिखा कि थक-हार कर शरीफ पुतिन-एर्दोगन की बंद बैठक में घुस गए, जहां वे सिर्फ 10 मिनट रुक सके और फिर बाहर आ गए। वीडियो में शरीफ को असहज दिखाया गया, जबकि पुतिन और एर्दोगन अपनी बातचीत में व्यस्त थे। आरटी इंडिया ने एक्स पर लिखा- पीएम शरीफ ने पुतिन के लिए 40 मिनट इंतजार किया, फिर एर्दोगन वाली बैठक में घुस गए। वे 10 मिनट बाद बाहर आ गए। यह पोस्ट तेजी से वायरल हुई, जिसके बाद सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़ आ गई। यूजर्स ने इसे अंतरराष्ट्रीय अपमान करार दिया, कुछ ने कहा- पुतिन ने भिखारियों के लिए समय बर्बाद नहीं किया।

**वीडियो डिलीट और सफाई: आरटी इंडिया की सफाई :** वायरल होने के कुछ घंटों बाद आरटी इंडिया ने वीडियो और पोस्ट डिलीट कर दिया। चैनल ने एक्स पर सफाई जारी करते हुए कहा- हमने तुर्कमेनिस्तान में पीस एंड ट्रस्ट फोरम में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शरीफ के व्लादिमीर पुतिन से मिलने का इंतजार करने वाली पिछली पोस्ट डिलीट कर दी है। हो सकता है कि वह पोस्ट घटनाओं को गलत तरीके से दिखा रही हो। हालांकि बाद में पाकिस्तानी पक्ष की ओर से कुछ अन्य वीडियो जारी किए गए हैं जिनमें शरीफ-पुतिन से मिलते नजर आ रहे हैं। एक वीडियो में शरीफ को पुतिन के साथ कॉरिडोर में हाथ मिलाते और बातचीत करते दिखाया गया। खुद पाकिस्तान स्थिति रूसी दूतावास ने एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा- 12 दिसंबर को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अश्गाबात में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की।.. हालांकि पुराने विवादित वीडियो को लेकर न तो रूस और न ही पाकिस्तान की ओर से कोई आधिकारिक बयान आया है।

## जानकारी

# वजन घटाने में मददगार है 'स्विमिंग' मगर इन 4 बातों का जरूर रखें ध्यान

तैराकी को हमेशा एक मनोरंजक गतिविधि के रूप में माना जाता है, जिसे लोग अपने खाली समय में और कुछ मौज-मस्ती के लिए पसंद करते हैं। वास्तविकता यह है कि यह गतिविधि आपको बहुत सारी कैलोरी जलाने, आपके शरीर को टोन करने और यहां तक कि वजन कम करने में मदद कर सकती है, बशर्ते आप सही तरीके से सभी दिशा-निर्देशों का पालन करें। तैरना एक कम प्रभाव वाला व्यायाम है जो वजन कम करने में आपकी मदद कर सकता है जैसा कि आप दौड़कर कर सकते हैं और वह भी बिना आपके जोड़ों को चोट पहुंचाए। यह निश्चित रूप से एक मजेदार और स्वस्थ गतिविधि है, जो सभी आयु वर्ग के लोगों द्वारा की जा सकती है। या तो आप अपना वजन कम करने के लिए तैर रहे हैं या अपने शरीर को टोन करने के लिए, यहां 4 चीजें हैं जिन्हें आपको ध्यान में रखना है।

### सही खानपान

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि अगर आप वजन कम करने के लिए जिमिंग या स्विमिंग कर रहे हैं। इसके लिए स्वस्थ भोजन करना भी महत्वपूर्ण है। आप केवल सही व्यायाम करके और सही प्रकार का भोजन खाकर अपना वजन कम कर सकते हैं। पहला, जब आप तैर रहे होते हैं तो बहुत अधिक ऊर्जा की खपत होती है और दूसरी बात यह है कि ठंडा पानी आपकी भूख बढ़ा सकता है। यह आपके स्विमिंग सेशन के बाद आपको उग्र महसूस करवा सकता है। ओवरईटिंग से बचें, वरना आपकी सारी मेहनत बेकार हो जाएगी। खाने में हरी सब्जियां जोड़ें और अपने स्विमिंग सेशन के बाद प्रोटीन शेक पीएं।

### सही स्ट्रोक

अलग-अलग तैराकी के विभिन्न स्वास्थ्य लाभ हैं और कैलोरी की काफी मात्रा को जलाते हैं। लेकिन जो सबसे प्रभावी है वह है बटरफ्लाई स्ट्रोक है। अगर सही तरीके से किया जाए तो यह स्ट्रोक 10 मिनट में 150 कैलोरी जलाने में आपकी मदद कर सकता है। अगला सबसे अच्छा स्ट्रोक फ्रीस्टाइल है, जो आपको एक घंटे में 704 कैलोरी जलाने में मदद कर सकता है।

### अच्छी गति

यदि आपका मकसद वजन कम करना है, तो निश्चित रूप से, आपको कुछ अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। आपकी गति यह निर्धारित करती है कि आप कितनी कैलोरी खोने जा रहे हैं। तो एक राउंड तेज तैरें और फिर अगले में सामान्य रहें। यह आपके वसा जलने की प्रक्रिया को तेज करेगा।

### सही समय

हमेशा नाश्ते से पहले सुबह तैरने की कोशिश करें। सुबह तैरना आपके शरीर को एक उपवास की स्थिति में छोड़ देगा और यह संग्रहीत वसा का अधिक कुशलता से उपयोग करने में सक्षम होगा। शरीर वसा को ऊर्जा के रूप में उपयोग करेगा और आप अधिक वजन कम करने में सक्षम होंगे।

भारत में हुए अध्ययनों से पता चला है कि देश के महानगरों और बड़े शहरों जैसे दिल्ली, चेन्नई और बेंगलुरु में फेफड़ों के कैंसर के मामले बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। फेफड़े का कैंसर का कई बार क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) के साथ संबंध होता है। एम्स के डॉ. नबी दर्या वली के मुताबिक, सीओपीडी फेफड़ों से संबंधित एक ऐसा रोग है, जिसमें मरीज की सांस छोड़ने की क्षमता ठीक से काम नहीं कर पाती, इस स्थिति के कारण मरीज को सांस लेने में दिक्कत होने लगती है। लंबे समय तक धूम्रपान करने के कारण यह रोग होता है। सीओपीडी से पीड़ित लोगों में फेफड़ों का कैंसर का विकसित होने की संभावना दोगुनी होती है और इन दोनों स्थितियों के एक साथ होने की संभावना भी काफी अधिक होती है। दरअसल, पूरी दुनिया में कैंसर के सबसे आम रूपों में से एक है, फेफड़े का कैंसर। डॉ. वली कहते हैं, फेफड़ों का कैंसर एक आम बीमारी हो गई है और अभी भी दुनिया भर में कैंसर से होने वाली मौतों के मुख्य कारणों में से एक है। फेफड़े के कैंसर वाले अधिकांश मरीजों का इलाज तब शुरू होता है जब रोग शरीर में फैल चुका होता है। यानी उन्नत चरणों में कैंसर का निदान किया जाता है, इसलिए अब नए चिकित्सीय विकल्पों की पहचान नैदानिक अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण है।

### संकेत और लक्षण

हालांकि सीओपीडी और फेफड़ों के कैंसर के समान लक्षण हैं, जैसे खांसी और सांस लेने में कठिनाई, लेकिन इनमें कुछ अंतर भी हैं। थकान, भूख में कमी, अचानक वजन घटना, खांसी के साथ ही कहीं सीने में दर्द, गला बैठना, फेफड़ों में संक्रमण, खांसी और कफ के साथ खून के अलावा लगातार सूखी खांसी आ रही हो तो तत्काल ध्यान देने की जरूरत हो सकती है। यदि कैंसर फैल गया है, तो किसी को सिरदर्द, सुन्नता (नंबनेस), चक्कर आना, पेट में दर्द, पीलिया और हड्डी में दर्द का अनुभव हो सकता है।

### निदान और उपचार

कैंसर के विभिन्न चरणों की पहचान सीटी स्कैन, एमआरआई, पीईटी स्कैन और बोन स्कैन के माध्यम से की जाती है। नैदानिक परीक्षणों में छाती का एक्स-रे, सीटी स्कैन, थूक परीक्षण, ऊतक (टिश्यू) बायोप्सी और ब्रोन्कोस्कोपी शामिल हैं। मरीज सीओपीडी से पीड़ित है या नहीं, फेफड़ों के कैंसर के इलाज के लिए कीमोथेरेपी का उपयोग किया जाता है। सीओपीडी और कैंसर के शुरुआती चरणों के उपचार के लिए सर्जरी, कीमोथैरेपी और रेडियोथैरेपी जैसे विकल्पों का मिश्रण हो सकता है। इम्यूनोथैरेपी और लक्षित दवाओं जैसी नई थेरेपी भी अच्छी तरह से काम करती हैं।

### फेफड़ों के कैंसर को रोकना

डॉ. वली के मुताबिक फेफड़ों से संबंधित रोगों से बचाव रखने के लिए आप ये तरीके अपना सकते हैं- नियमित रूप से व्यायाम करें, हार्ट रेट को बढ़ाने वाली एरौबिक एक्सरसाइज करना सबसे ज्यदा फायदेमंद होता है। पोषक तत्वों से भरपूर भोजन फायदेमंद है। पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। इन्फेक्शन से बचने के लिए अपने हाथों को नियमित रूप से धोते रहें। हाथों से अपने मुंह को ना छुएं (जितना कम हो सके छूने की कोशिश करें)। बीमार लोगों से दूर रहें। नियमित रूप से डॉक्टर से जांच करवाते रहें फेफड़ों के रोगों से जुड़े किसी भी संकेत व लक्षण को नजरअंदाज ना करें। धूम्रपान करने वालों को एक बार में धूम्रपान छोड़ देना चाहिए। धूम्रपान करने वाले व्यक्ति और उसके धुएं से दूर रहें, घर पर या बाहर के प्रदूषण या दूषित हवा में सांस ना लें। फेफड़ों को नुकसान न पहुंचे इसके लिए मास्क जैसे कुछ सुरक्षात्मक साधन पहनकर भी बच सकते हैं। रेडॉन गैसे जैसे रडियो एक्टिव पदार्थ कैंसर को बढ़ावा देते हैं और अपने रहने की जगह ऐसे तत्व वातावरण को खराब तो नहीं कर रहे, यह जानने के लिए घर पर ही रेडॉन लेवल पता करना होता है। लंबे समय तक ऐसे पदार्थों से संपर्क सीओपीडी के साथ ही फेफड़ों के कैंसर के खतरे को बढ़ा सकता है। किसी प्रकार के केमिकल, धूल या धुएं आदि में सांस ना लें यदि आप में फेफड़ों के कैंसर का अधिक खतरा है, तो डॉक्टर से इस बारे में बात करें और जांच करवाएं।

## सेहत

# सर्दियों की स्किन प्रॉब्लम दूर करेंगे ये टिप्स

सर्दियों का मौसम आते ही कई तरह की स्किन प्रॉब्लम होनी शुरू हो जाती हैं। ठंड आते स्किन रूखी, बेजान और अजीब सी होने लगती है। कुछ आसान तरीके अपनाकर आप इस मौसम में होने वाली इन समस्याओं को दूर कर सकते हैं।

### आइब्रो डैंड्रफ

वैसे डैंड्रफ यानी रूसी बालों की समस्या है। लेकिन सर्दियों में डैंड्रफ भौहों में भी हो सकती है। रात में चेहरा धोते समय आइब्रो पर भी फेसवॉश जरूर लगाएं। इससे यहां की डेड स्किन निकल जाएगी। आपकी भौहों से जब तक डैंड्रफ पूरी तरह खत्म न हो जाए, आइब्रो मेकअप न करें।

### नाक की रूखी और फटी स्किन

बाहर की सर्दी और घर के अंदर की गर्मी नाक सूखने लगती है। त्वचा में नमी बरकरार रखने के लिए हाइड्रेटिंग मॉइस्चराइजर या सेरामाइड्स युक्त क्रीम लगाएं। इससे आपकी स्किन रूखी नहीं होगी।

### रूखे हाथ

सर्दियों में सबसे ज्यादा प्रभाव हाथों पर ही पड़ता है। हाथों में ऑयल ग्लैंड बहुत कम होता है। बार-बार हाथ धोने की वजह से भी हाथों की नमी चली जाती है। इसलिए बाहर निकलने से पहले हमेशा ग्लिसरीन वाली हैंड क्रीम लगाएं। ठंड के महीनों में आपके क्यूटिकल भी फट सकते हैं, इसलिए हाथों में बादाम का तेल या कुसुम का तेल लगाएं।

### सूखे और पपड़ीदार पैर

हाथों की तरह पैरों में भी अधिक ऑयल ग्लैंड नहीं होता है और वो जल्दी रूखे दिखने लगते हैं। रूखे पैरों में एक पपड़ीदार स्किन बनने लगती है। ठंड में गर्म पानी से नहाना भी इसकी एक वजह है। हमेशा गुनगुने पानी से नहाएं जिससे आपकी त्वचा की नमी पूरी तरह खत्म न हो। नहाने के बाद बॉडी बटर लगाने से भी त्वचा में नमी रहेगी।

### ऑयली स्किन

सर्दियों में त्वचा की सीबम से प्राकृतिक रूप से तेल निलकता है। इसलिए थोड़ा सा ही मॉइश्चराइजर लगाने से त्वचा तैलीय होने लगती है। स्किन का पीएच संतुलन बनाए रखने के लिए हाइड्रेटिंग फॉर्मूला मॉइश्चराइजर ही लगाएं।

### फटे होंठ

सर्दियों में हर कोई रूखे और फटे होंठों से परेशान रहता है। सबसे पहले तो अगर आपको अपने होंठ चबाने की आदत है तो इसे तुरंत छोड़ दें। होंठों का रूखापन दूर करने के लिए मॉइस्चराइजिंग तेल में चीनी के दानें मिलाएं और इसे होंठों पर लगाएं।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

**मिथुन** (का की कू घ ड छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

**मकर** (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा): माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

**मीन** (दी दू थ झ ज दे दो चा ची): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7

## काकुरो पहेली - 2677

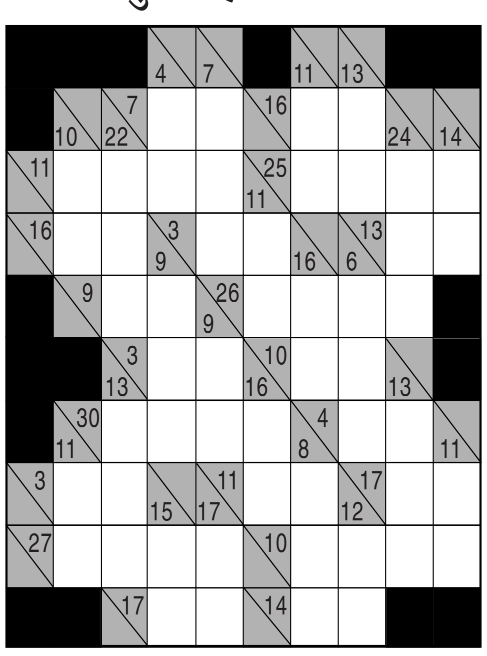

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

**उदाहरणतः**

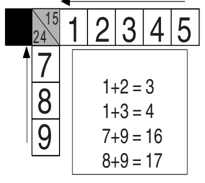


### काकुरो - 2676 का हल

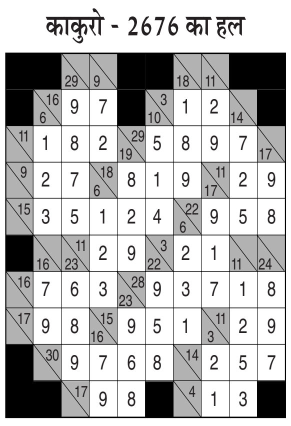

## हंसी के फूव्वारें

पूजा में पण्डितजी ने बच्चों को लड्डू दिया और कहा-इसे हवन कुण्ड में डालों और कहो स्वाहा. बच्चों ने लड्डू मुंह में डाल लिया और कहा - आहा.

एक लड़का पार्क में साइकिल चला रहा था . उसकी मां बड़े गर्व से उसे देख रही थी. पहले चक्कर में मां के पास आने पर लड़के ने कहा, 'देखिये मम्मी, हाथों के बिना.' दूसरे चक्कर में बोला, 'देखिये मम्मी, पैरों के बिना.' तीसरे चक्कर में वह चिल्लाया, 'देखिये मम्मी, दांतों के बिना.'

एक खूबसूरत लड़की बस स्टॉप पर खड़ी था, एक नौजवान बोला-चांद तो रात को निकलता है, आज दिन में कैसे निकल आया? लड़की बड़ी हाजिरजवाब थी. बोली- अरे उल्लू तो रात को बोलता था, आज दिन में कैसे बोल रहा है ?

मास्टरजी: (व्याकरण पढ़ाते हुए) एक ऐसा वाक्य बताओ जिसमें वर्तमानकाल, भूतकाल और भविष्यकाल तीनों आ जायें.

छात्र: सौ साल पहले मुझे तुमसे प्यार था, आज भी है, और कल भी रहेगा.

जज: (चोर से) तुम्हें बार-बार कचहरी में आते लज्जा नहीं आती ?

चोर: हुजूर मैं तो साल में एक बार ही आता हूँ मगर आप तो रोज ही आते हैं.

## फिल्म वर्ग पहेली- 2677

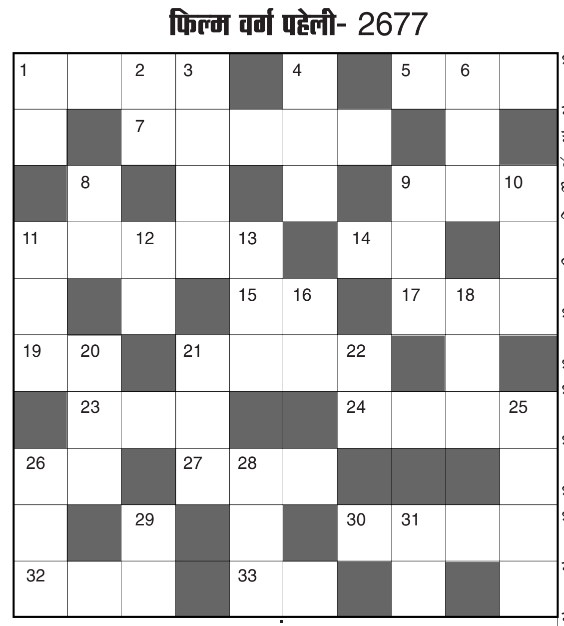

**बायें से दायें:-**

१. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-२,२
५. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-२,३
९. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-२,३
१४. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-२
१५. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-२
१७. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
२१. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-४
२३. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अन्नूकपूर, सरला, दीप्ति नवल की फिल्म-३
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२७. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-४
३२. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२

**ऊपर से नीचे:-**

१. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-२
२. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-२
३. 'आज गालो मुस्करालो' गीत वाली फिल्म-४
४. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-३
६. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-३
८. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-३
११. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
१३. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१८. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-३
२१. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-२,१
२२.फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-२
२५. राजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-४
२६. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-३
२८. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कीफिल्म-३
२९. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
३१. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-२

### फिल्म वर्ग पहेली- 2676

## सूडोकु -2677

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 8 | | | 4 | | | |
| 1 | | | | | | | | 9 |
| 3 | | | | 2 | | | 5 | |
| | | | 1 | | | | 8 | |
| | | 5 | | | | 4 | | |
| | 7 | | | | 9 | | | |
| | 6 | | | 3 | | | | 2 |
| 9 | | | | | | | | 1 |
| | | | 8 | | | 7 | | |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु - 2676 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 6 | 8 | 5 | 9 | 1 | 4 | 7 | 9 |
| 7 | 9 | 1 | 4 | 6 | 3 | 5 | 8 | 2 |
| 2 | 4 | 5 | 7 | 2 | 8 | 6 | 3 | 1 |
| 9 | 1 | 3 | 2 | 5 | 4 | 8 | 6 | 7 |
| 4 | 6 | 2 | 8 | 1 | 7 | 9 | 5 | 3 |
| 5 | 8 | 7 | 6 | 3 | 9 | 1 | 2 | 4 |
| 3 | 2 | 4 | 1 | 8 | 5 | 7 | 9 | 6 |
| 8 | 7 | 6 | 9 | 4 | 2 | 3 | 1 | 5 |
| 1 | 5 | 9 | 3 | 7 | 6 | 2 | 4 | 8 |

## शब्द पहेली - 2677

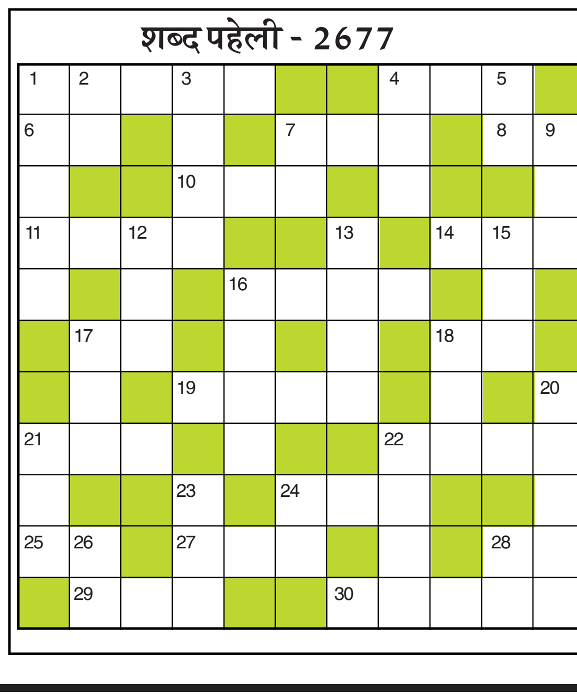

**बाएँ से दाएँ**

1.पदमाकर,कमल सरोवर-5
4.इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6.देवस्थान,मंदिर-2
7.शिव आवास-3
8.उत्तम,सज्जन-2
10.पति,शोहर-3
11.दमकना-4
14.टीस,पीड़ा-3
16.झरने की आवाज-4
17.आशा,इच्छा-2
18.संध्या,शाम-2
19.निराकार,भगवान-4
21.बुझाना,शांति-3
22.अभिप्राय-4
24.आंचल-3
25.घोड़ागाड़ी-2
27.उष्ण-3
28.पिता के पिता-2
29.पंक्ति-3
30.तहजीबदार-5

**ऊपर से नीचे**

1.कथा कहने वाला-5
2.चित,जी-2
3.कार्यशाला,यंत्रालय-4
4.माहिर,दक्ष-3
5.आकाश,गगन-2
7.कारावास-2
9.योग्य-3
12.अनुमान,अंदाज-3
13.झगड़ा,कहासुनी-4
15.मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16.पक्षियों का शोर-4
17.राहत, विश्राम -3
18.मुसीबत, आफत -3
20.होशियार, चेतावनी-5
21.नगर-3
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म
23.मगरमच्छ-3
24.दर,मूल्य-2
26.भूमि,धरती-2
28.पिता के पिता-2

### शब्द पहेली -2676 का हल

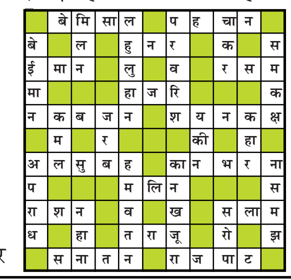

## केरल निकाय चुनावः 'एलडीएफ उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा, नतीजों के बाद सुधारात्मक कदम उठाएंगे'; बोले सीएम विजयन

**एजेंसी**

**तिरुवनंतपुरम।** केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने स्थानीय निकाय चुनावों में एलडीएफ के प्रदर्शन को उम्मीदों से कम बताते हुए कहा है कि गठबंधन राज्यभर में अपेक्षित बढ़त हासिल नहीं कर सका। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनावी नतीजों की गहराई से समीक्षा की जाएगी और जरूरी सुधारात्मक कदम उठाकर आगे की रणनीति तय की जाएगी।मुख्यमंत्री ने एक बयान में कहा कि एलडीएफ को राज्य में मजबूत जनादेश की उम्मीद थी, लेकिन परिणाम उस स्तर तक नहीं पहुंच सके। उन्होंने कहा इन नतीजों के कारणों की विस्तार से जांच की जाएगी और आवश्यक सुधारों के बाद हम आगे बढ़ेंगे। राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम का जिक्र करते हुए पिनराई विजयन ने कहा कि वहां एनडीए का बढ़त बनाना और चुनाव प्रचार के दौरान सांप्रदायिक प्रभाव का दिखना, धर्मनिरपेक्षता में विश्वास रखने वालों के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने आगाह किया कि चुनाव परिणाम यह संकेत देते हैं कि जनता को गलत सूचनाओं और विभाजनकारी राजनीति से बचाने के लिए अधिक सतर्कता की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर तरह की सांप्रदायिकता के खिलाफ संघर्ष को और तेज करना समय की मांग है।

## एमएनआईटी ने युद्ध वाहनों व टैंकों के लिए हल्के आर्मर पैनल किया विकसित

**जयपुर।** मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमएनआईटी ) जयपुर ने लड़ाकू वाहनों के लिए हल्के हाइब्रिड कम्पोजिट आर्मर पैनल विकसित कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। एमएनआईटी जयपुर के मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के प्रो. अमर पटनायक ने बताया कि ये आर्मर ऑर्डनेंस गाड़ियों में इस्तेमाल होने वाली मौजूदा भारी स्टील प्लेट्स की जगह ले सकते हैं और वज़न कम होने से गाड़ियों की मैन्यूवरेबिलिटी बढ़ा सकते हैं। एमएनआईटी जयपुर के प्रो. अमर पटनायक के नेतृत्व में एक मल्टी-इंस्टीट्यूशनल प्रोजेक्ट, जिसमें एनआईटी उत्तराखंड, इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च सेंटर फॉर पाउडर मेटलर्जी एंड न्यू मैटेरियल्स, उत्तरी भारत वस्त्र अनुसंधान संघ, डीआरडीओ-टीबीआरएल जैसे कई जाने-माने इंस्टीट्यूशन और एसएमपीपी और ओएफएमके जैसी इंडस्ट्री शामिल हैं, को कुछ साल पहले राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन, वस्त्र मंत्रालय ने स्पॉन्सर किया था ताकि छोटे कैलिबर के गोला-बारूद के खतरे से आने वाली चुनौतियों का सामना किया जा सके। पटनायक के अनुसार, देश में मौजूदा आर्मर सॉल्यूशन ज़्यादातर मेटैलिक या इम्पोर्टेड कम्पोजिट सिस्टम पर निर्भर करते हैं, जो ज़्यादा भारी, ज़्यादा महंगे और सीमित सप्लाई वाले होते हैं। एमएनआईटी टीम और सहयोगी एजेंसियों की मिली-जुली कोशिशों से, देश में ही बनाए गए हाइब्रिड कम्पोजिट आर्मर पैनल सफलतापूर्वक बनाए गए हैं।

## मेसी के कार्यक्रम में हुई अव्यवस्था को लेकर डीजीपी ने मानी पुलिस की गलती, मुख्य आयोजक गिरफ्तार

**कोलकाता।** कोलकाता के सॉल्टलेक स्थित युवाभारती स्टेडियम में लियोनेल मेसी के दौरे को लेकर आयोजित कार्यक्रम में भारी अव्यवस्था और हिंसा के बाद पुलिस ने इस कार्यक्रम के मुख्य आयोजक शतद्रु दत्त को शनिवार दोपहर गिरफ्तार कर लिया है। यह जानकारी राज्य के पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार ने दी। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि पूरे मामले की गहन जांच की जाएगी और जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिन दर्शकों ने टिकट खरीदे, उन्हें उनका पैसा वापस मिलना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने पुलिस की तरफ से हुई लापरवाही को लेकर भी गलती स्वीकार की। मेस्सी के युवाभारती स्टेडियम पहुंचते ही हालात तेजी से बिगड़ने लगे। गैलरी से दर्शक मेसी को देख नहीं पाए। आरोप है कि भारी कीमत (कई मामलों में ?20 हजार तक) पर टिकट खरीदने के बावजूद मेस्सी, लुईस सुवारेज और रड्रिगो डी पॉल को मैदान में देखने का मौका नहीं मिला। इससे नाराज फुटबॉल प्रेमी उग्र हो गए और गैलरी की कुर्सियां तोड़कर मैदान में फेंकने लगे। बोतलें भी मैदान में फेंकी जाने लगी जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई। स्थिति उस समय और बिगड़ गई जब मेसी को दोपहर 11.52 बजे स्टेडियम से बाहर ले जाया गया।

## क्रिसमस पर शराब दुकानों का समय बढ़ा, 24-25 दिसंबर को रात 11 बजे तक बिक्री की अनुमति

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश सरकार ने आगामी त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए प्रदेश की शराब दुकानों के खुलने के समय में अस्थायी बदलाव किया है। आबकारी आयुक्त डॉ. आदर्श सिंह द्वारा जारी आदेश के अनुसार प्रदेश की सभी फुटकर शराब दुकानों पर मदिरा बिक्री की अवधि बढ़ा दी गई है। यह निर्णय शासन स्तर पर 9 दिसंबर 2025 को लिया गया था। नई व्यवस्था के तहत 24 दिसंबर 2025 से 25 दिसंबर 2025 तक प्रदेश की सभी शराब दुकानें सुबह 10 बजे से रात 11 बजे तक खुली रहेंगी। पहले निर्धारित समय की तुलना में बिक्री अवधि बढ़ाई गई है, ताकि क्रिसमस और अन्य त्योहारों के दौरान बढ़ने वाली भीड़ और खरीदारी को सुचारू रूप से नियंत्रित किया जा सके। आदेश में सभी जिलाधिकारियों और लाइसेंस प्राधिकरण को निर्देशित किया गया है कि बढ़े हुए समय का सख्ती से पालन कराया जाए। किसी भी स्तर पर नियमों के उल्लंघन की स्थिति में तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

# केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह की बढ़ाई गई सुरक्षा, किले में तब्दील हुए भोपाल आवास

**एजेंसी**

**भोपाल।** केंद्रीय कृषि मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय को मिली ताजा खुफिया जानकारी के बाद उनकी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया गया है। शुक्रवार देर रात भोपाल और दिल्ली-दोनों जगह उनकी सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा किया गया है। भोपाल में 74 बंगला स्थित बी-8 आवास के चारों तरफ पुलिस ने अतिरिक्त बैरिकेडिंग की। वहीं दिल्ली स्थित सरकारी आवास पर भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। गृह मंत्रालय द्वारा सुरक्षा बढ़ाने को लेकर जारी पत्र के मुताबिक केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की ओर से दिलचस्पी दिखाने की जानकारी मिली है। बताया जा रहा है कि आईएसआई और कुछ राष्ट्रविरोधी

तत्व उनके बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास कर रहे थे, जिसके चलते सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। पत्र में कहा गया है कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए उनकी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई जा रही है। गौरतलब है कि शिवराज सिंह चौहान पहले से ही जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा में हैं। इसके बावजूद गृह मंत्रालय को नए इनपुट मिलने के बाद केंद्र ने एमपी डीजीपी, दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त (सुरक्षा) और मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को 'अति-गोपनीय' पत्र भेजा है। इसमें स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि केंद्रीय मंत्री की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक न हो। सूचना मिलने के तुरंत बाद भोपाल में उनके आवास के दोनों ओर की सड़कों पर नाकाबंदी सख्त कर दी गई है और आने-जाने वाले हर वाहन की सघन जांच शुरू हो गई है।शनिवार सुबह से ही भोपाल स्थित उनके निजी आवास (बी-8, 74 बंगले) को किले में तब्दील कर दिया गया है। यहां केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएस) और मध्य प्रदेश पुलिस के जवानों की तैनाती सामान्य से दोगुनी की गई है। साथ ही बंगले के पास से गुजरने वाली आम सड़क पर भी आवाजाही को सीमित कर दिया गया है।

## भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने की राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट

**एजेंसी**

**शिमला।** भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने आज हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से राजभवन, शिमला में शिष्टाचार भेंट की। यह भेंट सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। मुलाकात के दौरान दोनों गणमान्य व्यक्तियों के बीच प्रदेश से जुड़े विभिन्न समसामयिक विषयों पर सामान्य चर्चा हुई। नड्डा ने राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल का कुशलक्षेम जाना और उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। यह भेंट पूरी तरह शिष्टाचार एवं सौजन्य भाव से हुई, जिसमें किसी भी प्रकार का औपचारिक राजनीतिक विमर्श नहीं हुआ।

# 'एक कौम, एक वतन-हिन्दुस्तान' विषय पर सेमिनार आयोजित

**एजेंसी**

**हैदराबाद।** मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के तत्वाधान में हैदराबाद के उस्मानिया विश्वविद्यालय सभागार के पीजीआरआर दूरस्थ शिक्षा केंद्र में 'एक कौम, एक वतन-हिन्दुस्तान' विषय पर सेमिनार में का आयोजन किया गया। सेमिनार में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संरक्षक डॉ. इंद्रेश कुमार ने कहा कि जो लोग एक कौम, एक वतन और एक संविधान में विश्वास रखते हैं, उन्हें देश के सभी नागरिकों को एकजुट करना चाहिए और प्रेम के माध्यम से भारत को विश्व का सबसे विकसित देश बनाना चाहिए।

डॉ. इंद्रेश कुमार ने कहा कि भारत एक ऐसा देश है जहां अनेक भाषाओं और संस्कृतियों के लोग रहते और काम करते हैं। वे सभी एक ही ईश्वर में विश्वास रखते हैं, केवल भाषा का अंतर है। भारत में रहने वाले लोग अपना काम अपनी मातृभाषा में करते हैं। जिस प्रकार मुसलमान अपने पूजा स्थलों में अपने ईश्वर को अपनी भाषा में याद करते हैं, उसी प्रकार ईसाई, बौद्ध, सिख, हिंदू सभी अपने ईश्वर के समक्ष अपनी बात रखते हैं। ईश्वर सभी भाषाओं को जानता है। वह उन लोगों की भाषा भी जानता है जिनके पास बोलने के लिए जीभ नहीं है।

उन्होंने श्रोताओं से पूछा कि यदि इस सभा में कोई ऐसा व्यक्ति है जो फ्रेंच में सपने देखता है, तो वह बताए, या यदि वह चीनी में सपने देखता है, तो वह बताए। कोई भी भारतीय ऐसा नहीं है। इसी प्रकार, हम भारत के लोग, एक ही विचार रखते हैं। उन्होंने सभी को स्वस्थ रहने के लिए योग और अन्य आसनों के बारे में बताया और उन्हें नियमित रूप से इनका अभ्यास करने की सलाह दी। सेमिनार में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान आयोग के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. शाहिद अख्तर ने कहा कि प्रेम को फैलाने और घृणा को मिटाने के लिए सभी को एकजुट होकर काम करना होगा। हम एक कौम और एक सभ्यता व परंपरा के साथ आगे बढ़ें। ऑल इंडिया सूफी सज्जादानशीन काउंसिल (एआईएसएससी) कर्नाटक के प्रदेश अध्यक्ष सैयद अली जकी हुसैन ने कहा कि देश भर के संतों ने हमेशा भाईचारे को बढ़ावा देने की बात कही है। हजरत ख्वाजा गरीब नवाज (रह.) से लेकर हजरत बंदा नवाज गेसूदराज (रह.) तक, जितने भी सूफी तथा संत भारत आए, सभी ने प्रेम और एकता का संदेश फैलाने का काम किया। उन्होंने घृणा को समाप्त करके लोगों के बीच प्रेम का सृजन किया। इसके माध्यम से ही शांति और सद्भाव स्थापित किया जा सकता है और यह मुस्लिम राष्ट्र मंच भी प्रेम को बढ़ावा देना और घृणा को समाप्त करना चाहता है।जामिया हमदर्द के रजिस्ट्रार कर्नल ताहिर मुस्तफा ने सेमिनार का संचालन किया। डॉ. अब्दुल हक विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. पीएफ रहमान और जाने-माने आंकोलॉजिस्ट डॉ. माजिद अहमद तालिकोटी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

## द्वादश प्रतिष्ठा के आयोजन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह होंगे सम्मिलित : चम्पत राय

**एजेंसी**

**अयोध्या।** श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पदाधिकारियों और न्यासियों की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। श्री मणिराम दास छावनी में आयोजित बैठक में श्री राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ प्रतिष्ठा द्वादशी पर प्रस्तावित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर चर्चा हुई। ट्रस्ट की बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास ने की। बैठक में आठ सदस्य आनलाइन जुड़े तथा छह उपस्थित रहे। विशेष आमंत्रित विश्व हिन्दू परिषद के संरक्षक दिनेश चन्द्र, मंदिर निर्माण की व्यवस्था से जुड़े गोपालजी तथा अंतरराष्ट्रीय श्रीराम कथा संग्रहालय से संजीव सिंह भी बैठक में थे।

बैठक के बाद प्रेसवार्ता में ट्रस्ट के महामंत्री चम्पत राय ने बैठक के बिंदुओं की जानकारी दी और बताया कि प्रतिष्ठा द्वादशी पर अंगद टीला पर होने वाले इन कार्यक्रमों में रामकथा, अनूप जलोटा, सुरेश वाडकर, तृप्ति शाक्य के भजन के साथ ही कथक नृत्य नाटिका प्रस्तावित है।उन्होंने बताया कि द्वादश प्रतिष्ठा के आयोजन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सम्मिलित होंगे। महामंत्री ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व जिस स्थान पर प्रभु श्रीराम बिराजे वहां मन्दिर तथा

उसके समीप ही हुतात्मा स्मारक बनाया जा रहा है। कुंभ जैसी भीड़ बढ़ने पर तदनुसार जूता-चप्पल रखने का प्रबंध हो गया है। पच्चीस हजार श्रद्धालु एक साथ इसका उपयोग कर सकते हैं। दिन भर में ऐसा सात बार हो सकता है। चारदीवारी निर्माण में सुरक्षा एजेंसियों से विमर्श कर कार्य किया जा रहा है।27 से 31 दिसम्बर तक मंडल पूजा होगी। कानपुर की टोली संगीतमय अखंड रामायण करेगी।श्रीराम जी के गुणगान में कवि भी सम्मिलित होंगे। इसका संयोजन दिल्ली के जगदीश मित्तल करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि मन्दिर निर्माण में छोटे मोटे काम में लगे श्रमिकों को हिन्दू नववर्ष पर उन्नीस मार्च को आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। इनकी संख्या चार सौ के लगभग हो सकती है। प्रेस वार्ता में ट्रस्ट महामंत्री चम्पतराय, सदस्य महंत दिनेन्द्र दास, नए ट्रस्टी कृष्ण मोहन, डॉ अनिल मिश्र उपस्थित रहे।

# उप्र भाजपा अध्यक्ष पद के लिए पंकज चौधरी ने दाखिल किया नामांकन, निर्विरोध चुना जाना लगभग तय!

**एजेंसी**

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को नया प्रदेश अध्यक्ष मिलने वाला है। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री और महाराजगंज से सात बार के सांसद पंकज चौधरी ने लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। उन्होंने अपना नामांकन पत्र प्रदेश चुनाव अधिकारी डॉ महेंद्र नाथ पांडेय और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े को सौंपा। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद के लिए एकमात्र पंकज चौधरी का नामांकन दाखिल हुआ है, इसलिए उनका निर्विरोध चुना जाना लगभग तय माना जा रहा है। नए प्रदेश अध्यक्ष का औपचारिक ऐलान रविवार को लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय

के डॉ भीमराव अंबेडकर सभागार में होगा। प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन के लिए केंद्रीय चुनाव अधिकारी केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल भी लखनऊ पहुंच चुके हैं। वह कल चुनाव की प्रकिया पूर्ण कर प्रदेश अध्यक्ष का निर्वाचन सम्पन्न कराएंगे। प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के लिए एकमात्र नामांकन पंकज चौधरी के रूप में हुआ है। रविवार को नए अध्यक्ष की विधिवत घोषणा भव्य समारोह के दौरान की जाएगी। नए प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत के लिए भारतीय जनता पार्टी भव्य तैयारी कर रही है। लखनऊ महानगर के कार्यकर्ताओं को स्वागत की जिम्मेदारी सौंप दी गई है। अलग-अलग व्यवस्थाओं के लिए कार्यकर्ताओं के नाम तय कर लिए गए हैं।

सपा के पीडीए प्लान में लगेगी सेंध अगर पंकज चौधरी उप्र भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बनते हैं तो भाजपा नेतृत्व उन्हें यह जिम्मेदारी बहुत सोंच समझकर देने जा रही है। पार्टी नेतृत्व 2024 के लोकसभा चुनाव में यह अच्छी तरह से भांप चुका है कि मुख्य विपक्षी पार्टी समाजवादी पार्टी (सपा) के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) प्लान को जिस तरह हल्के में लिया गया उसका नुकसान यह हुआ कि केन्द्र सरकार में भाजपा अकेले पूर्ण बहुमत से चूक गई।

## पैरा पावरलिफ्टिंग चैंपियन रोहित धनखड़ हत्याकांड के तीन मुख्य आरोपित बेंगलुरु से गिरफ्तार

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** हरियाणा के रोहतक जिले के हुमायूंपुर गांव के राष्ट्रीय पैरा पावरलिफ्टिंग चैंपियन रोहित धनखड़ हत्याकांड में भिवानी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सीआईए प्रथम भिवानी की टीम ने मामले में फरार चल रहे तीन मुख्य आरोपितों को बेंगलुरु से गिरफ्तार कर लिया है। तीनों को भिवानी लाया जा रहा है।पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार ने पुलिस लाइन में बताया कि गिरफ्तार आरोपितों की पहचान तिगड़ाना गांव निवासी वरुण, उसके भाई तरुण और दीपक के रूप में हुई है।

पुलिस टीम इन तीनों को बेंगलुरु से लेकर भिवानी ला रही है। एसपी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए अपराध यूनिट, सदर थाना और साइबर पुलिस को निर्देश दिए गए थे। 12 दिसंबर को सीआईए टीम ने यह कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि जल्द ही अन्य फरार आरोपितों को भी पकड़ा जाएगा।उल्लेखनीय है कि 27 नवंबर को रोहित अपने दोस्त जतिन (बौंदकलां, चरखी दादरी) के साथ भिवानी के रेवाड़ी खेड़ा गांव में एक शादी समारोह में शामिल हुए थे। वहां बारात में आए कुछ युवकों द्वारा महिलाओं पर अश्लील टिप्पणियां करने का रोहित ने विरोध किया, जिससे कहासुनी हो गई। लौटते समय रेलवे फाटक के पास आरोपितों ने उनकी स्कॉर्पियो गाड़ी को टक्कर मारी और लाठी-डंडों व लोहे की रॉड से जानलेवा हमला किया। गंभीर घायल रोहित की 29 नवंबर को रोहतक पीजीआई में मौत हो गई।

# जीवन को सुरक्षित करना और दूसरों की जान बचाना सभी का दायित्व : अभय मनोहर सप्रे

**एजेंसी**

**सतना।** उच्चतम न्यायालय की रोड सेफ्टी कमेटी के अध्यक्ष और पूर्व न्यायाधीश अभय मनोहर सप्रे ने कहा कि देश में रोड सेफ्टी की दिशा में कार्य करने की जिम्मेदारी उच्चतम न्यायालय ने सौंपी है। इस दिशा में कार्य करने के हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जीवन को सुरक्षित करना एवं लोगों की जान बचाना हम सभी का दायित्व है। पूर्व न्यायाधीश सप्रे ने कहा कि वर्तमान समय में प्रत्येक घंटे में 25 से 50 लोगों की जान सड़क दुर्घटनाओं में जा रही है।

गंभीरता से लेकर सड़क सुरक्षा की दिशा में कार्य करना हम सभी का दायित्व है। इसके लिए सड़क अच्छी एवं गुणवत्तापूर्ण बनना चाहिए। इस कार्य में यदि कोई कंपनी अथवा ठेकेदार लापरवाही बरतता है तो उसका लाइसेंस-ठेका खत्म कर दिया जाये। रोड बनाने में किसी प्रकार का भ्रष्टाचार नहीं हो, इस दिशा में जिम्मेदारी पूर्वक कार्य करें, जिससे सडक दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। पूर्व न्यायाधीश सप्रे मध्य प्रदेश के सतना में जिला रोड सेफ्टी कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक का मुख्य

उद्देश्य जिले में सड़क सुरक्षा मानकों को मजबूत करना, ब्लैक स्पॉट्स की समीक्षा और दुर्घटनाओं को कम करने के उपायों पर चर्चा करना था। न्यायमूर्ति सप्रे ने जिले में सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों, ब्लैक स्पॉट्स के सुधार कार्यों, यातायात नियमों के पालन और जन जागरूकता अभियानों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध तरीके से सुधारात्मक कदम उठाए जाएं, ताकि दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। यह बैठक उच्चतम न्यायालय द्वारा देशभर में सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए गठित कमेटी के दौरे का हिस्सा है। इससे पहले कमेटी मध्य प्रदेश के अन्य जिलों सहित विभिन्न राज्यों में समीक्षा कर चुकी है। जिले में सड़क सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। बैठक में पूर्व न्यायाधीश सप्रे ने बताया कि वर्तमान में वाहनों की संख्या बढ़ रही है।

## छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में 10 लाख के दो इनामी माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

**एजेंसी**

**गरियाबंद।** छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत 10 लाख के दो इनामी माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। छत्तीसगढ़ सरकार और शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति तथा पुलिस की सतत अपील से प्रभावित होकर प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) के डीजीएन डिवीजन में सक्रिय दो माओवादियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ते हुए आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण करने वालों में एसडीके एरिया कमेटी सदस्य संतोष उर्फ लालपवन और सीनापाली एरिया कमेटी सदस्य मंजू उर्फ नंदे शामिल हैं। दोनों पर कुल 10 लाख रुपए का इनाम घोषित था। संतोष उर्फ लालपवन मूलतः बीजापुर जिले का निवासी है, जो वर्ष 2005 से माओवादी संगठन में सक्रिय था।

# बंगाल में बाबरी मस्जिद के लिए क्यूआर कोड का दुरुपयोग, विधायक के फाउंडेशन ने दर्ज कराई शिकायत

**एजेंसी**

**मुर्शिदाबाद।** तृणमूल कांग्रेस से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा संचालित फाउंडेशन ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में प्रस्तावित बाबरी मस्जिद शैली की मस्जिद के लिए चंदा इकट्ठा करने के लिए बनाए गए क्यूआर कोड का अज्ञात व्यक्तियों द्वारा दुरुपयोग किया गया है। विधायक की वेस्ट बंगाल इस्लामिक फाउंडेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूबीआईएफआई) ने दावा किया कि नकली क्यूआर कोड का उपयोग करके धोखाधड़ी की गई है। फाउंडेशन ने कहा कि उसने पश्चिम बंगाल पुलिस की साइबर क्राइम यूनिट में शिकायत दर्ज कराई है। फाउंडेशन के संयुक्त कोषाध्यक्ष अमीनुल शेख ने बहरमपुर साइबर क्राइम पुलिस में तीन अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 336(3), 338 और 61(2) के तहत मामला दर्ज किया है और घटना की जांच शुरू कर दी है। शिकायत के अनुसार, आरोपितों ने कथित तौर पर ट्रस्ट के विवरण की

नकल की और चंदे को डायवर्ट करने के लिए एक नकली क्यूआर कोड तैयार किया। शेख ने आगे आरोप लगाया कि इस नकली कोड के माध्यम से धोखाधड़ी से धन एकत्र किया जा रहा था। भरतपुर विधायक ने आरोप लगाया कि कथित धोखाधड़ी के पीछे तृणमूल विधायक रबीउल आलम चौधरी हैं, जो रेजीनगर से विधायक हैं। कबीर ने कहा कि मेरी फाउंडेशन ने साइबर क्राइम यूनिट में शिकायत दर्ज की है। मुझे पता चल गया है कि यह किसने किया। रबीउल आलम चौधरी के समर्थकों ने यह किया है। अगर पुलिस कार्रवाई करती है तो अच्छा होगा, अन्यथा मेरे पास खुद कार्रवाई करने की शक्ति है। मैं उचित कार्रवाई करूंगा। जिस बैंक में पैसा गया है उसे भी नहीं छोड़ूंगा। आरोपों का जवाब देते हुए चौधरी ने किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया और कबीर के दावों पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, चाहे वह मेरे लोग हों या कोई और, हम चाहते हैं कि वह साबित करें कि धोखाधड़ी किसने की। तब हमें भी पता चलेगा। अब तक वह मेरे खिलाफ निराधार आरोप लगा रहे हैं।उल्लेखनीय है कि, कबीर द्वारा प्रचारित प्रस्तावित मस्जिद परियोजना के लिए लगभग 3.50 करोड़ पहले ही एकत्र किए जा चुके हैं। 11 ट्रंकों में रखे नकद दान की मैनुअल गिनती बुधवार रात को पूरी हुई थी।

इसके अलावा, क्यूआर कोड भुगतान के माध्यम से ऑनलाइन दान ट्रस्ट के निर्धारित बैंक खाते में जमा किया गया था। यह वही क्यूआर कोड है जिसके दुरुपयोग का आरोप फाउंडेशन ने लगाया है। कबीर को लेकर विवाद पिछले सप्ताह तब शुरू हुआ जब उन्होंने मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद शैली की मस्जिद की आधारशिला रखने की योजना की घोषणा की।

# मप्र के ग्वालियर में तानसेन समारोह की पूर्व संध्या पर रविवार को सजेगी पूर्वरंग 'गमक' संगीत सभा

**एजेंसी**

**ग्वालियर।** मध्य प्रदेश की संगीतधानी ग्वालियर में तानसेन समारोह की पूर्व संध्या पर रविवार, 14 दिसम्बर को सायंकाल लगभग 6 बजे हजीरा स्थित इंटक मैदान में पारंपरिक रूप से पूर्वरंग 'गमक' संगीत सभा सजेगी। 'गमक' की सभा विश्व विख्यात सूफी गायिका, पार्श्व गायिका एवं शास्त्रीय संगीत गायिका सुश्री जसपिंदर नरूला की प्रस्तुतियों से गुलजार होगी। दुनियाभर में सूफियाना, सुगम संगीत व फिल्मी पार्श्व गायन का परचम लहरा रहीं जसपिंदर नरूला बॉलीवुड फिल्मों में भी कई हिट गीत गा चुकी हैं। उन्हें हिन्दी फिल्म 'प्यार तो होना ही था' में रेमो फर्नांडिस के साथ गाए गए टाइटल गीत से प्रसिद्धि मिली थी। इसके लिये नरूला को वर्ष 1999 में सर्वश्रेष्ठ फिल्म फेयर पुरस्कार से नवाजा गया था। जसपिंदर नरूला ने इसके अलावा 'मिशन कश्मीर ', 'मोहब्बतें ', 'फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' एवं 'बंटी और बबली' जैसी हिट फिल्मों के गानों को अपनी आवाज दी है। सुश्री जसपिंदर नरूला सूफी संगीत के साथ-साथ गुरुवानी और सिख धर्म के संगीत की निपुण गायिका भी हैं। जसपिंदर नरूला ने मुदासिर अली के साथ हिंदी संगीत वीडियो 'मौला अली अली' में भी गाया है। इसके अलावा रियलिटी श्रृंखला 'धूम मचा दे' में भारत की सर्वश्रेष्ठ लाइव कलाकार का खिताब भी जीता है। उनके सूफियाना कलाम, भजन एवं गीतों से रविवार, 14 दिसम्बर की शाम संगीतमय होगी। राज्य शासन के संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन, नगर निगम व पुलिस के सहयोग से आयोजित हो रहे तानसेन समारोह की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। समारोह में शहर के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, संगीत प्रेमियों एवं पत्रकारगणों को आमंत्रित किया गया है। समारोह पूर्णतः निःशुल्क है। ग्वालियर में संगीत शिरोमणि तानसेन की स्मृति में आयोजित 101वे 'तानसेन संगीत समारोह' की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। संभागीय आयुक्त मनोज खत्री ने पुलिस महानिरीक्षक अरविंद कुमार सक्सेना, पुलिस उप महानिरीक्षक अमित सांघी, कलेक्टर रुचिका चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह, नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय एवं उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी के निदेशक प्रकाश सिंह ठाकुर के साथ तानसेन समाधि परिसर व इंटक मैदान पहुँचकर तैयारियों का जायजा लिया। इस अवसर पर संभाग आयुक्त खत्री ने आयोजन से जुड़े सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि तानसेन समारोह की सभी व्यवस्थाएं उच्चकोटि की हों।

# भारतीय टीम ने अंडर-19 एशिया कप में पाकिस्तान को हराया

**दुबई (एजेंसी)।** आरोन जॉर्ज के शानदार अर्धशतक के बाद दीपेश देवेंद्रन और कनिष्क चौहान की घातक गेंदबाजी की सहायता से भारतीय टीम ने पाकिस्तान को अंडर-19 एशिया कप क्रिकेट मैच में 90 रनों से हरा दिया। इस मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतने के बाद भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया था। भारत ने आरोन के 85 और कनिष्क के 46 रनों की सहायता से 46.1 ओवर में 240 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 241 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान टीम 41.2 ओवर में 150 रन ही बना पायी। पाकिस्तान की टीम 241 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी। उसकी शुरुआत धीमी और टीम के लगातार विकेट गिरते गये। केवल हुजैफा अहसान ही 50 रन बनाये पाये। इस खिलाड़ी के आउट होते ही पाक टीम की बल्लेबाजी ढह गयी।

इससे पहले आरोन और कनिष्क की अच्छी बल्लेबाजी से भारतीय टीम ने 240 रन बनाए। इस मैच में आरोन ने 85 रन की अर्धशतकीय पारी खेली जबकि कनिष्क ने 46 रन बनाये। वहीं पाक की ओर से मोहम्मद सैयम और अब्दुल सुभान ने 3-3 विकेट लिए। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आज असफल रहे और केवल 5 रन ही बना पाये। वह 3.2 ओवर में मोहम्मद सैय्यम का शिकार बने।

यशस्वी के अलावा भारतीय टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे भी 38 रन ही बना पाये। विहान मल्होत्रा ने 12 रन जबकि वेदांत त्रिवेदी ने 7 रन बनाये। अभिज्ञान कुंडू ने 32 गेंदों पर 22 रन बनाए। आरोन ने सबसे बेहतर खेलते हुए 12 चौके और एक छक्का लगाकर 88 गेंदों पर 85 रन बनाए। खिलान पटेल केवल 6 रन ही बना पाये। कनिष्क चौहान 46 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 46 गेंदों पर 2 चौके, 3 छक्के लगाये। -हेनिल पटेल12 रन जबकि दीपेश देवेंद्रन 1रन बनाकर पेवेलियन लौटे।

# भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी भी प्राप्त करने वाला - अमित शाह

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावे के साथ कहा है कि भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी भी प्राप्त करने वाला है। उन्होंने यह बात अहमदाबाद में आयोजित सांसद खेल महोत्सव में कही। अमित शाह ने महोत्सव में उपस्थित लोगों से कहा कि वे और भी बड़े खेलों के आयोजन के लिए तैयार हो जाएं।

सांसद खेल महोत्सव में अमित शाह ने कहा, आप सबको हाल ही में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिली है। मगर अहमदाबाद के लोगों तैयार हो जाओ, क्योंकि इस शहर में 2036 के ओलंपिक्स भी आने वाले हैं। बता दें कि यह समारोह नारनपुरा में हुआ, जहां अमित शाह नवनिर्मित वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में पहुंचे थे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार से गुजरात की तीन दिवसीय यात्रा शुरू की थी। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद 2036 से पहले कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के इवेंट्स की मेजबानी करने वाला है। उन्होंने अपना उद्देश्य स्पष्ट रखते हुए कहा कि उनका लक्ष्य खेलों का ऐसा माहौल तैयार करना और एक ऐसा बुनियादी ढांचा तैयार करना है, जो ओलंपिक्स जैसे बड़े आयोजनों का समर्थन कर सके।

उन्होंने बताया कि अहमदाबाद में किस स्तर पर खेलों के विकास का प्रयास हो रहा है। 800 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया वीर सावरकर कॉम्प्लेक्स इसी का एक उदाहरण है। इसके अलावा उन्होंने मोटेरा स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल स्पोर्ट्स एंक्लेव का भी जिक्र किया।

अमित शाह ने आत्मविश्वास के साथ कहा, मुझे विश्वास है कि जब भारत ओलंपिक्स की मेजबानी करेगा, तब भारत पदक विजेता देशों की टॉप-5 सूची में आ जाएगा। उन्होंने बताया कि 2014 में खेल बजट 800 करोड़ का था, लेकिन अगले 11 सालों में यह बढ़कर 2025 में 4 हजार करोड़ का हो गया है।

# हार्दिक पांड्या ने अपने नाम की बड़ी उपलब्धि, टी20आई में ये रिकॉर्ड बनाने वाले पहले भारतीय बने

**नई दिल्ली ।** दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे तीसरे मैच में हार्दिक पांड्या ने बड़ा रिकॉर्ड बनाते हुए टी20आई में अपने 100 विकेट पूरे कर लिए हैं। धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ स्टेडियम में उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। हार्दिक से पहले अर्शदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह इस मुकाम को हासिल कर चुके हैं।

पांड्या को टी20आई में 100 विकेट पूरे करने के लिए एक विकेट की जरूरत थी। उन्होंने ट्रिस्टन स्टब्स को 6.6 ओवर में जितेश शर्मा के हाथों आउट करवाकर यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। इतना ही नहीं पांड्या भारत के लिए टी20आई में 100 विकेट लेने और 1000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी हैं। वहीं ओवरऑल बात करें तो वह इस एलीट लिस्ट में जिम्बाब्वे के सिकंदर रज़ा, बांग्लादेश के शाकिब अल हसन और अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी के साथ शामिल हो गए हैं।

### टी20आई में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट

अर्शदीप सिंह - 71 मैचों में 108 विकेट

जसप्रीत बुमराह - 82 मैचों में 101 विकेट

हार्दिक पांड्या - 123 मैचों में 100 विकेट

युजवेंद्र चहल - 80 मैचों में 96 विकेट

भुवनेश्वर कुमार - 87 मैचों में 90 विकेट

### प्लेइंग 11

भारत : अभिषेक शर्मा, शुबमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती

दक्षिण अफ्रीका : रीजा हेंड्रिक्स, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), एडेन मार्कराम (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, ट्रिस्टन स्टब्स, डोनोवन फरेरा, मार्को जेनसन, कॉर्बिन बॉश, एनरिक नॉर्टजे, लुंगी एनगिडी, ओटनील बार्टमैन

# गिल के मुकाबले इस बल्लेबाज का फॉर्म भारत के लिए ज्यादा चिंता की बात : मोहम्मद कैफ

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि ICC T20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले शुभमन गिल के मुकाबले सूर्यकुमार यादव का फॉर्म मेन इन ब्लू के लिए ज्यादा चिंता का विषय है। टी20 वर्ल्ड कप का 10वां एडिशन 7 फरवरी 2026 को शुरू होगा और 8 मार्च को फाइनल तक होगा। भारत और श्रीलंका 20 टीमों के इस टूर्नामेंट की सह-मेजबानी 29 दिनों में आठ जगहों (भारत में पांच और श्रीलंका में तीन) पर करेंगे।

### सूर्या का फॉर्म भारत के लिए ज्यादा चिंता का विषय : कैफ

इस साल टी20आई क्रिकेट में दोनों बल्लेबाजों के संघर्ष को देखते हुए मोहम्मद कैफ को लगता है कि भारत को गिल के बजाय सूर्या के फॉर्म के बारे में ज़्यादा

चिंता करनी चाहिए क्योंकि एक तय कप्तान को बदला नहीं जा सकता। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'टी20 वर्ल्ड कप नजदीक है, इसलिए गिल के मुकाबले सूर्या का फॉर्म भारत के लिए ज्यादा चिंता का विषय है। भारत के पास ओपनिंग के कई विकल्प हैं, लेकिन एक तय कप्तान को बदला नहीं जा सकता।'

### 2025 में एक भी फिफ्टी नहीं लगा पाए सूर्या और गिल

टी20आई क्रिकेट में सूर्यकुमार का फॉर्म तेजी से गिरा है। भारत के टी20आई कप्तान ने इस साल 19 मैचों में 201 रन बनाए हैं। सूर्यकुमार इस साल टी20आई में अभी तक एक भी फिफ्टी नहीं बना पाए हैं। इस दाएं हाथ के बल्लेबाज का औसत 14.35 और स्ट्राइक रेट 126.41 रहा है। दूसरी ओर गिल का भी टी20आई क्रिकेट में यह साल अच्छा नहीं रहा है। इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने इस साल सबसे छोटे फॉर्मेट में 14 मैचों में 263 रन बनाए हैं। गिल अभी तक एक भी फिफ्टी नहीं बना पाए हैं। उनका औसत 23.90 और स्ट्राइक रेट 142.93 है।

# आईपीएल2026 ऑक्शन से पहले सरफराज खान का धमाका, सिर्फ इतनी गेंदों में जड़ी तूफानी फिफ्टी

**मुम्बई (एजेंसी)।** आईपीएल 2026 मिनी ऑक्शन से पहले सरफराज खान ने अपने बल्ले से जोरदार संदेश दे दिया है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में मुंबई की ओर से खेलते हुए सरफराज ने हरियाणा के खिलाफ महज 25 गेंदों में 64 रनों की विस्फोटक पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 18 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और 256 के शानदार स्ट्राइक रेट से रन बरसाए। उनकी इस पारी में 9 चौके और 3 छक्के शामिल रहे।

### हरियाणा के गेंदबाजों पर बरपा कहर

सुपर लीग के शुरुआती मुकाबले में हैदराबाद के खिलाफ फ्लॉप रहने के बाद सरफराज ने जोरदार वापसी की। हरियाणा के खिलाफ उन्होंने शुरू से ही आक्रामक तेवर दिखाए और गेंदबाजों को संभलने का मौका नहीं दिया। उनकी यह पारी ऑक्शन से पहले फ्रेंचाइजियों का ध्यान खींचने के लिए काफी मानी जा रही है।

### हाई-स्कोरिंग मैच में मुंबई की शानदार जीत

इस मुकाबले में हरियाणा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 234 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने आक्रामक अंदाज में लक्ष्य का पीछा किया। सरफराज खान और यशस्वी जायसवाल के बीच 37 गेंदों में 88 रनों की तेज साझेदारी हुई। जायसवाल ने 50 गेंदों में 101 रन की शतकीय पारी खेली और मुंबई ने 15 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। इस रोमांचक टी20 मैच में कुल 472 रन बने।

### ऑक्शन के पहले सेट में शामिल सरफराज

आईपीएल 2026 मिनी ऑक्शन 16 दिसंबर को अबू धाबी में होगा। 1000 से ज्यादा खिलाड़ियों में से 350 को शॉर्टलिस्ट किया गया है। सरफराज खान का नाम

ऑक्शन के पहले सेट में शामिल है, जिसमें पृथ्वी शॉ, कैमरून ग्रीन, टिम डेविड, डेवोन कॉनवे और जेक फ्रेजर मैकगर्क जैसे बड़े नाम भी मौजूद हैं। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए सरफराज पर बड़ी बोली लगने की पूरी संभावना है।

# विजय हजारे ट्रॉफी खेल सकते हैं रोहित शर्मा और विराट कोहली

नई दिल्ली। रोहित शर्मा और विराट कोहली इस साल विजय हजारे ट्रॉफी खेल सकते हैं। कोहली का नाम भारत के प्रमुख 50 ओवर के घरेलू टूर्नामेंट के लिए दिल्ली की संभावित टीम में शामिल होने के बाद , रोहित का चयन भी लगभग तय है। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की मुंबई में विजय हजारे ट्रॉफी के कुछ मैचों में खेलने की संभावना हैं ताकि भारत की अगली वनडे सीरीज से पहले उन्हें तैयारी का मौका मिल सके। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सफल सीरीज के बाद, भारत की अगली वनडे द्विपक्षीय सीरीज न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होगी।

इसका मतलब है कि उस सीरीज से पहले काफी समय है और अब केवल वनडे फॉर्मेट में खेलने वाले रोहित शर्मा और कोहली घरेलू क्रिकेट में खेल सकेंगे। यह बीसीसीआई की उस नीति के अनुरूप भी है जिसके तहत फिट और उपलब्ध सभी खिलाड़ियों के लिए घरेलू मैच खेलना अनिवार्य है। महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन के एक सूत्र ने बताया, 'टीम का चयन हर मैच के आधार पर किया जाएगा और हमें उम्मीद है कि रोहित कुछ मैच खेलेंगे, हालांकि अभी तक उनकी तरफ से कोई पुष्टि नहीं मिली है, लेकिन अभी समय है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के बाद अगले हफ्ते टीम का चयन होने की संभावना है। अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे मैच भी हैं, इसलिए उनकी उपलब्धता पर निर्भर करेगा।'

# मंधाना ने हरमनप्रीत के नाम का स्टैंड बनने पर दी बधाई, कहा मुझे तुम पर गर्व है

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाम पर एक स्टैंड का नाम किये जाने पर बधाई देते हुए कहा है कि मुझे तुम पर गर्व है। मंधाना ने हरमनप्रीत को सोशल मीडिया पर बधाई देते हुए लिखा कि महिला क्रिकेट के

लिए ये दिन दिन काफी अच्छा रहा जब किसी खिलाड़ी के नाम पर स्टैंड बना है। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने विश्व विजेता टीम की कप्तान हरमनप्रीत को सम्मानित करने उनके नाम पर एक स्टेडियम का उद्घाटन किया था। बीसीसीआई ने हरमनप्रीत का एक वीडियो अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया है। इसे साझा करते हुए मंधाना ने लिखा, 'बधाई हो हरमनप्रीत। महिला क्रिकेट के लिए क्या शानदार दिन है, मुझे तुम पर बहुत गर्व है।' इस वीडियो में हरमनप्रीत ने कहा, 'विश्व कप जीतने के बाद मेरी जिंदगी में बहुत कुछ बदल गया है पर मुझे लगता है कि यह मेरे लिए एक खास पल है जिस मैदान पर मैंने खेलना शुरू किया था, आज आखिरकार उसपर मेरे नाम पर एक स्टैंड बना है। ये मेरे लिए बेहद गर्व का पल है और मैं इसके लिए पीसीए की आभारी हूं। लंबे संघर्ष के बाद ये दिन आया है। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम ने आईसीसी विश्वकप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था। वह तीसरी भारतीय महिला क्रिकेटर बनीं जिनके नाम पर एक स्टैंड का नाम रखा गया है. इससे पहले झूलन गोस्वामी और मिताली राज के नाम पर स्टैंड बने थे पर हरमनप्रीत को सक्रिकय क्रिकेटर के तौर पर ये सम्मान मिला है। इसके साथ ही हरमनप्रीत को 11 लाख रुपये का चेक भी मिला है। के अलावा अमनजोत कौर और हरलीन देओल को भी 11 लाख रुपये मिले हैं। वहीं फील्डिंग कोच मुनीश बाली को 5 लाख रुपये मिले हैं।

# नीदरलैंड्स ने अर्जेंटीना को हराकर जीता एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप का खिताब

**सैंटियागो (चिली) (एजेंसी)।** नीदरलैंड्स ने फाइनल मुकाबले में एक बार फिर से ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना को 2-1 से हराकर लगातार तीसरी बार एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। डच टीम ने रिकॉर्ड छठी बार विश्व कप का खिताब जीता और 2022, 2023 और अब 2025 में जीत के साथ लगातार तीसरा खिताब अपने नाम किया।

मैच की शुरुआत में नीदरलैंड्स ने पहले हाफ में एक पेनल्टी कॉर्नर और एक ओपन प्ले से गोल करके मैच अपने नाम कर लिया और फिर निर्णायक चरणों में एक बहुत ही मजबूत रक्षात्मक संरचना के माध्यम से अपनी मामूली बढ़त को बनाए

रखा।इस दौरान अर्जेंटीना लगातार दबाव दिखी। नीदरलैंड्स को दूसरे क्वार्टर में सफलता उसम समय मिली जब आइवी टेलियर ने 24वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल करके डच टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। गूसजे मोएस ने 27वें मिनट में गोल करके बढ़त को दोगुना कर दिया।

अर्जेंटीना ने रक्षात्मक अनुशासन के साथ जवाब दिया, दबाव के सबसे कठिन चरणों को सहा और पेनल्टी कॉर्नर से अपने पहले स्कोरिंग मौके बनाए, दूसरे क्वार्टर में दो प्रयास किए लेकिन सफलता नहीं मिली। दूसरे हाफ में अर्जेंटीना ने लारा कैसास ने 37वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया और अर्जेंटीना की खिताबी मुकाबले में वापसी कराई। इसके बाद नीदरलैंड्स ने अपनी रक्षापंक्ति को मजबूत बनाए और रखा और अर्जेंटीना को गोल करने का कोई मौका नहीं दिया। ब्राजील ने चीन को 5-1 से हराकर कांस्य पदक जीता।

# सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : यशस्वी के शतक से मुम्बई ने हरियाणा को हराया

मुम्बई । बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के शतक 101 रनों की सहायता से मुम्बई ने हरिणाण के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी ट्रॉफी में जीत के लिए मिले 235 रनों के लक्ष्य को छह विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया है। ये इस टूर्नामेंट में लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले सबसे बड़ी जीत का रिकार्ड झारखंड को था जो उसने पंजाब बे खिलाफ 237 रन बनाकर हासिल किया था। इस मैच में अपनी पारी से यशस्वी ने साबित किया है कि वह केवल टेस्ट ही नहीं टी20 के भी अच्छे बल्लेबाज हैं। सुपर लीग के इस मैच में हरियाणा ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए एक बड़ा स्कोर बनाया।। उनके बल्लेबाज़ों ने शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी रते हुए मुंबई के गेंदबाज़ों को कोई मौका नहीं दिया। 235 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछ करते हुए यशस्वी ने पूरी जिम्मेदारी से खेला। नॉकआउट चरण के इस मैच में मुंबई की टीम ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। उसके खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही सराकात्मक रुख अपनाया। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए यशस्वी जायसवाल ने शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी की । इस बल्लेबाज ने एक के बाद एक आक्रामक शॉट खेले और केवल 48 गेंदों में ही अपने 50 रन पूरे कर लिये। यशस्वी ने अपनी इस पारी में 16 चौके और एक छक्का लगाया। ये उनका टी20 में चौथा शतक था। यशसवी की बल्लेबाजी के सामने हरियाणा के गेंदबाज बेबस दिखे। सबसे अधिक अंशुल कंबोज पर उनका कहर टूटा। कंबोज की 13 गेंदों पर ही उन्होंने 34 रन बना दिये। वहीं सुमित कुमार के एक ओवर में उन्होंने केवल 13 गेंदों में 25 रन बनाये। इससे मुंबई का रन रेट अच्छा बना रहा और उसके बल्लेबाजों पर कोई दबाव नहीं आया। यशस्वी जब आउट हुए तब मुंबई को जीत के लिए केवल सात रन बनाने थे। जीत से सिर्फ सात रन दूर थी।

# पीसीबी ने टी20 विश्व कप 2026 पोस्टर में उसके कप्तान को जगह नहीं मिलने पर नाराजगी जतायी , आईसीसी से की शिकायत

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आरोप लगाया है कि टी20 विश्व कप 2026 के टिकट पोस्टर में पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा की तस्वीर नहीं लगायी गयी है। पीसीबी ने इस बारे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से भी शिकायत की है। पीसीबी का कहना है कि पाक कप्तान को पोस्टर में जगह नहीं दिया जाना संतुलन और निष्पक्षता के सिद्धांतों के खिलाफ है, क्योंकि पाक टीम टूर्नामेंट का हिस्सा है। पीसीबी ने इस मामले पर आईसीसी को पत्र लिखकर नाराजगी भी जतायी है। पीसीब का कहना है कि ऐसे प्रमोशनल पोस्टर करोड़ों फैंस तक पहुंचते हैं और इनमें पाक कप्तान के नहीं होने से प्रशंसकों को ठेस लगती है। पीबीबी ने ये भी कहा कि एशिया कप के दौरान भी पाक कप्तान को प्रमोशनल कैंपेन में जगह नहीं मिली थी। पीसीबी ने कहा कि उसे उम्मीद है कि आइसीसी इस मामले पर ध्यान देगी। पाकिस्तान टीम अभी आईसीसी टी20 रैंकिंग में सातवें स्थान पर है पर पीसीबी का मानना है कि रैंकिंग के आधार पर किसी देश के कप्तान की उपेक्षा नहीं की जा सकती। पीसीबी का कहना है कि उसके दुनिया भर में काफी प्रशंसक है और इसी कारण उसे भी बराबर प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। दूसरी ओर आईसीसी ने अभी तक अपनी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। अब देखना होगा कि आईसीसी इस मामले में क्या फैसला करता है।

# गनथर के खिलाफ हार के साथ ही सीना का 25 साल लंबा डब्ल्यूडब्यलूई करियर समाप्त हुआ

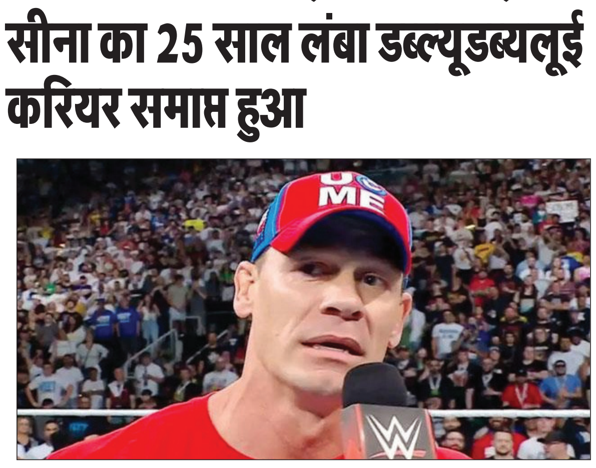

वॉशिंगटन । दिग्गज डब्ल्यू डब्यलू ई रेसलर जॉन सीना को यहां कैपिटल वन एरीना में हुए अपने अंतिम मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। सीना को इस मैच में गनथर ने हराया। गनथर के सामने इस मुकाबले में सीना टिक नहीं पाये और उन्होंने हार मान ली। मैच के बाद सीना ने अपनी टी-शर्ट और रिस्टबैंड रिंग में छोड़ने और दर्शकों का अभिवादन करने के बाद रिंग से विदायी दे ली। इस मुकाबले में सीना ने अंतिम बार अपनी ताकत दिखाने का प्रयास किय पर गनथर के सामने उनकी एक न चली। इस मुकाबले के साथ ही सीना का 25 साल लंबा डब्ल्यू डब्यलू ई करियर समाप्त हो गया। इसमें सीना का बनाया हुआ गीत 卐 माय टाइम इज नाउ卐 बज रहा था। सीना के प्रतिद्वंदी गुंथर के नाम भी कई रिकार्ड हैं। वह डब्ल्यू डब्यलू ई इतिहास के सबसे लंबे समय तक इंटरकॉन्टिनेंटल चैंपियन रहे हैं और पूर्व विश्व हेवीवेट चैंपियन भी हैं। ऐसे में प्रशंसकों को एक रोमांच मुठभेड़ देखने को मिली। इसमें सीना पूरी ताकत से उतरे।

सीना ने पहले ही साफ कर दिया था कि यह उनका आखिरी मैच है और इसके बाद वह सक्रिय रेसर के रूप में नहीं उतरेंगे। सीना ने कहा है कि मुझे अच्छा लगता है कि प्रशंसक सोचते हैं कि मैं फिर लौट सकता हूं हालांकि इस बार ऐसा नहीं होगा। उनके अनुसार यह मुकाबला उनके करियर का अंतिम मैच था। भले ही भविष्य में रेसलमेनिया जैसे बड़े इवेंट हों पर अब वह रिंग में नहीं उतरतेंगे। सीना को पीपल्स चैंपियन भी कहा जाता है। उन्होंने डब्ल्यू डब्यलू ई के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर इसे पूरी दुनिया में लोकप्रिय बनाया था। उन्होंने अपने फाउंडेशन के जरिए हजारों बीमार बच्चों की इच्छाएं पूरी कीं। इसी कारण रिंग के अंदर और बाहर, दोनों जगह उनके प्रशंसकों की भारी संख्या रही है। इसी कारण उनके विदायी मैच में प्रशंसक भावुक हो गये थे। इस दौरान कई दिग्गज सितारे भी दर्शकों में शामिल थे।

# वैभव सूर्यवंशी जैसा टैलेंट, लेकिन एक चूक से शुरू होने से पहले खत्म हो गया करियर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट में जब भी कोई युवा बल्लेबाज अपने आक्रामक खेल से सुर्खियां बटोरता है, तो उससे बड़ी उम्मीदें जुड़ जाती हैं। आज वैभव सूर्यवंशी उसी दौर से गुजर रहे हैं। बेखौफ बल्लेबाज़ी, तेज स्ट्रोक्स और मैच का रुख पलटने की क्षमता ने उन्हें उभरते सितारे के रूप में स्थापित किया है। लेकिन यही खूबियां कभी एक और युवा बल्लेबाज़-पृथ्वी शॉ में भी नजर आती थीं। फर्क सिर्फ इतना है कि वैभव का सफर शुरू हो रहा है, जबकि पृथ्वी शॉ की कहानी एक चेतावनी बन चुकी है।

### वैभव सूर्यवंशी: आक्रामकता की नई पहचान

वैभव सूर्यवंशी अपनी अटैकिंग बल्लेबाज़ी के लिए पहचाने जाने लगे हैं। आईपीएल से लेकर अंडर-19 एशिया कप तक, उन्होंने अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। यूएई के खिलाफ 95 गेंदों में 171 रनों की धमाकेदार पारी ने उन्हें अलग पहचान दी। नई गेंद हो या तेज गेंदबाज़, वैभव शुरुआत से ही दबाव बनाना जानते हैं। तेज फुटवर्क, शानदार कवर ड्राइव और दमदार पुल शॉट उनकी बल्लेबाज़ी की खासियत हैं।

### पृथ्वी शॉ का सपनों जैसा उदय

पृथ्वी शॉ का करियर किसी सपने से कम नहीं था। अंडर-19 वर्ल्ड कप में कप्तानी, टेस्ट डेब्यू में शतक और घरेलू क्रिकेट में रनों की बरसात-हर जगह उनका बल्ला बोल रहा था। उनकी आक्रामक शैली के चलते क्रिकेट जगत ने उन्हें ÷नेक्स्ट सुपरस्टार÷ तक कहना शुरू कर दिया था। लेकिन शुरुआती सफलता के साथ आया दबाव और शोहरत को वह संभाल नहीं पाए।

### अनुशासन की कमी बनी सबसे बड़ी वजह

जहां वैभव के सामने लंबा रास्ता है, वहीं पृथ्वी शॉ का करियर गलत फैसलों की भेंट चढ़ गया। खराब रूटीन, फिटनेस पर ध्यान न देना और मैदान के बाहर की जिंदगी को प्राथमिकता देना-इन सबका असर उनके खेल पर पड़ा। चयनकर्ताओं का भरोसा डगमगाया और धीरे-धीरे टीम इंडिया के दरवाज़े उनके लिए बंद होते चले गए। टैलेंट भरपूर था, लेकिन कमिटमेंट की कमी ने सब कुछ खत्म कर दिया।

### वैभव के लिए सबक

वैभव सूर्यवंशी आज उसी मोड़ पर खड़े हैं, जहां कभी पृथ्वी शॉ थे। फर्क बस इतना है कि इतिहास अब सामने है। पृथ्वी शॉ की कहानी वैभव के लिए चेतावनी है कि सिर्फ प्रतिभा से करियर नहीं बनता। अनुशासन, फिटनेस, सही संगत और फोकस ही किसी खिलाड़ी को लंबी रेस का घोड़ा बनाते हैं।

### निष्कर्ष

भारतीय क्रिकेट ने कई ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी देखे हैं, जो उम्मीदों का बोझ नहीं संभाल पाए।

पृथ्वी शॉ का टैलेंट वैभव सूर्यवंशी से कम नहीं था, लेकिन एक छोटी सी चूक ने उनके करियर की दिशा बदल दी। अब यह वैभव पर निर्भर करता है कि वह इतिहास से सबक लेकर खुद को भारतीय क्रिकेट का सच्चा भविष्य बनाते हैं या नहीं।

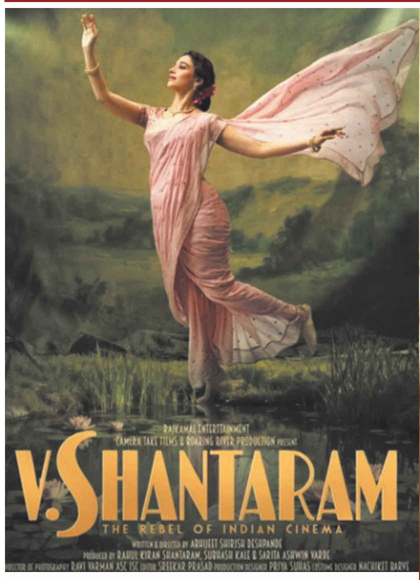


# जयश्री के पोस्टर पर मिली प्रतिक्रिया से गदगद हुईं तमन्ना भाटिया

इस साल कुछ बायोपिक फिल्में रिलीज हो चुकी हैं, और कुछ रिलीज के लिए बाकी हैं, लेकिन कुछ ही ऐसी होती हैं जो चर्चा का विषय बन पाती हैं। वी. शांताराम भी इसी कड़ी में एक महत्वपूर्ण फिल्म होगी, जो हिंदी सिनेमा के स्वर्णिम दौर को फिर से जीवंत करेगी। दरअसल, यह फिल्म बीते जमाने के महान निर्देशक वी. शांताराम के जीवन पर आधारित है, जिनका किरदार अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी निभा रहे हैं। वहीं, फिल्म में वी. शांताराम की पत्नी जयश्री का किरदार अभिनेत्री तमन्ना भाटिया निभा रही हैं। हाल ही में मेकर्स ने अभिनेत्री के पहले लुक की तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें वे गुलाबी रंग की साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आ रही थीं। यह लुक पुराने दौर के भारतीय सिनेमा की याद दिला रहा था।

अभिनेत्री का लुक रिवील होने के बाद प्रशंसकों समेत इंडस्ट्री के कई लोगों ने तारीफ की थी। अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके लिखा, जयश्री जी के पोस्टर पर प्यार मिला, वह पूरी अभिनेत्री का है। उनकी शालीनता, सुंदरता और विरासत को मेरा सलाम। जब मैंने फिल्म को लेकर हां कहा है, तब से ही जयश्री से मेरा लगाव गहरा हो गया था। वी. शांताराम की सोच ने अपने समय से बहुत आगे बढ़कर सिनेमा को नया रूप दिया था। उन्होंने लिखा, जयश्री बनने ने मुझे जितना सिखाया है, मैंने सोचा भी नहीं था और अब मैं इस यात्रा के आगे आने वाले हर अनुभव का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। अभिनेत्री की पोस्ट उनके फैंस और साथी कलाकारों को काफी पसंद आ रही है। वे कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने हार्ट इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी।

# आलिया भट्ट को मिला गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट के खाते में एक और उपलब्धि जुड़ गई है। एक्ट्रेस को रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। आलिया को ट्यूनीशियाई अभिनेत्री हेंड सबरी के साथ एक समारोह में सम्मानित किया गया, जिन्हें उमर शरीफ अवॉर्ड से नवाजा गया। रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का पांचवां संस्करण सऊदी अरब के जेद्दा में आयोजित किया जा रहा है।

## आलिया ने जताई खुशी

गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड जीतने पर खुशी जताते हुए आलिया ने कहा कि गोल्डन ग्लोब्स द्वारा सम्मानित होना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं दुनिया भर में फिल्म और टेलीविजन में बदलाव ला रही महत्वाकांक्षी कलाकारों और महिलाओं की नई पीढ़ी की ओर से बोलने का मौका मिलने के लिए आभारी हूं। ऐसे समय में जब वैश्विक स्तर प्रभावशाली कहानियों को बताने के लिए लोग एकजुट हो रहे हैं, यह सम्मान वाकई काफी महत्वपूर्ण बन जाता है।

## गोल्डन ग्लोब की अध्यक्ष ने की आलिया की प्रशंसा

इस मौके पर गोल्डन ग्लोब्स की अध्यक्ष हेलेन होहेन ने कहा कि हमें आलिया भट्ट को गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड से सम्मानित करते हुए बेहद खुशी हो रही है। यह पुरस्कार अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में उनके असाधारण योगदान के लिए है। साथ ही वैश्विक मंच पर फिल्म व टेलीविजन के एक गतिशील और प्रभावशाली केंद्र के रूप में मिडिल ईस्ट के लगातार आगे बढ़ने का जश्न मनाता है।

## 'अल्फा' में नजर आएंगी आलिया

वर्कफ्रंट की बात करें तो आलिया भट्ट जल्द ही यशराज फिल्म के स्पाई यूनिवर्स की आगामी फिल्म 'अल्फा' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ शरवरी वाघ और बॉबी देओल भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। आलिया आखिरी बार फिल्म 'जिगरा' में नजर आई थीं।

# डिजिटल क्रिएशन पर बोलीं प्राजक्ता कोली

यूट्यूबर और एक्ट्रेस प्राजक्ता कोली ने साफ कहा है कि डिजिटल कंटेंट क्रिएशन का दौर न तो खत्म हुआ है और न ही धीमा पड़ा है, बल्कि पिछले दस साल में यह पहले से कहीं ज्यादा बड़ा, तेज और अनिश्चित हो गया है। बातचीत में जब उनसे पूछा गया कि क्या सोशल मीडिया अब इन्फ्लुएंसर-डॉमिनेटेड हो गया है और कंटेंट क्रिएटर्स की शेल्फ लाइफ खत्म हो रही है, तो प्राजक्ता ने कहा, मुझे बिल्कुल ऐसा नहीं लगता। यह कम नहीं हुआ है, बस बदल गया है। दस-ग्यारह साल पहले जब हमने काम शुरू किया था, तब सिर्फ लॉन्ग-फॉर्म वीडियो चलते थे। आज लोगों का अटेंशन बस बंट गया है। आज कई नए-नए प्लेटफॉर्म्स आ गए हैं। प्राजक्ता ने साल 2017 के डिजिटल बूम को गेम-चेंजर बताया। उन्होंने कहा, उसी बूम की वजह से आज भारत में इतना काम है कि पहले से कहीं ज्यादा क्रिएटर्स मौजूद हैं। यही कारण है कि आज भारत दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल इकॉनमी बन चुका है। हर बड़ा ब्रांड, हर बड़ी कंपनी भारत की तरफ देख रही है और हमारे साथ काम करना चाहती है।

क्रिएटर बनने की जर्नी को उन्होंने पूरी तरह अनप्रेडिक्टेबल बताया। प्राजक्ता ने कहा, इस इंडस्ट्री में कोई तय रोडमैप या ब्लूप्रिंट नहीं होता। यह एक रोलरकोस्टर राइड है। कभी लगता है कि तीन-चार अच्छे वीडियो बन गए, जिंदगी सेट हो गई। फिर पांचवां वीडियो आते-आते सब बदल जाता है। इस पागलपन में कोई पैटर्न नहीं, कोई रिदम नहीं। सब कुछ खुद ही करना पड़ता है। उन्होंने यह भी माना कि पिछले दस साल में उनकी सबसे बड़ी सीख यही रही है कि बदलाव को जल्दी अपनाना जरूरी है।

उन्होंने बताया, मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण रहा यह समझना कि इस समय कौन-सी चीज चल रही है, कौन सी चलनी बंद हो गई और फिर बिना रुके अगली चीज की तरफ बढ़ जाना। प्राजक्ता का मानना है कि डिजिटल स्पेस का सफर जितना चुनौतीपूर्ण है, उतना ही रोमांचक भी है।

# 'धुरंधर' के सीक्वल में अपने किरदार पर आर माधवन ने दिया अपडेट

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ा रही है। फिल्म की कहानी से लेकर कास्टिंग तक की काफी चर्चा की जा रही है। इस मल्टी स्टारर फिल्म में आर माधवन ने इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक अजय सान्याल का किरदार निभाया है। 'धुरंधर' के बाद अब दर्शक फिल्म के सीक्वल को लेकर उत्साहित हैं, जिसकी घोषणा मेकर्स ने फिल्म के अंत में ही कर दी है। अब आर माधवन ने फिल्म के सीक्वल और अजय सान्याल के अपने किरदार को लेकर बड़ा हिंट दिया है।

## दूसरे पार्ट में ज्यादा होगा माधवन का किरदार

बातचीत के दौरान आर माधवन ने फिल्म के निर्देशक आदित्य धर की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि आदित्य धर एक साधु हैं। इतनी सघन और गहन फिल्म बनाने की सारी उथल-पुथल के बीच वह चिंताओं को शांत करने के लिए वहीं बैठे रहते हैं। 'धुरंधर' में आदित्य के साथ काम करने के बाद मैं उनके साथ बार-बार काम करना चाहता हूं। वहीं फिल्म के सीक्वल और अपने किरदार को लेकर माधवन ने कहा कि पहले पार्ट में मेरी स्क्रीन प्रजेंस सीमित है। लेकिन मार्च में रिलीज होने वाले दूसरे भाग में मेरे किरदार की झलक साफ दिखाई देगी, क्योंकि वह रणवीर के किरदार को जासूस बनाने के लिए ट्रेनिंग देते हैं।

इस साल माधवन ओटीटी से लेकर सिनेमाघरों तक कई फिल्मों और सीरीज में नजर आए हैं। इस साल अपने काम को लेकर माधवन ने कहा कि मैंने साल की शुरुआत 'हिसाब बराबर' से की थी। जबकि साल का अंत 'धुरंधर' के साथ कर रहा हूं, जो मेरे करियर की सबसे अहम फिल्मों में से एक है। मुझे अपने करियर के सबसे क्रिएटिव दौर में सर्वश्रेष्ठ निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला। मणिरत्नम, कमल हासन, राजकुमार हिरानी, राकेश ओमप्रकाश मेहरा, आनंद एल राय और अब आदित्य धर। मैं इससे ज्यादा और कुछ नहीं मांग सकता था।

## 19 मार्च 2026 को आएगा फिल्म 'धुरंधर' का अगला पार्ट

आदित्य धर द्वारा निर्देशित 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। फिल्म पांच दिनों में ही 142 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर चुकी है। इस स्पाई-थ्रिलर फिल्म में रणवीर सिंह के साथ अक्षय खन्ना, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन और संजय दत्त भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। सच्ची घटनाओं से प्रेरित इस फिल्म का अगला पार्ट 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगा।

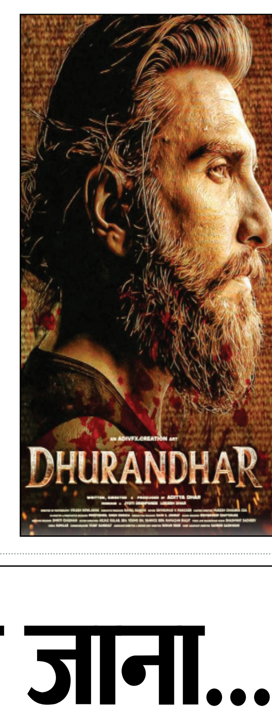


# फिल्म 'टेढ़ी है पर मेरी है' में जितेंद्र कुमार के साथ इश्क फरमाएंगी आरजे महवश

सोशल मीडिया एन्फ्लुएंसर और क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की गर्लफ्रेंड आरजे महवश अब बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। उनकी पहली फिल्म 'टेढ़ी है पर मेरी है' की घोषणा आज हो गई है। इस फिल्म को कोरियोग्राफर और निर्देशक रेमो डिसूजा प्रस्तुत कर रहे हैं। फिल्म की घोषणा करते हुए एक अनाउंसमेंट वीडियो जारी किया गया है।

## जितेंद्र कुमार के साथ बनेगी महवश की जोड़ी

फिल्म को प्रस्तुत करने वाले कोरियोग्राफर-निर्देशक रेमो डिसूजा ने फिल्म का अनाउंसमेंट वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में जितेंद्र कुमार की आवाज में वॉइस ओवर है, जो फिल्म में लीड रोल निभा रहे हैं। फिल्म में जितेंद्र कुमार गुलाब हकीम के किरदार में नजर आएंगे, जबकि आरजे महवश नगमा का किरदार निभाएंगी। हालांकि, आरजे महवश की झलक अभी नहीं दिखी है। वहीं जितेंद्र कुमार भी सिर्फ एक तस्वीर में नजर आए हैं। वीडियो में सिर्फ फिल्म के मेकर्स और कास्ट का खुलासा हुआ है। अनाउंसमेंट वीडियो में जितेंद्र कुमार गुलाब और नगमा की मोहब्बत की कहानी का परिचय देते हैं।

पर्दे पर दिखेगी गुलाब और नगमा की अनोखी मोहब्बत

इस अनाउंसमेंट वीडियो को शेयर करते हुए रेमो डिसूजा ने कैप्शन में लिखा है, 'गुलाब और नगमा की मोहब्बत। एक ऐसी मोहब्बत जिसमें जान कम है, लेकिन जुनून ज्यादा है। गुलाब में मोहब्बत का कीड़ा है और नगमा में एक कुदरत का। दिल धड़कता है, कहानी मोड़ लेती है और प्यार जिद दिखाता है और उसी जिद में दिल धड़कते हैं।

# धनुष से सीखा कम बोलकर भी एक्ट में डूब जाना...

**धनुष की फिल्म तेरे इश्क में चर्चा में है। इसमें मिर्जापुर फेम प्रियांशु पेन्युली भी हैं। उनसे हुई खास बातचीत...**

### तेरे इश्क में आनंद एल राय और धनुष के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

यह मेरे लिए आशीर्वाद जैसा था। दरअसल कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा की कंपनी से फोन आया कि राइटर हिमांशु शर्मा और डायरेक्टर आनंद एल राय आपसे मिलना चाहते हैं। जैसे ही उन्होंने कहा कि यह धनुष के साथ उनकी अगली फिल्म हो सकती है, मैंने कहा, अब इसमें सोचना क्या है? जब आपको आनंद सर, हिमांशु, प्रकाश राज सर और कृति सेनन जैसे एक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिलता है, तो आप ज्यादा सोचते नहीं, बस भगवान को धन्यवाद कहते हैं। मैंने भी ऑफर मिलते ही वही किया। बाकी कृति कमाल की परफॉर्मर हैं।

### आपके किरदार वेद को लेकर क्या कोई खास निर्देश दिए गए थे?

मेरे पहले दिन का सीन इलेक्शन वाले लड़कों के पीछे भागने का था। आनंद सर ने कहा...बाहरी तौर पर यह गुंडा दिखता है, पर अंदर से मासूम है। वेद और शंकर यूपीएससी का फुल फॉर्म नहीं जानते, लेकिन बनते हैं कि हम सबसे बेस्ट हैं।

### धनुष की एक्टिंग टेक्निक में क्या खास लगा?

धनुष सर के साथ कुछ पता ही नहीं चलता। मुझे मुझे उनसे जो सीखने को मिला वह यह कि कम बोलकर भी कैसे एक्ट में डूब या छा जाया जाता है। हम दोनों ने एक ही हॉलीवुड प्रोड्यूसर के साथ काम किया है, तो उस पर भी काफी बातें हुईं।

### प्रकाश राज भी हैं इसमें। सीरियस टॉपिक पर बातें हुई?

प्रकाश सर बहुत मजेदार आदमी हैं। वह 5-6 भाषाएं जानते हैं। उनकी एनर्जी कमाल की थी। मैं उनसे सीखता था कि अलग-अलग इंडस्ट्री में काम करने का क्या अंतर होता है।

### फिल्म काफी इंटेंस है पर शूट के दौरान क्या माहौल रहता था?

कभी पता ही नहीं चलता था कि हम इतनी इंटेंस फिल्म शूट कर रहे हैं। यह सब हुआ आनंद सर के कैप्टन ऑफ द शिप बनने के कारण। वह पूरे क्रू को बेटा या बेटी कहकर बुलाते हैं। उनसे रहने से फैमिली वाली फीलिंग आई।

### मिर्जापुर 3 सीरीज में रॉबिन के किरदार मरना कितना जरूरी था?

जब मैंने पहली बार सुना था तो मेकर्स से कहा...ये क्या बात हुई, क्यों मार दिया? अब तो सब सही चल रहा था। शादी हो गई है, यह अपना बिजनेस बंद कर रहा है, सुधर रहा है लेकिन मुझे लगता है कि यह ओवरऑल एक शॉक एलिमेंट था कि गुड्डू अपनी ही फैमिली को बर्बाद कर सकता है। जब हमने आखिरी सीन शूट किया, तब मैं समझा कि क्यों ऐसा हुआ। रॉबिन तो हमेशा ही अमर है। वह एक ऐसा कैरेक्टर है जो लोगों के दिलों में छा चुका है। रॉबिन पर एक अलग स्पिन-ऑफ बन सकता है।

### निर्देशक गुरमीत से या किसी और से बात हुई कि फिल्म क्यों ला रहे हैं?

मुझे लगता है यह एक अच्छा प्रयास है। मिर्जापुर एक ऐसा शो है जिसमें हर किरदार की अपनी फैन फॉलोइंग है। सिनेमा में लाना शायद इसलिए हो सकता है कि लोग इन किरदारों को बड़े परदे पर देखना चाहें।

# मूक हत्यारा हाईपर टेंशन

**जीवनशैली, काम का बढ़ता दबाव और जरूरत से अधिक महत्वाकांक्षी होना 20 से 30 आयु वर्ग के युवाओं में ब्रेन हैमरिज का कारण बन रहा है. ब्रेन स्ट्रोक के मामले पहले बुजुर्ग अवस्था में देखे जाते थे क्योंकि इसके लिए उच्च रक्तचाप और मधुमेह मुख्य कारण होते थे. हाल ही में ऐसे मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है जिन्हें बहुत कम उम्र में ब्रेन हैमरिज का सामना करना पड़ता है और ऐसा उस जीवन शैली के कारण होता है जिसे वे अपनाते हैं. भारत में ब्रेन स्ट्रोक के मामले सालाना प्रति एक लाख लोगों पर 100 से 150 के बीच होते हैं जिनमें से 15 से 20 फीसदी मामले 30 से कम उम्र के युवाओं के हैं.**

मानसिक तनाव, कामकाज के अधिक दबाव, अनियमित दिनचर्या, प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण, अच्छी नींद का अभाव, गैर स्वास्थ्य और गलत समय पर खानपान की आदतें, व्यायाम का अभाव और जेनिटिक कारण ब्रेन हैमरिज का कारण बन रहे हैं. इन सभी के चलते कम उम्र में ही उच्च रक्तचाप और मधुमेह का शिकार होना पड़ता है जो ब्रेन स्ट्रोक का कारण बनता है. उच्च रक्तचाप मस्तिष्क में रक्तसाव का मुख्य कारण होता है. कई बार मरीजों को उच्च रक्तचाप का पता नहीं होता और इसलिए उन्हें इस बात का अहसास तक नहीं हो पाता कि वे एक टाइम बम लिए बैठे हैं जो फटने के इंतजार में हैं. कई बार उच्च रक्तचाप भी अधिक मानसिक दबाव को नहीं दर्शाता और यही तनाव बढ़ने पर खतरनाक साबित हो जाता है.

हालिया एक मामले में प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षा की तैयारी कर रहे एक 22 वर्षीय युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया जिसे बेहद उच्च स्तर का हाईपर टेंशन था. उसे अर्धबेहोशी की हालत में सिर के पिछले हिस्से में दर्द की शिकायत के साथ लाया गया था. सीटी स्कैन में उसके मस्तिष्क के आधार वाले हिस्से में बड़े रक्तसाव का पता चला. कई सप्ताह के इलाज के बाद उसके उच्च रक्तचाप को नियंत्रित किया जा सका. मरीज के शरीर के एक हिस्से में अभी भी कमजोरी है. अस्पताल में सप्ताह में ऐसे चार पांच मामले आते हैं जो युवाओं में ब्रेन स्ट्रोक से संबंधित होते हैं. हाईपर टेंशन एक मूक हत्यारा है और इसका एक सामान्य रास्ता यही है कि केवल उतना ही दबाव लें जितना संभाल सकें. दवाओं या जीवन शैली में बदलाव के जरिए उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करना ब्रेन स्ट्रोक से बचने में बड़ी भूमिका अदा कर सकता है. जीवनशैली में सुधार का मतलब है कि नियमित रूप से व्यायाम करना और स्वस्थ खानपान की आदतें अपनाना. आज के कामकाज के माहौल में तनाव और प्रतिस्पर्धा शामिल है. इसलिए लोगों को तनाव को कम करने के लिए रोजाना कुछ ऐसा हटकर करना चाहिए जिससे तनाव कम हो. इसके लिए अपना कोई शौक अपनाएं या कुछ देर के लिए ध्यान लगाएं. मधुमेह और हाईपर टेंशन के कारण रक्त वाहिनियों के भीतर एथेरोमा जैसे कुछ तत्वों का जमाव हो जाता है और वाहिकाएं कमजोर पड़ने लगती हैं. एथेरोमा के जमाव के कारण रक्त वाहिकाएं संकरी हो जाती हैं जिससे मस्तिष्क में रक्त की आपूर्ति में कमी आती है और अंततः मस्तिष्क उत्तक नष्ट हो जाते हैं. रक्त वाहिनियों के कमजोर पड़ने से मस्तिष्क के भीतर ही रक्त वाहिनियां फट जाती हैं जिससे रक्त का थक्का जम जाता है और ये सब मिलकर ब्रेन स्ट्रोक का कारण बनते हैं.

# मोनोपॉज महिलाओं को अनिद्रा से बचाता है योग

रजोनिवृत्ति को हासिल कर चुकी महिलाओं को योग अनिद्रा की समस्या से निजात दिलाने में सहायक हो सकता है. एक नए शोध में यह बात कही गयी है. रजोनिवृत्ति के दौरान कई महिलाओं को ठंडा गरम लगने, रात में पसीना आने, वजन बढ़ने और मुहांसों की समस्या से जूझना पड़ता है. शोधकर्ताओं ने पाया है कि 12 सप्ताह तक योग प्रशिक्षण हासिल करने और बाद में घर पर उसका नियमित अभ्यास करने से अनिद्रा की समस्या से छुटकारा मिलता है. शोध रिपोर्ट की मुख्य लेखिका और अमेरिका में ग्रुप हेल्थ रिसर्च इंस्टीट्यूट की वरिष्ठ जांचकर्ता कैथरीन न्यूटन ने बताया, ''ठंडा गरम महसूस होने और रात में पसीना आने की समस्या को हार्मोन थेरेपी से दूर किया जा सकता है लेकिन आजकल बहुत कम महिलाएं ही हार्मोन थेरेपी लेती हैं.'' शोध में यह पता लगाने का प्रयास किया गया कि क्या योग, कसरत या मछली का तेल इन लक्षणों को दूर करने में सहायक हो सकता है. शोध के बाद पाया गया कि योग रजोनिवृत्ति के चरण में पहुंच चुकी महिलाओं को अनिद्रा की बीमारी से बचाता है.

# अपनी त्वचा को यूं खूबसूरत रखें...

अपनी त्वचा की खूबसूरती किसे अच्छी नहीं लगती लेकिन इसे बरकरार रखने के लिए मशक्कत भी करनी पड़ती हैं तो आप भी इनका ध्यान रखें. साफ, स्वस्थ और चमकदार त्वचा से हमारा कॉन्फीडेंस बढ़ता है. लेकिन प्राकृतिक रूप से त्वचा को स्वस्थ रखना आसान नहीं है. हालांकि ऐसे कई खाद्य पदार्थ हैं जो हमारे सिस्टम को साफ रखते हुए त्वचा को खूबसूरत बनाते हैं. स्किन ट्रीटमेंट और फेसपैक के साथ ही हम क्या खाते हैं, यह भी बहुत महत्वपूर्ण है. इसलिए साफ और दमकती त्वचा पाने के लिए खाएं हेल्दी फूड

**चुकंदर (बीटरूट)** – यह हमारे शरीर के जहरीले तत्वों को साफ करता है, रक्त और लिवर को साफ करता है और फ्री रेडिकल्स का सामना करता है. इसके साथ ही, चुकंदर में पोटैशियम, आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, फाइबर और विटामिन ए, बी और सी पाया जाता है.

**अनार (पॉमग्रेनेट)** – यह फल वर्ष भर उपलब्ध रहता है और आप इसका ज्यादा से ज्यादा फायदा उठा सकती हैं. यह हमें फ्री रेडिकल्स से बचाता है और खून साफ करता है. अनार एंटीऑक्सीडेंट फल है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है, कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और रक्त संचार को बेहतर बनाता है.

**सौंफ (फेनल)** – सौंफ में दो जबर्दस्त गुण पाये जाते हैं; पहला, यह एंटीऑक्सीडेंट और डिटॉक्सिफायर है. साथ ही, यह त्वचा को टोन करता है और रक्त संचार बेहतर बनाता है. दूसरा, यह त्वचा को हाइड्रेट और मॉइश्चराइज्ड करता है.

पिपरमिंट (**एक किस्म का पुदीना**) – मिंट या पुदीना स्ट्रेस कम करता है और श्वास संबंधी परेशानियों को दूर करता है. पिपरमिंट त्वचा को सूद करता है और उपचारात्मक गुणों के कारण विभिन्न प्राकृतिक दवाइयों में इसका प्रयोग किया जाता है.

लाल अंगूर (**रेड ग्रेप्स**) – इनमें एंटी इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टी पाई जाती है और ये एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं, जो सिस्टम और रक्त को साफ करने में मदद करते हैं. साथ ही, स्वस्थ त्वचा देने में सहायक होते हैं.

**टमाटर** – टमाटर का इस्तेमाल कर अपनी त्वचा को सूर्य की किरणों से बचाएं. ये एक्ने को कम करता है और त्वचा की ऑयलीनेस को भी घटाता है. टमाटर सनबर्न को ठीक करने में भी सहायक है.

**मिल्क सब्स्टीट्यूट** – त्वचा की समस्याओं से बचने के लिए सुझाव दिया जाता है दूध से परहेज करें लेकिन आप इसके न्यू ट्रियंट्स, विटामिन्स और मिनरल्स को एब्जॉर्ब करने के लिए इसके विकल्प प्रयोग कर सकती हैं. लैक्टिक एसिड और एंजाइम्स त्वचा को इम्प्रूव करते हैं.

**बेरीज** – एंटीऑक्सीडेंट्स आमतौर पर गहरे रंग के स्ट्राबेरीज जैसे ब्लूबेरी, मलबेरी और स्ट्राबेरी में पाये जाते हैं. यह खाने की ललक को कम करता है जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है.

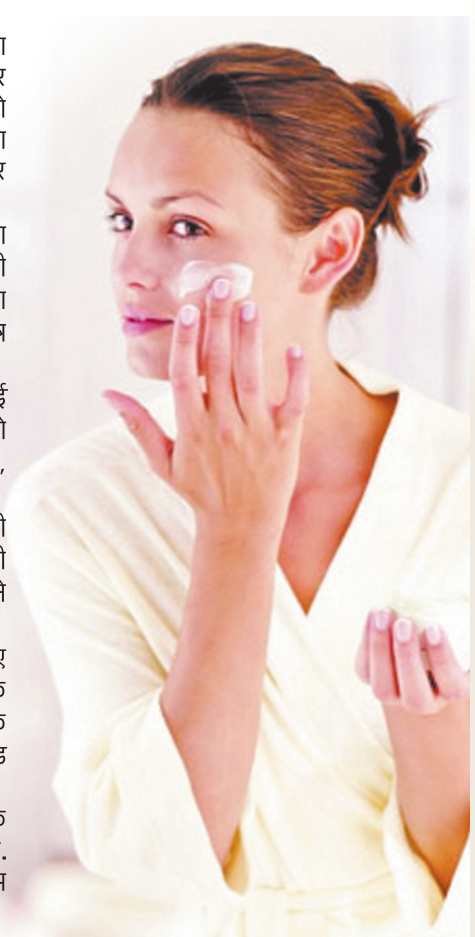

## दिल की बीमारी का इलाज है

# सरसों का तेल

खाने में सरसों तेल का इस्तेमाल स्वास्थ्य को बेहतर बना सकता है और दिल की बीमारी के जोखिम को 70 प्रतिशत कम कर सकता है. एक सरसों प्रोत्साहक इकाई ने यह जानकारी दी है. सरसों शोध एवं संवर्धन कन्सोर्टियम (एमआरपीसी) के अनुसार सरसों का तेल दिल की बीमारी के जोखिम को कम करता है और संतुलित आवश्यक फैटी एसिड अनुपात से जीवन की गुणवत्ता बढ़ता है. एमआरपीसी एक सहायतार्थ सरकार के द्वारा मान्यताप्राप्त शोध संगठन है जिसका ध्येय भारत में सरसों फसल की उपज में सुधार लाना है. एमआरपीसी ने एक बयान में कहा, हम भारतीयों को सरसों तेल अपनाने के लिए प्रोत्साहित करके वैश्विक हृदय स्वास्थ्य को बढ़ाना चाहेंगे क्योंकि यह स्वास्थ्य में सुधार लाने और हृदयरोग के जोखिम को 70 प्रतिशत कम करने में मदद कर सकता है जैसा कि जर्नल ऑफ प्रिवेन्टिव कार्डियोलॉजी के अध्ययन में कहा गया है.

# 14 कारण क्यों खाएं खीरा

**दुनिया में चार सबसे ज्यादा उगाई जाने वाली सब्जियों में से खीरा एक है. आइए जानते हैं 14 कारण कि क्यों रोज खाएं खीरा... अगर नियमित रूप से खीरे का सेवन किया जाए तो यह कई बीमारियों को दूर करता है. खीरे का इस्तेमाल लोग अपनी खूबसूरती बढ़ाने के लिए भी करने लगे हैं. खीरा गुणकारी है. इसलिए इसे पश्चिमी देशों में सुपरफूड तक कहा जाता है. लेकिन सड़कों व गली-मौहल्लों में गर्मियों के दिनों में कटा हुआ खीरा खाना बीमारी को बुलावा देना है. इसलिए साफ सुथरा खीरा खाएं और स्वस्थ रहें. दुनिया में चार सबसे ज्यादा उगाई जाने वाली सब्जियों में से खीरा एक है.**

1. **पानी की कमी को पूरा करने वाला** – खीरे में 90 फीसद पानी होता है. खीरा खाने के बाद शरीर को पर्याप्त मात्रा में पानी मिल जाता है. यह शरीर में पानी का एक तरह से पुन: चक्रण करता है.
2. **ठंडक पहुंचाता है** – खीरा शरीर को अंदर और बाहर दोनों से ठंडक पहुंचाता है. खीरा खाने से हार्टबर्न की अवस्था में आराम मिलता है. सूर्य की गर्मी से झुलसी त्वचा (सनबर्न) पर खीरा लगाने से ठंडक मिलती है.
3. **टाक्सिक निकालता है** – खीरे में पानी अत्यधिक होता है. खीरा अधिक खाने पर विषैले पदार्थ टाक्सिक बाहर निकलते हैं. कुछ लोगों का मानना है कि रोज खीरा खाने से गुर्दे की पथरी खत्म हो जाती है.
4. **रोजमर्रा की जरूरत के विटामिन मुहैया कराने वाला** – रोजाना जिन विटामिन की जरूरत होती है, वे खीरा में हैं. प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने व दैनिक दिनर्चया के लिए विटामिन ए, बी और सी की जरूरत है. खीरे के छिलके में विटामिन सी होता है. इसे खाना भी फायदेमंद होता है. अगर सब्जियों के जूस में खीरा का भी रस निकालते हैं तो यह और भी फायदेमंद है.
5. **त्वचा के लिए जरूरी खनिज मुहैया करवाने वाला** – खीरा में पौटेशियम, मैगनीशियम और सिलीकान अत्यधिक मात्रा में होता है. यह खनिज त्वचा के लिए बहुत जरूरी हैं.
6. **खाना पचाने वाला व वजन कम करने में मददगार** – खीरे में पानी अत्यधिक होता है और कैलोरी कम होती है. इसलिए वजन कम करने के इच्छुक लोगों के लिए खीरा वरदान है. सूप और सलाद में खीरा खाएं. खीरा में फाइबर होते हैं जो खाना पचाने में मददगार होते हैं. कब्ज से परेशान हैं तो रोजाना खीरा खाएं. यह कब्ज के लिए दवाई का कार्य करता है.
7. **आंखों के लिए लाभकारी** – खीरे को स्लाइस की तरह काटकर आंखों की पलक के ऊपर पर रखें. इससे आंखों को ठंडक मिलती है. खीरा की तासीर जलन कम करने की होती है.
8. **कैंसर से लड़ता है** – खीरा खाने से कैंसर होने की आशंका कम रहती है. खीरे में साइकोइसोलएरीक्रिस्नोल, लैरीक्रिस्नोल और पाइनोरिस्नोल तत्व होते हैं. ये तत्व सभी तरह के कैंसर के रोकथाम में कारगर हैं.
9. **मधुमेह, कोलस्ट्रोल और ब्लड प्रेशर नियंत्रक** – खीरा के रस में वो तत्व हैं जो पैनक्रियाज को सक्रिय करते हैं. पैनक्रियाज सक्रिय होने पर शरीर में इंसुलिन बनती है. इंसुलिन शरीर में बनने पर मधुमेह से लड़ने में मदद मिलती है. खीरा खाने से कोलस्ट्रोल का स्तर कम होता है. इससे हृदय संबंधी रोग होने की आशंका कम रहती है. खीरा में फाइबर, पोटैशियम और मैगनीशियम होता है जो ब्लड प्रेशर दुरुस्त रखने में अहम भूमिका निभाते हैं. खीरा उच्च और निम्न ब्लड प्रेशर दोनों में ही एक तरह से दवा का कार्य करता है.
10. **मुंह को ताजगी देता है** – खीरा खाने से मसूडों की बीमारी कम होती हैं. खीरे के एक टुकड़े को जीभ से मुंह के ऊपरी हिस्से पर आधा मिनट तक रोकें. ऐसे में खीरे से निकलने वाला फाइटोकैमिकल मुंह की दुर्गंध को खत्म करता है.
11. **बालों और नाखून के लिए लाभकारी** – खीरे में मौजूद तत्व सीलिशिया बालों और नाखूनों में चमक लाता है और इन्हें मजबूत करता है. सल्फर और सीलिशिया के कारण बाल तेजी से बढ़ते हैं.
12. **जोड़ों की दवा और गठियाबाय में आरामदायक** – खीरे में सीलिशिया प्रचूर मात्रा में होता है. इससे जोड़ों को मजबूती मिलती है और टिशू परस्पर मजबूत होते हैं. गाजर और खीरे का जूस एकसाथ निकालकर पीने पर गठियाबाय रोग में मदद मिलती है. इससे यूरिक एसिड का स्तर भी कम होता है.
13. **सरदर्द व खुमारी से उबरने में मददगार** – अगर सुबह उठने पर सिर में दर्द या खुमारी की शिकायत हो तो सोने से पहले खीरा खाएं. खीरा में विटामिन बी, शूगर और इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं. ये शरीर के लिए पौष्टिक तत्व हैं और सरदर्द व खुमारी से उबरने में मदद करते हैं.
14. **गुर्दे को आकार में रखता है** – खीरे के कारण शरीर में यूरिक एसिड का स्तर नियंत्रित रहता है जिससे गुर्दे अपने सही आकार में रहते हैं.